{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 01 मार्च 2026
फाल्गुन शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 157
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	82,248.61
निफ्टी	25,496.55
सोना	1,61,020
चांदी	2,85,000
डॉलर	91.05

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड का नोटिस

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने नोटिस जारी किया है। मामला रांची के हरमू इलाके में स्थित ॥-10 आवासीय प्लॉट से जुड़ा है। बोर्ड का आरोप है कि यह प्लॉट केवल आवासीय उद्देश्य से आवंटित किया गया था, लेकिन वर्तमान में वहां कथित तौर पर एक पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है।

नोटिस में धोनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट का आवंटन रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है।

गैंगस्टर की 90 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क

गुरुग्राम। गुरुग्राम में गैंगस्टर इंद्रजीत यादव पर ईडी की सबसे बड़ी कार्यवाही की गई है। 90 करोड़ 4 लाख रुपये की अचल संपत्तियों को ईडी ने कुर्क किया। ईडी गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने 26 फरवरी 2026 को अस्थायी कुर्की के लिए आदेश किए जारी। कुर्क की गई संपत्तियों में प्लॉट, जमीन, रिहायशी और कमर्शियल प्रॉपर्टी शामिल हैं। गैंगस्टर इंद्रजीत सिंह यादव और उसकी पत्नी रीना कुमारी के नाम बताई प्रॉपर्टी जा रही है। आरोपी गेंगेस्टर इंद्रजीत यादव इस समय भारत से फरार होकर यूएई से ऑपरेट कर रहा है। आरोपी पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 15 से ज्यादा एफआईआर दर्ज किए गए हैं। हत्या, रंगदारी, जबरन वसूली, प्राइवेट फाइनेंसरों के लोन की जबरन वसूली, धोखाधड़ी, अवैध कब्जा और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर आरोप में शामिल हैं। ईडी की जांच में खुलासा है। कुछ कॉरपोरेट कंपनियों ने निजी फाइनेंसरों से भारी भरकम लोन लिए थे। आरोपी इंद्रजीत सिंह यादव कथित तौर पर इन विवादों में स्ट्रॉन्गमैन और एनफोर्सर की भूमिका निभा रहा था। धमकी, डर और हथियारबंद गिरोहों के जरिए करोड़ों रुपये की जबरन वसूली कराई जाती थी।

5.93 करोड़ का नशा जब्त, 3 गिरफ्तार

गुवाहाटी । असम के गुवाहाटी में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस ने दो अलग-अलग ऑपरेशनों में 5.93 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त की। साथ ही तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया। इस मामले की सूचना मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया (एक्स) पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि गुवाहाटी कामरूप मेट्रो और पथरकंडी में चलाए गए, अभियानों में 83,399 याबा टैबलेट और 10 किलो गांजा बरामद किया है। मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में तस्करों को चेतावनी देते हुए कहा कि हाईवे से घरों तक, अब उनके लिए छिपने की कोई जगह नहीं है। जब्त की गई याबा टैबलेट भारत में पूरी तरह प्रतिबंधित हैं क्योंकि इनमें मेथामफेटामाइन जैसे खतरनाक नशीले पदार्थ होते हैं।

कुछ ना कहना

वार्ता के बीच ईरान पर इजराइल-अमेरिका की एयरस्ट्राइक, मिनाब में ईरानी गर्ल्स स्कूल तबाह 57 छात्राओं की मौत....जवाब में ईरान का दुबई, अबू धाबी, रियाद, दोहा समेत कई शहरों पर ताबड़तोड़ मिसाइल हमले

मध्यपूर्व से महायुद्ध का आगाज!

इजराइल ने ईरान के खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और परमाणु ऊर्जा संगठन को निशाना बनाया

तेहरान/वाशिंगटन/तेल अवीव। वार्ता के बीच शनिवार इजराइल, अमेरिका, रूस, चीन और इरान के बीच बढ़े मतभेद ने सारी दुनिया को महायुद्ध की ओर धकेल दिया है। अचानक इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला कर दिया। इन हमलों में दक्षिणी ईरान में 57 छात्राओं की मौत हो गई। जबकि 45 घायल हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान ने पलटवार करते हुए करीब 400 मिसाइलें दागीं हैं। ईरान ने इजराइल के अलावा कुवैत, कतर, बहरीन और सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी बेस पर भी हमला किया है। ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई को भी निशाना बनाया है। दरअसल, इजराइल ने ईरान के खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन को निशाना बनाया। हमले के बाद खामेनेई को सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, रूस और चीन का ईरान को ब्लैंक सपोर्ट करने और वार्ता के कारण ईरान को 15-20 दिन जंग की तैयारी करने का मौका मिल गया है, जिसके कारण ईरान इजराइल और अमेरिका को मुंह तोड़ जवाब दे रहा है। ईरान की सेना ने घोषणा की है कि उसने इजराइल के खिलाफ पहली बार बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया है, जिसमें दर्जनों हमला करने वाले ड्रोन दागे गए हैं। यह हमला अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में किया गया है। उधर, अमेरिका और इजराइल के विरोध में दुनिया के कई देश उतर आए हैं और हमले पर चिंता जताते हुए जंग को तत्काल रोकने की अपील की है।

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम लियोनस् रोर (शेर की दहाड़) रखा है। यह अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन है। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का मकसद अमेरिका और उसके लोगों को खतरे से बचाना है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

बहरीन में कई जगहों पर हमला

बहरीन की सरकारी न्यूज़ एजेंसी का कहना है कि देश के बाहर से हुए हमले की वजह से किंगडम के अंदर कई जगहों पर अटैक हुआ है। बहरीन ने इसे हमले की देश की सॉवरेनिटी और सिक्योरिटी का खुला उल्लंघन बताया है और कहा कि बहरीन में अधिकारी इमरजेंसी उपाय लागू कर रहे हैं। उसने कहा कि किंगडम बहरीन इस धोखेबाज हमले की कड़ी निंदा करता है जो किंगडम और उसके नागरिकों के लिए सीधा खतरा है।

कुवैत में सायरन और धमाकें

चश्मदीदों ने कुवैत में सायरन और धमाकों की आवाज सुनी है। जो अमेरिकी आर्मी सेंट्रल का ठिकाना है। कतर में अल उबैद एयरबेस पर हमला हुआ है, कुवैत में अल सलेम एयरबेस पर हमला हुआ है। यूएई में अल धफरा एयर बेस पर हमला हुआ है। इसके अलावा बहरीन में अमेरिकी सैन्य बेस पर ईरान ने ताबड़तोड़ हमला किया है।

अबू धाबी में एक व्यक्ति की मौत

ईरान के हमले की जद में सऊदी अरब की राजधानी रियाद,यूएई का दुबई और अबू धाबी शामिल है। अबू धाबी में कई धमाकों की खबर है। अबू धाबी में एक व्यक्ति की मौत की खबर है। दुबई में तेज धमाके की खबर है। यूएई ने कहा है कि वो ईरान को इन हमलों का जवाब देगा।

इराक में 2 लोग मारे गए

पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स के एक स्पोक्सपर्सन ने बताया कि बगदाद के दक्षिण में जर्फ अल-सखार में एयरस्ट्राइक के बाद हुए कम से कम चार धमाकों में कम से कम दो इराकी हाशिद शाबी फाइटर मारे गए और तीन दूसरे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने आगे कहा कि संभावित कैजुअल्टी के लिए सर्च ऑपरेशन जारी हैं। पीएमएफ, जिसे अरबी में हाशद अल-शाबी के नाम से जाना जाता है, ज़्यादातर शिया पैरामिलिट्री ग्रुप्स का एक अम्ब्रेला ग्रुप है जिसे ऑफिशियली इराक के स्टेट सिक्योरिटी फोर्स में शामिल किया गया था और इसमें ईरान से जुड़े कई ग्रुप्स शामिल हैं।

अमेरिका के सैन्य अड्डों पर बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला

ईरान ने इजराइल के बाद अमेरिका के खिलाफ ऐलान ए जंग कर दिया है। ईरान ने मध्य पूर्व में स्थित अमेरिका के 7 सैन्य अड्डों पर बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। अगर इजराइल को भी मिला दें तो ईरान ने एक साथ 8 देशों पर जवाबी हमला किया है। ताजा जानकारी के मुताबिक ईरान ने सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, कुवैत, कतर,यूएई में स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डों पर हमला किया है। बहरीन ने शनिवार को कहा कि आइलैंड किंगडम में यूएस नेवी के हेडक्वार्टर को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया गया। उसने हमले के बारे में तुरंत कोई और जानकारी नहीं दी। बहरीन के मनामा शहर में भी धमाके की आवाज सुनी गई है। ईरान ने मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिका के सैन्य अड्डों पर मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमला किया है। ईरान ने यूएई के अल धफरा एयर बेस पर, कुवैत में मौजूद अमेरिका के आर्मी बेस, सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी बेस, बहरीन के मौजूद अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कतर की राजधानी दोहा में भी धमाके की आवाज सुनी गई है। दोहा में एयरबेस को बंद कर दिया गया है। संयुक्त अरब अमीरात में भी ईरान ने हमला किया है। कुवैत,यूएई और बहरीन में भी कई अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ईरान ने हमला किया है। इधर सऊदी विदेश मंत्रालय नेयूएइ, बहरीन, कतर, कुवैत और जॉर्डन पर ईरानी हमलों की निंदा की है।

कतर में कई धमाके

कतर में मोबाइल फोन पर वॉर्निंग अलर्ट बज गए, जिसमें लोगों से सुरक्षित जगहों पर पनाह लेने की अपील की गई। कतर में एयरस्पेस को बंद कर दिया गया है और सभी फ्लाइट को रद्द कर दिया गया है। कतर की राजधानी दोहा में कई धमाकों की आवाज सुनी गई है, कतर के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि कतर को टारगेट करती हुई कई मिसाइलें देश के एयर स्पेस में आईं

बैलिस्टिक मिसाइल पर विवाद चल रहा था

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी। अमेरिकी सेना पहले ही ईरान को चारों तरफ से घेर चुकी है। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिका ने अपने नागरिकों से तुरंत इजराइल छोडने् के लिए कहा था। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही परमाणु समझौते की बातचीत में बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट सबसे बड़ा विवाद का मुद्दा बन गया है। ईरान इस पर बिल्कुल भी समझौता करने को तैयार नहीं है और इसे अपनी रेड लाइन मानता है। ईरान का कहना है कि यह उसके बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम रक्षा के लिए जरूरी है। ईरान का कहना है कि जून 2025 में इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु साइटों पर हमला किया, तब ईरान की मिसाइलों ने ही उसकी रक्षा की। ईरानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि मिसाइल कार्यक्रम पर कोई बात नहीं होगी। यह ईरान की रक्षात्मक क्षमता है और इसे छोडना् मतलब खुद को कमजोर करना होगा। ईरान कहता है कि बातचीत सिर्फ परमाणु कार्यक्रम तक सीमित रहेगी, मिसाइल या क्षेत्रीय समूहों पर नहीं।

इजराइल में स्कूल-दफ्तर बंद

इजराइल में लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। स्कूल और कई दफ्तर बंद कर दिए गए हैं। अस्पतालों के मरीजों को सुरक्षा के लिए नीचे बने सुरक्षित कमरों में ले जाया गया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने पूरे देश में इमरजेंसी घोषित किया है। उन्होंने कहा है कि ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले हो सकते हैं। पुलिस ने लोगों से कहा है कि वे जरूरी काम के अलावा बाहर न निकलें, ताकि एंबुलेंस और सुरक्षा बल आसानी से काम कर सकें।

तुरंत जंग रोकने की अपील

इस बीच विश्व के देशों ने इजराइल-ईरान से जंग रोकने को कहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता युद्ध दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हालात बहुत खतरनाक होते जा रहे हैं और इस तनाव को तुरंत रोकना जरूरी है। मैक्रों ने यह भी कहा कि फ्रांस अपने देश, अपने नागरिकों और मध्य पूर्व में अपने हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तैयारी कर रहा है। साथ ही, अगर उनके सहयोगी देश मदद मांगते हैं, तो फ्रांस उन्हें सुरक्षा देने के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार है। वहीं ईरान पर जारी अमेरिकी और इजराइली हमलों के बीच रूस ने तत्काल सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि स्थिति को राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान की राह पर वापस लाया जाना चाहिए।

खामेनेई जिंदा हैं या मारे गए?

नई दिल्ली। इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान पर हमले करना शुरू कर दिया है। वहीं, कुछ इजरायली मीडिया चैनलों ने चलाया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई मारे गए हैं। लेकिन इस स्थिति पर अभी स्पष्ट पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन नवीनतम जानकारी के अनुसार वे जीवित हैं।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा है कि 卐जहां तक मुझे पता है卐, खामेनेई अभी जीवित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और अधिकांश उच्च पदाधिकारी सुरक्षित हैं, हालांकि कुछ कमांडरों की मौत की पुष्टि हुई है।

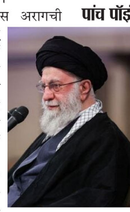

इजरायली मीडिया (जैसे चैनल 12 और अन्य) ने अनाम सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि शनिवार सुबह (28 फरवरी 2026) के हमलों में खामेनेई की मौत हो गई है या कम से कम गंभीर रूप से घायल हैं। इजरायल के आकलन में 卐बढ़ते संकेत卐 बताए गए, और कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि उनके संपर्क में कोई नहीं है। लेकिन इजरायल सरकार ने इसे आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की।

इजरायल के दावे पर ईरान ने दिया ये जवाब

पांच पॉइंट में समझें हमले की पूरी बात

इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान पर बड़े हमले शुरू किए, जिसे इजरायल ने ऑपरेशन लायंस रोर और अमेरिका ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया।

शुरुआती हमलों में तेहरान में खामेनेई के परिसर, कार्यालयों और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा जारी उपग्रह तस्वीरों में खामेनेई के आधिकारिक निवास में भारी नुकसान दिखा है।

रिपोर्टों में ईरान के रक्षा मंत्री अमीर नासिरजादेह और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर मोहम्मद पाकपुर समेत कुछ वरिष्ठ कमांडरों की मौत की खबरें हैं।

नेतन्याहू और ट्रंप ने हमलों को जायज ठहराते हुए कहा कि यह ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल क्षमता को खत्म करने और शासन बदलने के लिए है। ट्रंप ने ईरानी लोगों से अपील की कि वे सरकार पर कब्जा कर लें।

ईरान ने जवाबी कार्रवाई की־ इजरायल पर मिसाइलें दागीं, और कतर, यूएई, सऊदी अरब, बहरीन में अमेरिकी संपत्तियों पर हमले किए। ईरान ने कहा कि वह 卐पूर्ण शक्ति卐 से जवाब देगा।

यह स्थिति तेजी से बदल रही है, और खामेनेई की मौत की अफवाहें अभी भी चल रही हैं क्योंकि उनके कोई हालिया सार्वजनिक बयान या उपस्थिति नहीं आई है। लेकिन ईरानी पक्ष से स्पष्ट इनकार आया है।

एक चरण में होंगे पांच राज्यों के चुनाव

चुनाव आयोग की तैयारियां तेज: अप्रैल-मई में मतदान की तैयारी

नईदिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग ने पांच राज्यों का चुनाव एक चरण में कराने की तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग ने कई राज्यों का दौरा कर चुनाव से संबंधित स्थितियों की समीक्षा करना शुरू कर दी है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में एक ही चरण में चुनाव कराने का विकल्प चुनाव आयोग खोज रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार,निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी तमिलनाडु के दौरे पर पहुंचे हैं। एक चरण में चुनाव के लिए उन्होंने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है।

चुनाव आयोग की बैठक में डीएमके अन्नाद्रमुक, भाजपा, कांग्रेस माक़पा बसपा आप और अन्य राजनीतिक दल शामिल थे।

चुनाव आयोग का मानना है। एक चरण में चुनाव होने पर राज्य के बाहर से लोगों की आवाजाही और फर्जी मतदाताओं द्वारा मतदान की आशंकाएं कम होगी। निष्पक्ष और नियंत्रित चुनाव होंगे।

असम में 126 पांडिचेरी में 30 केरल में 140 पश्चिम बंगाल में 294 और तमिलनाडु में 232 विधानसभा की सीटों पर चुनाव होना है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार चुनाव आयोग अप्रैल और मई में उपरोक्त पांचो राज्यों में चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। आयोग कभी भी चुनाव की अधिसूचना जारी कर सकता है। पश्चिम बंगाल की फाइनल मतदाता सूची को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

अविमुक्तेश्वरानंद को अंतरित राहत

वाराणसी। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दो बटुकों से कथित यौन शोषण के आरोप में दर्ज एफआईआर के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मार्च के तीसरे सप्ताह में तय की है। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी रहेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद वाराणसी स्थित श्री विदया मठ में उत्साह का माहौल देखा गया। मठ में अध्ययनरत करीब 400 बटुक वेद, धर्म और आध्यात्म की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कई बटुकों ने अदालत के फैसले पर संतोष जताकर अपने गुरु के प्रति विश्वास व्यक्त किया। उनका कहना है कि उन्हें अपने गुरु पर पूरा भरोसा है और उन्हें फंसाने की साजिश रची गई है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की गुणवत्ता पर असर...फोर्टिफाइड चावल के वितरण पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) के तहत वितरित हो रहे फोर्टिफाइड चावल पर फिलहाल रोक लगा दी है। यह निर्णय लंबे समय तक भंडारण के दौरान चावल में मिलाए गए सूक्ष्म पोषक तत्वों की गुणवत्ता घटने की आशंकाओं के कारण लिया है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार, इस संबंध में विस्तृत अध्ययन के लिए आईआईटी खड़गपुर को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। संस्थान ने अलग-अलग मौसम, तापमान, नमी और भंडारण की परिस्थितियों में फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता का परीक्षण किया। रिपोर्ट में सामने आया कि लंबे समय तक गोदामों में रखने पर चावल में मिलाए गए आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्वों की मात्रा में कमी आ रही है, जिससे इस योजना का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है।

भारत में सरकारी गोदामों में चावल का भंडारण आवश्यकता से अधिक है। केंद्रीय पूल में लगभग 674 लाख मीट्रिक टन चावल उपलब्ध है, जबकि सालाना जरूरत करीब 372 लाख मीट्रिक टन की ही है। इस अतिरिक्त भंडारण के कारण चावल को 2 से 3 वर्षों तक गोदामों में रखा जाता है। इतनी लंबी अवधि में तापमान और नमी के प्रभाव से पोषक तत्वों की शक्ति कम हो जाती है। यही भंडारण समस्या सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है, जिसके चलते यह अस्थायी निर्णय लिया गया है।

आंध्र पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में अबतक 21 की मौत

सीएम ने मुआवजे का किया ऐलान; 4 अधिकारी भी निलंबित

काकीनाड़ा। एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हादसे को लेकर शोक जताया है। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को क्व्हक्र्न से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर गहरा दुख जताया और कहा कि राहत व बचाव कार्य जारी है।

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलपालेम गांव पटाखा फैक्ट्री में शनिवार दोपहर हुए भीषण विस्फोट में 21 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 8 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं हादसे के बाद मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सख्त रुख अपनाया है। मामले में चार वरिष्ठ जिला स्तरीय अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नायडू ने मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

वहीं, राज्य के मंत्री कंदुला दुर्गेश ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ उस समय यूनिट में लगभग 30 कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि धमाका इतना तेज था कि कई शव छिटक कर पास के धान के खेतों में जा गिरे। पुलिस ने खेतों में बिखरे शवों और अंगों की तलाश के लिए ड्रोन तैनात किए हैं।

दोपहर 2 बजे हुआ धमाका

बताया गया कि विस्फोट दोपहर करीब 2 बजे हुआ। इस विस्फोट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में घटनास्थल से आग और धुएं के गुबार उठते देखे जा सकते हैं। वहीं हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हादसे में मारे गए लोगों के शवों को स्थानीय लोग खाद की बोरियों से बनी चादरों (बराकालु) में उठा कर ले गए।

पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने जताया शोक

वहीं,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक जताया है। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को क्व्हक्र्न से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर गहरा दुख जताया और कहा कि राहत व बचाव कार्य जारी है।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने किया दौरे का ऐलान

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि यह राज्य का सबसे बड़ा विस्फोट है और पूरी घटना की जांच कराई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और वरिष्ठ मंत्रियों को मौके पर भेजा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यूनिट में विस्फोट के समय बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री का स्टॉक मौजूद था, जिससे मामूली चूक भी बड़े हादसे में बदल गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आग लगने और विस्फोट के कारणों की जांच कर रहे हैं। मृतकों में अधिकांश मजदूर गरीब तबके से बताए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

होली को लेकर बाजार हुआ गुलज़ार, पर्व विशेष की तैयारियां जोरों पर

होली पर दिख रही मंहगाई की मार, 20 रू. तक महंगे हुए समस्त सामग्रियों के दाम

पदमेश न्यूज,बालाघाट। रंगो के महापर्व होली को अब महज 2 दिन शेष बचे हैं।रंगों के इस पर्व को अनक़रीब देखते हुए जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में पर्व की तैयारियां शुरू हो चुकी है।पर्व विशेष पर नगर का बाजार एक बार फिर से गुलजार हो गया है।जहां विभिन्न प्रकार के रंग गुलाल तरह-तरह की पिचकारी, बताशे और गाठी मालाओं से दुकानें सजने लगी है।रंगों के इस त्यौहार पर 20त्न तक की महंगाई का असर साफ देखा जा रहा है। जहां होली में उपयोग आने वाली समस्त सामग्रियां पिछले वर्ष की तुलना में महंगी बेची जा रही है। इसकी प्रमुख वजह उत्पादन में कमी, ट्रांसपोटिंग और कच्चे मटेरियल का महंगा होना बताया जा रहा है। नगर के विभिन्न स्थानों में लगी यह दुकाने लोगों को अपनी ओर आकर्षित तो कर रही हैं लेकिन बताशे, गाँठिया माला रंग गुलाल पिचकारी सहित अन्य दुकानों में फिलहाल कारोबार में उम्मीद के मुताबिक उछाल नही आया है।स्थानीय दुकानदारों द्वारा पर्व के एक दिन पूर्व मार्केट में अच्छा उछाल आने की बात कही जा रही है। वही मुख्यालय के अलावा तहसील अंचलों में भी रंगो के इस पर्व की तैयारियां शुरू हो गई है। जहां इस पर्व विशेष पर तरह-तरह की दुकानें सज चुकी है। ज्ञात हो कि इस बार भी रंगों का महापर्व जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। लेकिन होलिका दहन व धुरेडी की तारीखों को लेकर लोगो मे असमंजस्य से बना हुआ है।

ग्रहण के चलते ज्यादातर लोग 2 मार्च को करेंगे होलिका दहन

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले भर में होली का यहां पर्व, हर्षोल्लास, उमंग व उत्साह के साथ मनाया जाएगा। लेकिन इस पर्व को मानने को लेकर लोगों में असमंजस्य की स्थिति देखी जा रही है।जहां ग्रहण के चलते ज्यादातर लोगों द्वारा 2 मार्च को होली का दहन किए जाने की बात कही जा रही है, हालांकि कुछ लोगों द्वारा 3 मार्च की शाम को होलिका दहन करने की बात कही जा रही है। उधर आम लोगों के साथ-साथ स्थानीय व्यापारी भी तिथियो को लेकर असमंजस्य में नजर आ रहे हैं। बताया गया कि 2 मार्च को होलिका दहन के साथ इस पर्व की शुरुआत होगी। वही 3मार्च को जिले भर में धुरेड़ी पर्व मनाया जाएगा। जिले में इस पर्व की 5 दिनों तक रौकने देखने को मिलेगी।।

मुखौटों को लेकर बढा क्रेज

शहर का पूरा बाजार होली के दुकानों से सजा हुआ है। होली रंगों का त्योहार है, तो दुकानें भी रंग बिरंगी दिख रही हैं। जगह- जगह रंग बिरंगी पिचकारियों से दुकानें सजी हुई हैं। आकर्षक पिचकारी बच्चों को लुभा रही हैं। अलग-अलग कलर के लिए बच्चे क्रेजी नजर आ रहे हैं। तो वहीं दुकानदार भी पिछली बार से ज्यादा सुविधा अपने ग्राहकों को दे रहे हैं। और नए अंदाज में दुकानों को सजाए हुए हैं। होली के इस त्योहार में होली की स्पेशल सामग्री के साथ दुकान में बैठे व्यापारियों का मानना है कि अभी जितने ग्राहकों की उन्हें उम्मीद है उतने तो नहीं आ रहे हैं। लेकिन कल से ग्राहकी बढने की उम्मीद है।होली में रंग, पिचकारी के अलावा मुखौटों का क्रेज भी बहुत रहता है। होली के दिन ज्यादातर लोग अलग-अलग अंदाज में नजर आते हैं। बच्चों में मुखौटों को लेकर खासा क्रेज

देखने को मिलता है। सुपरमैन, स्पाइडर मैन, छोटा भीम जैसे मुखौटों की मार्केट में खासा क्रेज है। बच्चे काफी पसंद कर रहे।

कई रंग के गुलाल

लाल, हरा, नीला व पीला गुलाल हमेशा से बाजार में बिकते आए हैं। इस बार नए रंग के गुलाल बाजार में उपलब्ध हैं। बैगनी, नारंगी, धानी आदि रंग के भी गुलाल आए है। दुकानदारों का कहना है कि अब ग्राहक नए रंग के गुलाल की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग को ध्यान में रखकर नए रंग के गुलाल मंगाए गए हैं। इस बार हर्बल गुलाल ज्यादा मात्रा में मंगाए गए हैं।

चाइनीज पिचकारी बाजार से गायब

चाइनीज सामान लेने से लोग परहेज कर रहे हैं। यही वजह है कि बाजार से यह पिचकारी गायब है। इन पिचकारियों की कमी खलने वाली नहीं है। क्योंकि विभिन्न प्रकार की देशी पिचकारियां उपलब्ध हैं।स्थानीय दुकानदारों के अनुसार पिछले कई वर्षों से चायनीज पिचकारी की बिक्री काफी कम हो गई है।दुकान में जो एक्का दुक्का चायनीज आयटम पड़ा है वो काफी पुराना है। मांग नही होने के चलते दुकानदार भी चायनीज आयटम खरीदने से परहेज कर रहे है।

दुकानों में बज रहे होली और फाग गीत

होली के इस विशेष पर्व पर नगर में सजी दुकानों में अब होली और फाग के गीत बजने लगे हैं जहां दुकानदार होली के गाने बजा कर लोगों को इस पर्व विशेष पर बिकने वाली सामग्रियों के लिए आकर्षित कर रहे हैं।तो वही विभिन्न दुकानों में इस पर्व को लेकर विशेष आकर्षक छूट के पोस्टर भी चस्पा किए गए हैं।

बाजार हुए गुलजार

इस दौरान बच्चों, बड़ों, युवतियों और महिलाओं के कपड़ों के साथ रंग-अबीर, कुर्ती-साड़ी, पिचकारी, होली गिफ्ट, मिठाई के साथ होली की रंग-बिरंगी भेषभूषा का बाजार सजने लगे हैं। जहा नगर की स्थाई और अस्थाई दुकानदारों ने रंग-बिरंगी कपड़ों की दुकानें सजानी शुरू कर दी।

गाँठिया माला कारोबार में आया आंशिक उछाल

होली के विशेष पर्व पर गाँठिया माला का अपना एक विशेष महत्व होता है जहां होलिका दहन में गाँठिया माला चढ़ाने का प्रचलन महाराष्ट्र की तरह अब बालाघाट में भी बढ़ गया है।जिसके चलते कुछ वर्षों के मुकाबले इस वर्ष गाँठिया माला की डिमांड अधिक बढ़ गई है जहां डिमांड को पूरी करने के लिए नगर में संचालित कारखानों में दिन-रात गाँठिया माला बनाने का कार्य शुरू है।बताया जा रहा है कि जिले सहित तहसील व ग्रामीण अंचलों में गाँठिया माला की डिमांड काफी बढ़ गई है जिसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।फिलहाल गाँठिया माला के कारोबार में आशिक उछाल आया है।लेकिन रविवार को इसकी जमकर बिक्री होने की बात कही जा रही है।

होलिका दहन की तैयारी में जुटे लोग

बात अगर ग्रामीण अंचलों की करे तो ग्रामीण क्षेत्रों में होलिका दहन की तैयारी में लोग,पखवारे भर पहले से ही जुट गए हैं। सूखी लकड़ियों सहित झाड़-झंखाड़ जगह-जगह इकट्ठा किए जा रहे हैं। उधर, घरों में महिलाओं ने होलिका दहन के लिए गोबर की गूलरी कंडे बनाने भी शुरू कर दी हैं।ज्ञात हो कि पहले होलिका दहन से पूर्व, लकड़ी के इंतजाम के लिए युवक रात में कुल्हाड़ी लेकर निकलते थे और पेड़ों से लकड़ी काटकर लाते थे। दो-चार दिन में ही होलिका दहन स्थल पर हरी लकड़ियों का ढेर लग जाता था। इसके बाद बाजार से थोड़ी सूखी लकड़ी लाकर होलिका दहन होता था। वही गांवो में जिसके पेड़ होते थे, उनके मालिक पूरी रात जागकर उनकी सुरक्षा करते थे। बावजूद इसके भी युवाओं की टोलियां लकड़ी काटने में कामयाब हो जाती थीं, लेकिन अब ऐनवक्त पर आरा मशीनों से लकड़ियां खरीदकर लाई जाती हैं और होलिका दहन की रस्म निभाई जाती।

महंगाई बढ़ गई है,100 में से महज 5 ग्राहक कर रहे खरीदी- दिलीप चौरडिया

गुजरी परिसर में दुकान लगाकर बैठे दुकानदार दिलीप चौरडिया ने बताया कि पिछले 8 वर्षों से होली पर्व पर वे दुकान लगाते आ रहे हैं। मार्केट के अभी बुरे हाल है। हरवर्ष हम 1 दिन पहले दुकान लगाते थे इस बार 3 दिन पहले लगाए हैं, लोग बोल रहे हैं कि होलिका में ग्रहण है, होली 2 को भी जल सकती है और 3 को भी,इससे अभी मार्केट में उछाल नहीं आया है।अभी 100 में से महज 05 लोग ही होली की सामग्रियां खरीद रहे हैं। बाकी लोग देखते हैं, रेट पूछते हैं और चले जाते हैं। इस बार महंगाई भी काफी बढ़ गई है पिछले बार जो पिचकारी 20रु की आती थी वह इस बार 60रु की आ रही है, जो गुलाल 60रु किलो आता था, वह 90रु किलो में मिल रहा है, करीब 20त्न तक सभी सामग्री महंगी पड़ रही है। एक-दो दिनों में कारोबार में उछाल आने की संभावना बनी हुई है। यदि उछाल नहीं आया तो हमें इस वर्ष घाटा उठाना पड़ेगा।

गठिया माला महंगी है,रेट पूछकर वापस जा रहे ग्राहक- सोनी

वही गठिया माला की दुकान लगाकर बैठे दुकानदार श्री सोनी ने बताया कि वे करीब 15 20 वर्षों से होली पर्व पर गठिया माला की दुकान लगा रहे हैं। इस वर्ष मार्केट काफी ठंडा है,माल महंगा होने के चलते लोग काम खरीदारी कर रहे हैं, पहले 20रु पाव में माला बेच रहे थे, इस वर्ष इसके दाम बढ़ गए हैं, इसीलिए इस वर्ष 30 रु पाव बेचना पड़ रहा है। लेकिन ग्राहक पुराने रेट में ही गठिया माला खरीदने की मांग करते हैं। फिलहाल मार्केट में उठाव नहीं है, एक-दो दिन के भीतर इसमें जबरदस्त उठाव आने की संभावना है।

ज्यादातर लोग 2 मार्च को करेंगे होलिका दहन- दिलीप चौधरी

होली पर्व पर पर्व विशेष की सामग्री खरीदने पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप चौधरी ने बताया कि वह होली को लेकर मार्केट में सामान खरीदने आए हैं इस वर्ष होलिका दहन को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन है लेकिन ज्यादातर लोग 2 मार्च को ही होलिका दहन करेंगे, क्योंकि 3 मार्च को ग्रहण लग रहा है इसीलिए ज्यादातर लोग 4 मार्च को रंग गुलाल खेलेंगे और हर्षोल्लास के साथ यह त्यौहार मनाएंगे।

माहे रमजान का पहला अशरा मुकम्मल, दूसरा अशरा आज से शुरू

तीन अशरो में बटा है पवित्र माह रमजान, इबादतों का दौर जारी

पदमेश न्यूज़,बालाघाट।पवित्र माह रमजान में इबादतों का दौर जारी है।जहां चांद के दीदार के साथ 18 मार्च की शाम से शुरू हुए इस पवित्र माह रमजान का आज 28 मार्च दिन शनिवार को एक अशरा पूरा हो गया है। वहीं माहे रमजान का दूसरा अशरा रविवार 1मार्च से शुरू होगा।जिसको लेकर मुस्लिम समाजिक बन्धुओ में काफी उत्साह देखा जा रहा है।आपको बताएं कि माहे रमजान को बरकतों रहमतों, मगफिरतो और फजीलतो वाला महीना भी कहा जाता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी माह में पवित्र कुरान भी मुकम्मल तौर पर,इस धरती पर उतारा गया था।

03 अशरो में बटा है रमजान

बताया गया कि इस पवित्र महीने को 3 अशरे में बांटा गया है,जिसके मुताबिक पहले से 10 रोजे तक रहमतों का, 10 वे 20 रोजे तक बरकतों का और 20 से 30 वे रोज़े तक जहन्नुम की आग से बचाने का हिस्सा माना गया है। इसी 30 रोजे के दरमियान 26वे रोजे की रात को शब ए कद्र मनाई जाती है।जिसे मुस्लिम समुदाय के लोग पूरी रात इबादतों में गुजारते हैं और 30 रोजे मुक्कमल कर चांद के दीदार के अगले दिन ईद का पर्व मनाया जाता है।

हर मुस्लिम पर फर्ज है रमजान के रोजे

इस्लाम मे मुस्लिम समुदाय के लोगों पर 5 फर्जों की अदायगी अनिवार्य की गई है। जिसमें रमजान शरीफ के रोजे रखना भी एक अहम फर्ज है।अपनी इसी फर्ज की अदायगी के लिए मुस्लिम समाज के लोग पूरे साल भर रमजान शरीफ के महीने का इंतेजार करते रहते हैं और आमदे रमजान पर रोजे रख इस पवित्र महीने को इबादतो गुजारते हैं।जिसका दूसरा अशरा आज 1मार्च रविवार से शुरू हो गया है।

सदका खैरात के लिए विशेष महत्व

बरकतों के इस खास महीने में सदका खैरात का विशेष महत्व होता है। इसमें मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा के साथ-साथ तिलावते कुरान पांच वक्त की नमाज के अलावा तरावी की विशेष नमाज पढ़ते और लोग जानो माल का सदका ,खैरात व जकात में लीन नजर आते है।

बाजार हुए गुलजार

माहे रमजान में जहां एक ओर मुस्लिम क्षेत्रों में रौनके पुनः लौट आई है तो वहीं माहे रमजान पर बाजार गुलजार हो गए हैं। कपड़ा मार्केट ,किराना दुकान ड्राई फूड व फल बाजार आदि में भीड़ जुटने लगी है। जहां से लोग रमजान ईद के लिए कपड़े ,टोपी ,सुरमा, राशन ,सेहरी की मिठाईयां अन्य ड्राई फूड व विभिन्न प्रकार के फलों खरीदते नजर आ रहे हैं । मार्केट में इन दिनों सबसे ज्यादा खजूर की बिक्री हो रही है क्योंकि रोजा इफ्तार में खजूर का सबसे पहले सेवन करने की धार्मिक परंपरा है। इसके चलते लोगों को विभिन्न वैरायटीयो की खजूर खरीदते देखा जा रहा हैं। बाजारो मे रौनको का यह सिलसिला चांद रात तक देखा जाएगा।जहां ईद का चांद नजर आने की रात तक जमकर खरीदारी होगी। वही चांद के दीदार के अगले ही दिन ईद का पर्व मनाया जाएगा।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में दिनांक 27 एवं 28 फरवरी 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष की थीम 卐विज्ञान में महिलायें = विकसित भारत की उत्प्रेरक卐 रही। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागडे तथा कार्यक्रम संयोजक श्रीमती दीप्ति गढ़पाले के निर्देशन में संपन्न हुआ।

प्रथम दिवस पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर द्वारा किया गया। अतिथियों ने छात्राओं के वैज्ञानिक मॉडल एवं नवाचारों की सराहना की।

द्वितीय दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता, साइंटिफिक रंगोली, मॉडल प्रतियोगिता एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सतीश चिले (सेवानिवृत्त प्राचार्य, पी.जी. कॉलेज सिवनी) की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सान्दीपनि विद्यालय में 01 मार्च को 'विज्ञान दिवस : प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सान्दीपनि विद्यालय, बालाघाट में दिनांक 1 मार्च 2026, रविवार को प्रात: 10ः00 बजे से 'विज्ञान दिवस : प्रतिभा सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डा युवराज रहांगडाले ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान प्रदर्शनी, साइंस सर्किल JCAT एवं SCAT 2025-26 परीक्षा के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन होगा। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 रैंक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही संस्था प्रमुखों एवं शाला प्रभारियों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अभिषेक सराफ, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अश्विनी कुमार

उपाध्याय, जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी। विशेष आकर्षण के रूप में Motion Institute, Kota के 24 वर्षों के अनुभवी फैकल्टी एवं हेड श्री जयंत चित्तौड़ा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक उद्बोधन देंगे। साइंस सर्किल द्वारा जिले के समस्त विद्यार्थी, शिक्षकगण एवं अभिभावकों से कार्यक्रम में सादर उपस्थिति का आग्रह किया गया है।

नाम सुधार सूचना

मैं सुयश बिहोने पिता श्री नन्दकुमार बिहोने वार्ड क्रमांक 08 ग्राम पोस्ट बिंझलगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट का निवासी हूं।

यह कि मेरे दस्तावेजो (आधार कार्ड, पेन कार्ड, परिचय पत्र, ड्रायविंग लाइसेंस, स्नातक उपाधि) में मेरा नाम सुयश बिहोने (SUYASH BIHONE) दर्ज है। किन्तु पासपोर्ट में मेरा नाम सुयश (SUYASH) दर्ज है, उपनाम बिहोने (BIHONE) दर्ज नहीं है।

जिसे सुधार कर सुयश (SUYASH) बिहोने BIHONE) दर्ज किया जाए।

निवेदक
सुयश बिहोने
(SUYASH BIHONE)

अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग की बिटोड़ी में बड़ी कार्रवाई

3000 किलोग्राम महुआ लहान व 40 लीटर हाथभट्टी शराब जप्त

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। बालाघाट जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 फरवरी 2026 को आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग तथा थाना रामपायली की संयुक्त टीम ने ग्राम बिटोड़ी में दबिश दी।

गोपनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में अलग-अलग स्थानों पर प्लास्टिक की बोरियों और ड्रमों में भरा लगभग 3000 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर मौके पर ही नष्ट किया गया। इसके साथ ही प्लास्टिक जरीकेन में भरी 40 लीटर हाथभट्टी मदिरा भी बरामद की गई। जप्त मदिरा एवं लहान की अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख 6 हजार रुपये आंकी गई है।

इस प्रकरण में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत विधिवत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।कार्रवाई के दौरान वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक संदीप श्रीवास, थाना रामपायली से एएसआई राजीव चाचक, आरक्षक भानुप्रताप, अनिता कुमरे सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

मानसिक अस्वस्थ युवक ने काटा स्वयं का गला

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सिहोरा में मानसिक रूप से बीमार एक युवक ने हसिया से अपना गला काट लिया। गला काटने से घायल युवक फूलचंद पिता लिखीराम राउत 21 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलचंद अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है जिसके परिवार में बड़ा भाई और भाभी के अलावा माँ है। बाटा गया कि पिछले 4 दिन से फूलचंद का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और वह घूमते रहता था ।परिजन ने अपने स्तर पर उसका इलाज करवा रहे थे। 28 फरवरी को परिवार के सभी लोग मजदूरी करने चले गए थे फूलचंद घर में अकेला था तभी 4ः00 बजे फूलचंद ने घर में रखे हसिया अपने गले में वार कर लिया और वह खून से लथपत हो गया था। जिस मोहल्ले के लोगों ने देखें और उसके माँ और भाई को खबर किये। जिनके आने के बाद घायल फूलचंद को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है जहा उसका इलाज किया जा रहा है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

भोपाल-इंदौर मार्ग की तीन बसें जप्त, अधिक किराया वसूलने पर परिवहन विभाग की कार्रवाई

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। त्योहारों के मद्देनजर बालाघाट से भोपाल एवं इंदौर आने-जाने वाली बसों में यात्रियों से निर्धारित दर से अधिक किराया वसूलने की शिकायतों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर 28 फरवरी को जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल एवं उनकी टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए तीन बसों को जप्त कर थाने में खड़ा कराया।

कार्रवाई के दौरान भोपाल और इंदौर से बालाघाट पहुंची बसों की जांच की गई। जांच में यात्रियों द्वारा ऑनलाइन टिकट प्रस्तुत किए गए, जिनमें निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूले जाने के प्रमाण मिले। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पवन ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP-50-P-1297, नंदन ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP-22-P-2201 तथा अरिहंत ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP-20-ZX-8115 को जप्त कर संबंधित थाने में खड़ा कराया गया है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गढ़पाल ने बताया कि यात्रियों से अधिक किराया लेना नियमों का उल्लंघन है और ऐसी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बस संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित दर से अधिक किराया वसूलने पर संबंधित वाहन का परमिट निरस्त किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यदि उनसे निर्धारित दर से अधिक किराया वसूला जाता है तो वे संबंधित प्रमाण के साथ परिवहन विभाग को शिकायत दर्ज कराएं, ताकि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सुनो सरकार ! अतिवृष्टि पीड़ित किसानों को अब तक मुआवजे का मरहम नहीं मिला !!

बिरसा ब्लॉक के ग्राम जानपुर, बिसतवाही, सारसडोल के किसानों की फसलें खराब होने पर राशि नहीं मिली

पदमेश न्यूज़,बालाघाट ।पिछले सीजन में जिले में हुई बे मौसम बारिश, किसानों पर आफत बनकर बरसी थी। जहां अत्यधिक मात्रा में हुई इस बे-मौसम बारिश से ज्यादातर किसानों की धान की फसल खराब हो गई थी ।जिससे जहां एक ओर किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है तो वहीं दूसरी ओर कर्ज के बोझ से दबे किसान, कर्ज से उभर भी नहीं पा रहे हैं ।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों के किसान आए दिनों कलेक्टर कार्यालय आकर अतिवृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा दिए जाने की गुहार लगा रहे हैं ।लेकिन उनकी इस मांग पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है ।इसी कड़ी में जनपद पंचायत बिरसा के अंतर्गत आने वाले 3 गावो के ग्रामीणों ने अतिवृष्टि से खराब हुई फसलों का मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है ।जिसमे किसानों ने अधिकारियों से अतिवृष्टि में खराब फसलों की क्षतिपूर्ति के रूप में तत्काल मुआवजा दिलाए जाने

की मांग की है ।जहा उन्होंने जिले में किसानों की बर्बाद हुई फसलों का पूर्व में कराए गए सर्वे के अनुसार, यथाशीघ्र मुआवजा दिए जाने की गुहार लगाई तो वही उन्होंने उक्त मांग पूरी न होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

4 महीने की मेहनत पर फिरा पानी

बताया गया कि लगातार 4 महीने की कड़ी मेहनत के बाद जब जिले के किसानों की धान की फसल लहलहा रही थी, तभी आसमान से बरसी बर्बादी ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। असमय हुई बारिश से खेतों में तैयार धान की फसल सड़ने और अंकुरित हो गई थी ।किसानों ने बताया कि उनकी मेहनत, लागत और उम्मीद सबकुछ उस बारिश ने छीन ली। जिन खेतों में धान की बालियां सुनहरी लहराती थीं, वहां अंकुरित दाने और सड़ चुकी फसल दिखाई दे रही थी। फसल के साथ-साथ उनकी सालभर की आर्थिक योजना भी चौपट हो गई है ।जिससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है ,इस बात को 1 साल बीतने को आया है। बावजूद इसके भी अब तक सरकार ने मुआवजा नहीं दिया है

तो आंदोलन किया जाएगा- आनन्द दास

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत जानपुर उपसरपंच आनंद दास ने बताया कि वर्ष 2025ङ्क26 में अधिक वर्षा से धान की खरीफ फसल खराब हो गई थी ।जिसकी क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजा का प्रकरण बनाया गया था ।लेकिन सरकार द्वारा मुआवजे की राशि आज तक नही दी गई है ।उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत बिरसा के अंतर्गत प.ह.न. में ग्राम पंचायत जानपुर के ग्राम सारसडोल, बिसतवाही और जानपुर किसानों की वर्ष 2025-26 की खरीफ धान की फसल अत्याधिक वर्षा के कारण भारी मात्रा में नष्ट हो गई थी। इस संबंध में शासकीय पटवारियो द्वारा मौके पर पहुँचकर नुकसान का मुआयना किया था ।जहाँ खराब फसलों की जांच कर प्रभावित किसानों की सूची तैयार कर,सूची जारी कर दी गई थी किन्तु आज दिनांक तक किसानों को फसल क्षतिपूर्ति, मुआवजा प्राप्त नहीं हुआ है ।जिससे सभी किसान आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे है ।हमारी मांग है कि इस विषय पर शिघ्र आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति के रूप में मुआवजा प्रदान किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो फिर किसानों द्वारा आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

विद्युत ट्रांसफार्मर में सुधार कार्य कर रहा एक कर्मचारी करंट से गिरा

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटंग टोला में चंदन नदी किनारे विद्युत ट्रांसफार्मर में चढ़कर विद्युत सुधार कार्य कर रहे एक आउट सोर्स कर्मचारी विद्युत करंट लगने से नीचे गिर गया। घायल कर्मचारी अजय पिता रामेश्वर पटले 35 वर्ष ग्राम कटंगटोला रामपायली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय पटले एमपीईबी में आउटसोर्स कर्मचारी के पद पर कार्य करते हैं। 27 फरवरी को 9ः00 बजे अजय पटले अपने गांव समीप चंदन नदी किनारे लगे ट्रांसफार्मर में चढ़कर विद्युत सुधार कार्य कर रहा था ।इस दौरान विद्युत प्रवाह बंद कर दिया गया था। किंतु अचानक तार में अचानक करंट आने से उसका अजय पटले के हाथ मे झटका लगा और वह ट्रांसफार्मर से नीचे गिर गया और वह बेहोश हो गया था। जिसे तुरंत ही गांव वालों ने रामपायली के अस्पताल में भर्ती किये जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

होली के मद्देनजर वारासिवनी में डेयरियों व मिष्ठान दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, 10 नमूने जांच हेतु भेजे

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। होली त्यौहार के दृष्टिगत कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों, विशेषकर दूध एवं दूध से निर्मित मिठाइयों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 28 फरवरी को वारासिवनी क्षेत्र की विभिन्न डेयरियों एवं मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर सैंपलिंग की गई। कार्यवाही के दौरान प्रतीक डेयरी, जैन डेयरी एवं मिष्ठान, सुलाखे डेयरी एवं मिष्ठान, मां वैशाली राजपुरोहित स्वीट्स, नवीन बेकरी एवं डेयरी तथा आदिनाथ स्वीट्स से कुल 10 नमूने जांच हेतु लिए गए। इन नमूनों में पनीर, दही, खोवा, मलाई पेड़ा, कलाकंद, बादाम बर्फी, घी, कंडेंस्ड मिल्क, इन्फेंट मिल्क एवं लस्सी शामिल हैं। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को त्यौहार के दौरान गुणवत्तायुक्त, स्वच्छ एवं हाइजीनिक परिस्थितियों में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य सामग्री के विक्रय के निर्देश दिए गए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे एवं वाजिद मोहिब उपस्थित रहे। प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे केवल प्रमाणित एवं स्वच्छ प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री क्रय करें।

गलत इंजेक्शन का नतीजा नागपुर में जिंदगी और मौत से लड़ रहा युवक !!

सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पीटल के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। पिछले दिनों नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में स्थित सरदार पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पीटल में एक मामला सामने आया था। जहां युवक की तबीयत खराब होने पर उसे उक्त अस्पताल में भर्ती करने पर,उपचार के दौरान युवक कोमा में चला गया था। इस मामले को लेकर बहुजन समाज पार्टी पदाधिकारियो ने महामहिम राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को ज्ञापन सौपा है ।जिसमें उन्होंने सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पीटल के चिकित्सक पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए, गलत इंजेक्शन लगाने से युवक के कोमा में जाने की शिकायत की है। वही इस मामले में बसपा द्वारा संबंधित अस्पताल प्रबंधन पर एक करोड रुपए का मुआवजा और चिकित्सक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। वही उपचार से संबंधित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। जिसकी तमाम जानकारी शनिवार की शाम नगर के सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकारवार्ता में बसपा पदाधिकारियो द्वारा दी गई।

नागपुर में जिंदगी और मौत से लड़ रहा विवेक

बसपा पदाधिकारियो ने बताया कि 11 फरवरी 2026 की रात विवेक तिरपुड़े, पिता आर.सी. तिरपुड़े, की तबीयत अचानक खराब होने पर उन्हें सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बालाघाट में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान वहां पदस्थ एक डॉक्टर द्वारा बोहेशी के नाम पर कथित रूप से गलत इंजेक्शन लगा दिया गया, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो गई ।परिजनों के अनुसार, इंजेक्शन के बाद विवेक

की तबीयत तेजी से बिगड़ी और वे कोमा में चले गए। वर्तमान में उनका उपचार नागपुर (महाराष्ट्र) के एक अस्पताल में चल रहा है ।परिजनो ने इसकी शिकायत पुलिस थाना में दी गई थी लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है ।युवक अभी भी कोमा में है जो नागपुर में जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा है।

इन प्रमुख मांगो को लेकर सौपा ज्ञापन

पीड़ित छात्र के परिवार को मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा 1 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति दी जाए।

संबंधित डॉक्टर तथा कॉलेज के डायरेक्टर के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की जाए ।सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज की अनुमति निरस्त कर संस्थान को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए ।पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समय रहते दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा ।बसपा नेताओं ने इसे गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही का मामला बताते हुए शासन-प्रशासन से निष्पक्ष जांच और शीघ्र न्याय की मांग की है।

चिकित्सक पर कार्यवाही कर, दिलाया जाए 1 करोड़ रु का मुआवजा

बसपा पदाधिकारियों ने मांग की है कि पीड़ित परिवार को करीब एक करोड़ रूपए क्षतिपूर्ति हेतु अस्पताल प्रबंधन द्वारा दिया जाए व संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्यवाही किया जाए। उन्होंने शासन-प्रशासन को चेतावनी दी है कि शीघ्र मांगों पर अमल नहीं किया गया तो जिला सहित प्रदेश स्तर पर बसपा द्वारा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान प्रमुख रूप से बसपा प्रदेश जोन प्रभारी एड. सचीन फूलचंद, बसपा जिलाध्यक्ष इंजी. महेन्द्र, जिला प्रभारी दीपक मेश्राम, जोन प्रभारी बालाघाट अजाब शास्त्री, डॉ. धमेन्द्र रामटेके, जिला महासचिव राज्यपाल उके, रंजीत, देवाजी रामटेके सहित अन्य मौजूद रहे।

शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन वर्चुअल कक्ष में दोपहर 1ः00 बजे किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती पूजन-वंदना के साथ हुआ। इसके उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. नवाब कुरैशी, विभागाध्यक्ष भौतिक शास्त्र विभाग ने महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन द्वारा प्रतिपादित रमन प्रभाव की विस्तृत व्याख्या की। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में कणाद, सत्येंद्र नाथ बोस, होमी जहांगीर भाभा, सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर, विक्रम साराभाई एवं ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जैसे महान भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. भूपेन्द्र ब्रम्हे, विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र ने भारतीय आयुर्वेद में वर्णित औषधीय पौधों के गुण, विशेषताएं एवं स्वास्थ्य उपयोगिता पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष गणित ने भौतिक शास्त्र की गहन संकल्पनाओं पर चर्चा की। सहायक प्राध्यापक श्री दुगेश अगासे ने भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक पक्ष को विस्तार से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में डॉ. पी.एस. कातुलकर, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ अधिकारी डॉ. कंचन मसराम सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के सहायक नोडल अधिकारी डॉ. गीतेश पटले द्वारा किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान प्रवृत्ति एवं भारतीय वैज्ञानिक विरासत से जुड़ने का संदेश दिया गया।

खैरलांजी पुलिस ने 6 मवेशियों को तस्करी से बचाया, दो पशु तस्कर गिरफ्तार

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6 मवेशियों को महाराष्ट्र राज्य के कसाईखाने ले जाए जाने से बचा लिया। इस मामले में दो पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जप्त किए गए मवेशियों की अनुमानित कीमत 87 हजार रुपये बताई गई है। खैरलांजी पुलिस के अनुसार 28 फरवरी को सूचना प्राप्त हुई थी कि दो व्यक्ति मवेशियों को क्रूरता पूर्वक मारते-पीटते और आपस में बांधकर महाराष्ट्र की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम चिचोली से कच्ची रोड नदी घाट क्षेत्र में घेराबंदी की।

घटनास्थल पर पुलिस ने देखा कि दो व्यक्ति मवेशियों को एक-दूसरे से बांधकर हांकते हुए ले जा रहे थे। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया ।पूछताछ करने में दोनों ने अपना नाम सुखचंद पिता टेकचंद पटले 53 वर्ष निवासी ग्राम सीताखो थाना कटंगी,सूरजलाल पिता झनकलाल नान्हे 30 वर्ष निवासी ग्राम मोहगांव थाना कटंगी निवासी बताये ।पूछताछ मे दोनो के पास मवेशियों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। उन्होंने मवेशियों को महाराष्ट्र राज्य के कत्लखाने ले जाने की बात स्वीकार की।

पुलिस ने दोनो पशु तस्करों के विरुद्ध गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 9,मध्य प्रदेश कृषक पशु परीक्षण अधिनियम की धारा 4, 6,पशु के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

बालाघाट के डॉक्टर दीपक कुंभरे का ऑर्थोपेडिक सर्जन पीजी में चयन

ग्रामीण सेवा के अनुभव ने तय किया करियर का लक्ष्य

पदमेश न्यूज़, बालाघाट। बालाघाट जिले में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर डॉ. दीपक कुंभरे का चयन ऑर्थोपेडिक्स पोस्ट-ग्रेजुएशन (क्क्र) के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में हुआ है। सीमित संसाधनों और लगातार सरकारी ड्यूटी के बीच की गई तैयारी ने उनकी इस उपलब्धि को खास बना दिया है ।डॉ. कुंभरे की स्कूली शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) से हुई। इसके बाद उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और वहीं से सोनोग्राफी सर्टिफिकेट कोर्स पूरा कर सोनोग्राफी परीक्षा भी उत्तीर्ण की। उन्होंने एनईईटी- पीजी 2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर ऑर्थोपेडिक्स में पोस्ट-ग्रेजुएशन हेतु गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में प्रवेश प्राप्त किया ।एमबीबीएस के बाद उन्होंने बालाघाट जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा दी। उन्होंने पीएचसी उकवा, सीएचसी परसवाड़ा तथा अन्य आदिवासी क्षेत्रों में कार्य करते हुए उकवा, परसवाड़ा, बैहर और बिरसा क्षेत्र के ग्रामीण एवं आदिवासी मरीजों का उपचार किया। यहां उन्हें सड़क दुर्घटना व ट्रॉमा के हड्डी संबंधी मरीज

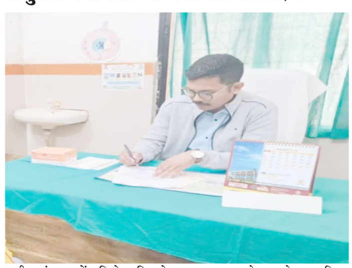

बड़ी संख्या में मिले, जिससे ऑर्थोपेडिक्स के प्रति उनकी रुचि और मजबूत हुई ।सरकारी नौकरी और लगातार ड्यूटी के बावजूद उन्होंने नियमित अध्ययन जारी रखा और आखिरकार ऑर्थोपेडिक्स पीजी में चयन प्राप्त किया।

पीजी के बाद जिले में सेवा देना चाहता हु- कुंभरे

डॉ. कुंभरे बताते हैं की ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रॉमा और फ्रैक्चर के मरीजों की संख्या बहुत अधिक है, वहीं विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी भी महसूस होती है। इसी ने मुझे ऑर्थोपेडिक्स चुनने की प्रेरणा दी ।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बड़े भाई-बहन और पत्नी को दिया, जिन्होंने हर कठिन समय में उनका साथ दिया और लगातार प्रेरित करते रहे ।उन्होंने कहा कि पीजी पूरी करने के बाद वे अपने जिले में सेवा देना चाहते हैं, जिससे आगामी समय में बालाघाट जिले में ऑर्थोपेडिक सर्जन की कमी काफी हद तक पूरी हो सकेगी ।उनकी इस सफलता से बालाघाट जिले के मेडिकल विद्यार्थियों और युवाओं को प्रेरणा मिली है कि सेवा के साथ भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है ।परिवार और सहकर्मियों ने इसे जिले के लिए गौरव की बात बताया है और शुभकामनाएं दी हैं।

आस-पास की खबरें

मांझापुर सरपंच ने 6 हितग्राही को अंत्येष्टि सहायता राशि का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर में गत दिवस 6 लोगों की मृत्यु हो गई थी। शनिवार को मृत 6 लोगों के परिजनों को ग्राम पंचायत मांझापुर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले के द्वारा 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत मांझापुर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले ने बताया कि विगत दिवस पंचायत क्षेत्र के 6 लोगों की मृत्यु होने के उपरांत शासन से मिलने वाली मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल योजना के अंतर्गत) अंत्येष्टि सहायता योजना के तहत मृतकों के परिजन दीपांशु पिता किशोर बिसेन, नरेंद्र पिता गुहा सेरीवार, सैवंती पिता राजेंद्र भलावी, सावन पिता दामाजी एसने, सुरेन्द्र पिता दादुराम बिसेन व संतोष कटरे को पांच-पांच हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है और शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ दिलवाया जायेगा। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले, उपसरपंच घनश्याम चौधरी, सचिव रंजना तिवारी, रोजगार सहायक नितिन मेहरबान सहित सभी पंचगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बिंझवार समाज की बैठक 8 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित आदिवासी सामुदायिक भवन में आगामी 8 मार्च को बिंझवार समाज की ब्लाक स्तरीय बैठक आहुत की गई है। चर्चा में ब्लाक अध्यक्ष खेमचंद मंडलवार ने बताया कि आगामी 8 मार्च को दोपहर 12 बजे से लालबर्रा स्थित आदिवासी समुदायिक भवन में ब्लाक स्तरीय बिंझवार समाज की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर ग्राम समिति के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील बिंझवार समाज लालबर्रा ब्लाक अध्यक्ष खेमचंद मंडलवार, कमलेश हट्टेवार ने की है।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्यवाही, थाना प्रभारी एवं तहसीलदार ने दिये कड़े निर्देश

थाने में डीजे संचालकों की बैठक संपन्न

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करवाने एवं परीक्षा जारी रहते तक ध्वनि विस्तारक यंत्र कम आवाज में बजाने एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालकों पर कार्यवाही करने हेतु पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। शनिवार को नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में शाम 5 बजे क्षेत्र के डीजे संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य त्यौहार, वैवाहिक कार्यक्रम एवं परीक्षा के चलते ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करना और सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखना था। यह बैठक तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार, थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी सहित डीजे संचालकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई।

आयोजित बैठक में सभी डीजे संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिये गये कि होलिका दहन, धुरेड़ी (होली) के अवसर पर डीजे का उपयोग रात 10 बजे तक सीमित ध्वनि स्तर (साउण्ड) में ही किया जाये। साथ ही संगीत के माध्यम से किसी भी प्रकार की अशांति या हुड़दंग को बढ़ावा नही मिलना चाहिए। साथ ही वर्तमान में बोर्ड परीक्षा जारी है एवं स्थानीय परीक्षाओं का भी दौर शुरू होने वाली है इसलिए वैवाहिक कार्यक्रम में रात 10 बजे तक ही डीजे कम साउण्ड में बजाये। उक्त नियमों का पालन नही करने पर कार्यवाही करने की हिदायत दी गई। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा दिये गये निर्देशों पर सभी उपस्थित डीजे संचालकों ने अपनी सहमति व्यक्त की और उन्होंने प्रशासन को विश्वास दिलवाया कि वे त्यौहार की गरिमा एवं परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस द्वारा तय किये गये नियमों एवं गाइडलाइंस का पूरी तरह से पालन करते हुए डीजे बजायेगें और वे शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करेंगे। थाना प्रभारी ने सभी डीजे संचालकों से कहा कि डीजे बजाते समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों के तय मानकों का पालन करें और डीजे के आसपास किसी भी तरह की अभद्रता, हुड़दंग नही होना चाहिए। यदि कोई भी संचालक नियमों का उल्लंघन करते पाया गया या निर्धारित समय-सीमा के बाद डीजे बजाते पाये जायेगें तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी और सामग्री भी जप्त की जायेगी। इसलिए सभी डीजे संचालक नियमों का पालन करते हुए डीजे बजाये। इस अवसर पर डीजे संचालक उपस्थित रहे।

नियमों का उल्लंघन करने पर की जायेगी कार्यवाही - भूपेन्द्र

तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार ने बताया कि वर्तमान में बोर्ड परीक्षाओं और त्यौहारों का समय चल रहा है, ऐसे में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण आवश्यक है। इसलिए डीजे संचालकों की थाना परिसर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में उपस्थित डीजे संचालकों को जानकारी दी गई है कि वर्तमान में बोर्ड परीक्षा जारी है एवं होली सहित अन्य त्यौहार भी आने वाले है इसलिए रात 10 बजे तक ही डीजे कम साउण्ड में बजाये। साथ ही गानों के चयन के प्रति भी सतर्क किया गया है, उनसे कहा गया है कि किसी भी स्थिति में ऐसे गाने या आडियों न बजाये जाये जिससे किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हो एवं विवाद की स्थिति निर्मित न हो। श्री अहिरवार ने बताया कि डीजे संचालकों को निर्देशित किया गया है कि यातायात व्यवस्था का भी ध्यान रखते हुए डीजे बॉक्स को वाहन के अंदर ही व्यवस्थित रखे क्योंकि डीजे वाहन के पीछे लगे स्पीकर्स के कारण अक्सर पीछे से आने वाले वाहनों को परेशानी होती है, जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए सभी डीजे संचालक कोलाहल नियंत्रण नियमों का पालन करते हुए डीजे बजाये अगर निर्धारित समय के बाद डीजे बजाते पाये जाने एवं नियमों का पालन नही करने पर उनके विरूध्द कठोर कार्यवाही की जायेगी।

14 वर्षीय बालिकाओं को लगाया गया एचपीवी टीका, सर्वाइकल कैंसर से बचाव की नई पहल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव के निर्देशानुसार एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस टीकाकरण अभियान का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी और बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया गया। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारियों ने उपस्थित परिजनों और बालिकाओं को बताया कि यह टीका भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) के जोखिम को प्रभावी ढंग से कम करता है। सही उम्र में टीकाकरण बेटियों के जीवन को सुरक्षित करने का एक 'नया संकल्प' है और क्षेत्र की सभी 14 वर्षीय बालिकाओं को यह सुरक्षा कवच प्रदान करना विभाग की प्राथमिकता है। जिसका शुभारंभ आज से किया गया है और सभी 14 वर्षीय बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जायेगा। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना की और इसे क्षेत्र की बेटियों के स्वास्थ्य के लिए एक मील का पत्थर बताया। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे ने एचपीवी टीकाकरण के उद्देश्यों और लाभों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होने अपील की कि समाज में इस टीके के प्रति जागरूकता बढ़े, ताकि कोई भी पात्र बालिका इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ से वंचित न रहे। इस अवसर पर डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया, डॉ. मुकेश चौहान, जेके पंचेश्वर, अहिल्या मेश्राम, शबनम कुरैशी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

कक्षा 8 वीं की वार्षिक परीक्षा संपन्न

22 परीक्षा केन्द्रों में कक्षा 8 वीं के 2396 विद्यार्थियों ने सामाजिक विज्ञान विषय का किया पर्चा हल, 45 रहे अनुपस्थित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार गत 20 फरवरी से लालबर्रा विकासखण्ड अंतर्गत बनाये गये 22 परीक्षा केन्द्रों में कक्षा पांचवी एवं आठवी की बोर्ड वार्षिक परीक्षा प्रारंभ हुई थी। 28 फरवरी को कक्षा 8 वीं की वार्षिक परीक्षा सामाजिक विज्ञान विषय के अंतिम प्रश्नपत्र के साथ संपन्न हो चुकी है। लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 22 परीक्षा केन्द्र में 28 फरवरी को कक्षा 8 वीं में दर्ज 2441 विद्यार्थियों में से 2396 विद्यार्थियों ने सामाजिक विज्ञान विषय का अंतिम प्रश्नपत्र दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक हल किये एवं 45 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिसके साथ ही कक्षा 8 वीं की बोर्ड वार्षिक परीक्षा संपन्न हो चुकी है एवं कक्षा 5 वीं की 24 फरवरी को संपन्न हो चुकी है। वहीं कक्षा 5 वीं, 8 वीं की बोर्ड परीक्षा संपन्न होने के बाद आगामी 5 मार्च से उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। जिसके बाद वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जायेगा एवं 9 मार्च से शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल के स्थानीय कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा शुरू होगी। वहीं विकासखण्ड में बनाये गये सभी परीक्षा केन्द्र में शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई, किसी प्रकार कर नकल प्रकरण नही बना है। आपकों बता दे कि रा%य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार गत 20 फरवरी से कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू हुई थी। जिसमें कक्षा 5 वीं की 24 फरवरी को परीक्षा संपन्न हो चुकी है एवं कक्षा 8 वीं की 28 फरवरी को सामाजिक विज्ञान विषय के अंतिम प्रश्नपत्र के साथ संपन्न हो चुकी है और यह परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की गई थी। साथ ही लालबर्रा विकासखण्ड में 22 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे जहां 28 फरवरी को कक्षा 8 वीं के 2396 विद्यार्थियों ने सामाजिक विज्ञान विषय का अंतिम प्रश्नपत्र हल किये है। वहीं परीक्षा संपन्न होने के बाद शिक्षा विभाग के द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन की तैयारी शुरू कर दी है और 5 मार्च से उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो जायेगा, जिसके बाद वार्षिक परिणाम घोषित किये जायेगें। साथ ही 9 मार्च से शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल के स्थानीय कक्षाओं की परीक्षा शुरू होगी, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

इनका कहना है-

राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार गत 20 फरवरी से कक्षा 5 वीं, 8 वीं की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ हुई थी, 28 फरवरी को कक्षा 8 वीं की सामाजिक विज्ञान विषय के अंतिम प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा संपन्न हो चुकी है। लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 22 परीक्षा केन्द्र में 28 फरवरी को कक्षा 8 वीं के 2396 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, 45 अनुपस्थित रहे एवं 5 मार्च से उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि 9 मार्च से शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल की स्थानीय कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा शुरू होगी।

श्रीराम तुरकर
बीआरसी
लालबर्रा।

शक्कर की चासनी से बताशे की माला तैयार कर रहे कारीगर

होली पर रिश्तों में मिठास घोलती है 'बताशों की माला, बढ़ती महंगाई के चलते धीरे-धीरे माला का चलन हो रहा कम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। रंगों का त्यौहार होली समीप आते ही बाजार सजने लगे हैं। होली के पर्व पर परंपराओं का अपना एक विशेष महत्व होता है और इन्हीं परंपराओं में से एक है 'बताशों की माला' है। वहीं रंगो का पर्व होली धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाने के लिए ग्रामीण अंचलों के साथ-साथ नगर मुख्यालय में भी तैयारियां जोरो से जारी है। होली पर्व के मौके पर धार्मिक परंपराओं के अनुसार शक्कर की चासनी से बनाई जाने वाले बताशे की माला का खास महत्व होता है। रंग-गुलाल के साथ-साथ बताशे की माला मिठाई स्वरूप एक-दूसरे को भेंट कर रंगोत्सव पर्व की शुभकामनाएं दी जाती है जिससे रिश्तों में मिठास आती है। इसी बताशे की माला को तैयार करने का कार्य नगर मुख्यालय के गुजरी बाजार में वर्षों से अपने पुस्तैनी कार्य से जुड़े परिवारों के द्वारा युध्द स्तर पर किया जा रहा है। इस दौरान नगर मुख्यालय के गुजरी बाजार में बताशे बनाने वाले कारीगरों के द्वारा शक्कर की चासनी से माला बनाई जा रही है। जिसमें दो-दो, तीन-तीन महिला कारीगरों के समूह के द्वारा विशेष सांचे में चासनी को डालकर माला तैयार की जा रही है। वहीं शक्कर की चासनी तैयार करने के लिए कारीगरों के द्वारा चूल्हे की आग में कड़ी मेहनत से कड़ाई में शक्कर को तपाया जाता है। उसके बाद माला बनकर तैयार होता है लेकिन बढ़ती महंगाई के चलते धीरे-धीरे माला का भी चलन कम होने लगा है। जिसके कारण पूर्व में नगर मुख्यालय में बड़ी संख्या में माला बनाने का कार्य होली पर्व पर किया जाता था किन्तु अब दो से तीन परिवार ही शक्कर की चासनी से माला बनाने का कार्य कर रहे है। साथ ही बाजार में उसे विक्रय भी किया जा रहा है। लेकिन बढ़ती महंगाई ने इस मीठी परंपरा और कारीगरों के उत्साह पर थोड़ा रंग डाल दिया है।

महंगाई बढ़ने एवं चलन कम होने से फीकी पड़ रही कारीगरों की मेहनत

आपकों बता दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी माला को भेंट कर गले में पहनाने की परंपरा बरकरार है। साथ ही परम्परागत रूप विगत कई वर्षों से माला बनाने के कार्य में लगे अनुभवी कारीगरों ने बताया कि शक्कर की चासनी बनाकर सांचे में धागे के साथ डाला जाता है। सांचे में चासनी को डालने के बाद सुखाया जाता है एवं बाद में ठंडा होने पर धीरे से सांचे से निकाल लिया जाता है। इस प्रकार माला तैयार हो जाती है और इस वर्ष बताशों की माला 100 से 120 रूपये किलो की दर से बेची जा रही है। कारीगरों ने बताया कि होली के त्यौहार में बताशों की माला का विशेष महत्व होता है, प्रतिवर्ष माला को बनाने के लिए सभी महाशिवरात्रि पर्व के बाद से जुट जाते है, इस कार्य को वे अपने बुजुर्गों के जमाने से करते आ रहे है। साथ ही यह भी बताया कि पहले होली से एक सप्ताह पहले ही थोक ऑर्डर मिल जाते थे, लेकिन अब मांग सीमित रह गई है। मेहनत अधिक और मुनाफा कम होने के कारण कई परिवार इस पुश्तैनी काम को छोड़ने पर मजबूर हैं। आगे बताया कि उनके हाथों से बनाई जाने वाली बताशे के माला को मांग के अनुरूप क्षेत्र के अलावा बाहर भी सप्लाई किया जाता है परन्तु धीरे-धीरे शक्कर की चासनी से बनी माला का प्रचलन कम होते जा रहा है जिसकी वजह बढ़ती महंगाई है।

आस-पास की खबरें

शासकीय स्कूल भौरगढ़ के विद्यार्थियों को अब मिलेंगी बेंच टेबल की सुविधाएं

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भौरगढ़ के शासकीय स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षणिक सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से तीन सीटर बेंच

संख्या 30 एवं टेबल संख्या 30 का वितरण किया गया। यह सामग्री मेसर्स वैनगंगा माइनिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड भोपाल के द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत प्रदान की गई। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को लंबे समय से बैठने की समुचित व्यवस्था की आवश्यकता थी। इसे ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई। जिससे अब छात्र छात्राओं को पढ़ाई के दौरान बेहतर सुविधा मिल सकेगी। बेंच टेबल मिलने से कक्षा कक्ष अधिक सुव्यवस्थित होगा और ब'चों का पढ़ाई में मन भी अधिक लगेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्य जिला कलेक्टर बालाघाट,कटंगी विधायक गौरव पारधी के निर्देशन में संपन्न हुआ। जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह प्रयास किया गया ताकि ग्रामीण अंचल के ब'चों को भी बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। बेंच.टेबल पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय परिवार ने इस सहयोग के लिए कंपनी प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे बच्चों की पढ़ाई में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य,शिक्षक शिक्षिकायें सहित वैनगंगा माइनिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस सामाजिक योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि निजी संस्थाओं के द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किया गया ऐसा सहयोग भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने ब'चों के उ卐वल भविष्य की कामना की और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

दस दिनों से अनिश्चितकालिन हड़ताल पर बैठें हैं भौरगढ़ पंचायत के ग्रामीण

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भौरगढ़ की पहचान सालों से व्यापार में प्रगति करने और अभूतपूर्व समृद्धि के लिए जानी जाती है। और इसका मुख्य कारण है कि यंहा व्यवसाय संचालित करने वाले व्यापारी हर वह सामग्री जो क्षेत्र के लोगो की जरुरत है उसे आसानी से बड़े शहरों की कीमत में यंहा पर दे देते है। जिससे भौरगढ़ ग्राम में क्षेत्रीयजन अपनी हर छोटी और बड़ी चीजों की खरीदारी करते आ रहे है। यह गांव पूर्व से ही व्यवसाय में चहल पहल के कारण किसी आधुनिक शहर से कम नहीं है। लेकिन ग्राम के विकास में जो मूलभूत आवश्यकता होती है उन विकास कार्यो से यह गांव अब तक वंचित है। और यह हम नहीं कह रहे है यह वंहा के हॉट बाजार में एक सार्वजनिक शौचालय तक का नही होना इस बात के प्रमाण है।

सामाजिक जरुरतों के लिए भौरगढ़ के ग्रामीण दस दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

भौरगढ़ के ग्रामीण तीन प्रमुख मांगो के लिए अनवरत 19 फरवरी 2026 से बाजार चौक स्थित सभा मंच के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे है। जिनकी सुध लेने शासन प्रशासन की तरफ से अब तक कोई नहीं आने की जानकारी धरने पर बैठे ग्रामीणो ने बताई। और अगर यही आलम रहा तो आक्रोशित ग्रामीणो ने बताया कि वह जल्द ही अनिश्चितकालीन हड़ताल को भूख हड़ताल में तब्दील कर देंगे। हड़ताल कर रहे ग्रामीणो की प्रमुख मांगे है कि ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेन्द्र बारेवार के द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक 252/1 ,252/2 मनोरंजन भवन के पास पर्याप्त भूमि होने के बावजूद भी वह उसे बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में निर्माण करवाना चाहते है। जो कि न्यायसंगत नहीं है और उनका यह कार्य जनहित में नहीं है। वह सभी हड़ताल कर रहे लोगों के अलावा अन्य ग्रामवासियों ने कई बार सरपंच को पंचायत सभा के दौरान समझाने की कोशिश भी की है। लेकिन सरपंच ने हमेशा बातों को टाल दिया वह हमेशा कहते है कि कांजीहाउस एवं मनोरंजन भवन की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 252 पर स्टे लगा हुआ है कहकर गुमराह करने का कार्य करते हुए सामुदायिक भवन का निर्माण नही कर रहे है। यह कि शासन प्रशासन के द्वारा प्रस्तावित भूमि पर स्थगन आदेश जारी करके ग्रामवासियों को गुमराह में रखना एवं जनहित के कार्य को बाधित करके रखना न्यायसंगत नहीं है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खैरलांजी,जिला कलेक्टर बालाघाट, जिला सीईओ,एसडीएम वारासिवनी के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया है। लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्यवाही नही होने से सरपंच और उनके संबंधित सहयोगियों के हौसले बुलंद है और उनका मनोबल बढ़ रहा है। भूमि खसरा क्रमांक 252 से अतिक्रमण हटाया जाए, ग्राम पंचायत के द्वारा प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक 252/1,252/2 के अंश भाग में सामुदायिक भवन एवं सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाए। शासकीय आबादी भूमि खसरा क्रमांक 252 पर स्थगन आदेश करने वाले संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जांच कर निलंबित किया जाए। इन्हीं मांग को लेकर भौरगढ़ के ग्रामीण आंदोलनरत है।

विकास से उपेक्षित होने का ग्रामीणों ने सरपंच पर लगाया आरोप

ग्राम पंचायत भौरगढ़ में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे ग्रामीणों में सुरेंद्र बडीचार्य, विक्रांत भंडारकर, थानेन्द्र बारेवार, सुशील उके, चंद्रप्रकाश डोहरे, रंजीत माहुरकर, सौरभ बारेवार, कुनाल उके, रविन्द्र शेण्डे, सुखदेव वडीचार्य, उदय ठाकरे, अंकुश चौरे,देवेंद्र उजवने, नैतराम बागड़े, मिर्जा मोईन बेग सहित दो सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों व पंचो ने अपने हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन में अपनी मांगो को रखा है। ग्रामीणो ने बताया कि उनके ग्राम में विभिन्न जातियों की बड़ी आबादी निवास करती है। बावजूद इसके सामाजिक गतिविधियों के लिए अब तक कोई भवन उनके पास उपलब्ध नही है। जिससे सामाजिक व सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन में बड़ी कठिनाई होती है। ग्रामीणो का कहना है कि सामुदायिक भवन निर्माण की समस्या और अन्य मांगो के लिए कई बार क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी के समक्ष भी रखी जा चुकी है ,लेकिन अब तक कोई ठोस पहल उनके द्वारा भी नहीं की गई है। ग्रामीणो ने कहा कि इससे यह बात समझ आती है कि भौरगढ़ के विकास की उपेक्षा की जा रही है।

14 वर्ष की बालिकाओं को प्रथम चरण में शिविर लगातार कर रहे टीकाकरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के शासकीय सिविल अस्पताल में 28 फरवरी को महिला सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रारंभ किया गया है। जिसमें प्रथम चरण का शुभारंभ शनिवार को कर पहली बार में 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए टीकाकरण प्रारंभ किया गया है। जिसमें नगर सहित क्षेत्र की महिलाओं के द्वारा अपनी बालिकाओं के साथ उपस्थित होकर शिविर का लाभ लिया जा रहा हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार देखने में आ रहा है कि महिलाओं में सर्वाइकल यानी बच्चेदानी के कैंसर की समस्या अत्यधिक हो रही है। जिसके कारण महिलाओं को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तो वहीं यह रोग अनुवांशिक भी होता है ऐसे में प्राइवेट संस्थानों में एच पी वी टीकाकरण पहले से उपलब्ध था। परंतु इसकी अनिवार्यता नहीं थी ऐसे में तेजी से बढ़ते सर्वाइकल कैंसर को देखते हुए प्रधानमंत्री के द्वारा राजस्थान से इसका प्रारंभ किया गया। जिसके तहत सिविल अस्पताल के टीकाकरण वार्ड में सर्वाइकल कैंसर से बेटियों के जीवन को बचाने के लिए एच पी वी टीकाकरण प्रारंभ किया गया है। जिसमें पहले चरण में 14 वर्ष की बालिकाओं को यह टीकाकरण किया जा रहा है । जिसमें 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को यह टीकाकरण होना है। खंड कार्यक्रम अधिकारी संजय तुरकर ने बताया कि 14 वर्ष पूर्ण कर 15 वर्ष में जिन बालिकाओं ने प्रवेश किया है उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाने टीकाकरण किया जा रहा है। इसका नाम एचपीवी है जो लगाने से भविष्य में बचाव होगा। जिस प्रकार 11 प्रकार की बीमारियों का हम वैक्सीनेशन करते हैं वैसे ही यह किया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर यानी ब'चादानी का कैंसर होता है यदि यह टीका हम लगाते हैं तो बचाव होगा। प्राइवेट में पहले से यह उपलब्धता परंतु प्रधानमंत्री ने राजस्थान में कार्यक्रम कर चालू किया है। यह पहला दिन था 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को यह लगना है पहले चरण में 14 वर्ष की बालिकाओं को लग रहा है। हमारे यहां 9 से 14 वर्ष की 6400 बालिका है और 14 वर्ष की 1200 बालिका है। इस अवसर पर स्वास्थ्य अमला मौजूद रहा।

आबकारी विभाग ने बिटोड़ी में की अवैध कच्ची शराब पर बड़ी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में मदिरा के अवैध निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर अंकुश लगाये जाने हेतु बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा संग्रहण की सूचना पर आबकारी विभाग एवं थाना रामपायली के द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई। वहीं खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बिटोड़ी में अलग अलग स्थानों से प्लास्टिक की बोरियों एवं ड्रमों में भरा लगभग 3000 महुआ लहान जप्त कर नष्ट किया गया एवं प्लास्टिक जरीकेन में 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत विधिवत प्रकरण पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया । जप्त मदिरा एवं लहान की अनुमानित कीमत 306000 रुपये है। कार्यवाही के दौरान वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक संदीप श्रीवास , थाना रामपायली से राजीव चाचक, आरक्षक भानुप्रताप ,अनिता कुमरे एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने सड़को का बनाना बहुत जरूरी -विवेक पटेल

क्षेत्र की जर्जर सड़कों का मुद्दा विधायक पटेल ने विधानसभा में रखी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बजट प्रस्तुतीकरण के पश्चात अनुदान मांगो पर की गई चर्चा के विषय में विधानसभा के पटल पर वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्रीय समस्याओं को रखने का विधायक विवेक पटेल को अवसर मिला। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मैं पहली बार का विधायक हुं। मेरे क्षेत्र की जनता को मुझसे और मुझे सरकार से बहुत उम्मीद है। इस बार बजट में वित्तमंत्री ने सड़के,पुल,बिजली,पानी स्वास्थ्य शिक्षा पर विशेष फोकस किया है। क्षेत्र के विकास में सड़कों का मजबूत होना नितांत आवश्यक है। इसमें चलकर जनमानस अपने क्रियाकलापो को पूर्ण कर विकास में अपना योगदान देता है, मेरे विधानसभा में ग्राम कोस्त, महाराजपुर, मेढ़की, डोंगरमाली, रेंगाटोला,बेनी जो मात्र साढ़े तीन मीटर चौड़ी है। रोज ट्रैफिक के कारण दुर्घटना होती रहती है,इस सड़क का जल्द चौड़ीकरण कराया जाए जिससे आमजनता को राहत मिल सके। इसके अलावा कुछ छोटी सड़के है जैसे आरंभा,साकड़ी, बेनी, आकुटोला से मोहगांव, कोसरीटोला से मुरझड़, सरंडी से सावंगी,खापा से झालीवाडा,कासपुर से आलेझरी,कायदी से एकोडी, देवगांव से गर्रा,मेंहदोली से गर्रा,खुर्सीपार से खैरी, गुनई से अतरी ,इसके अलावा एक ब्रिज है। कन्हड़गाव से भानपुर जो बारिश के समय बच्चे स्कूल नहीं जाते है साथ ही मेरे विधानसभा में दो तहसील मुख्यालय है। मै चाहूंगा कि खैरलांजी में एक रेस्टहाउस बनाया जाए जिससे सभी को सुविधा मिल सके। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि विधायक बनने के बाद मेरा सबसे जयादा ध्यान शिक्षा और चिकित्सा के साथ.साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सड़को को शहर तक जोड़ने का प्रयास है। तभी हमारे क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा बेहतर होगी। सड़के खराब होने से बारिश के समय पीड़ित व्यक्ति को हॉस्पिटल तक पहुंचने में काफी समय लगता है। जिससे कई बार उन्हें जीवन से भी हाथ धोना पड़ता है ,बजट सत्र में मेरे मांग के अनुसार सात सड़को की सौगात मिली है। वहीं और भी सड़के है जिन्हें बनाना बहुत ही आवश्यक है। विधानसभा में मेरे द्वारा सड़को को बनाने का ध्यान आकर्षण किया है,जब तक ग्रामीण क्षेत्रों की सड़के नहीं बनेगी,बच्चों को शिक्षा प्राप्त नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्रों की छोटी छोटी सड़को को भी विधायक निधि की राशि से बनाने का प्रयास कर रहे है। शिक्षा के क्षेत्र को बेहतर बनाने पक्की सड़के होना बहुत जरूरी है।

पुलिस थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

होली सहित विभिन्न त्योहारों पर हुई चर्चा ,सामाजिक सौहार्द के साथ पर्व मानने दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना भवन के सभा कक्ष में शांति समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक तहसीलदार वंदना कुशराम, एसडीओपी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी पवन यादव सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें होलिका दहन धुलेड़ी एवं धुलेड़ी के दिन पढने् वाले रमजान की नमाज को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा अपने अपने विचार रखे गए । वहीं होलीका दहन एवं धुलेड़ी के दिन होने वाले नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न आयोजनों की जानकारी दी गई। तो वहीं मुस्लिम समाज के द्वारा क्षेत्र में स्थित मस्जिदों में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई की नमाज के दौरान मस्जिदों के अंदर ही अदा की जायेगी। इस परिस्थिति में उक्त त्योहार को सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के रूप में मनाए जाने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा अपील गई। वहीं डीजे एवं अन्य कार्यक्रम अनुमति लेकर ही करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही रोड़ पर दौड़ रहे तेज रफ्तार वाहन और आगामी विभिन्न त्यौहारों को भी लेकर चर्चा की जाती रही। जहां पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों के द्वारा सभी विषय पर अपने अपने सुझाव दिए जाते रहे। जिसे पुलिस प्रशासन के द्वारा दर्जकर शांतिपूर्वक त्यौहार मनाने अपील की गई। इसके अलावा गुड़ी पड़वा रामनवमी महावीर जयंती एवं रमजान की ईद सहित विभिन्न धर्म के पर्व को लेकर विस्तार पूर्वक व्यवस्था पर विचार किया गया। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि इस मार्च माह में लगातार हिंदू ,मुस्लिम, सिंधी सहित अन्य समाज के पर्व आयोजित होना है। होलीका दहन रामनवमी ईद जैसे बड़े त्यौहार है इसको देखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। क्षेत्र के सम्मानित लोगों की उपस्थिति में यह विषय पर चर्चा की गई की पर्व को कैसे शांतिपूर्वक सौहार्द पूर्वक मनाया जायें। साथ ही होली का दहन में सावधानी बरतने ट्रैफिक पानी और यातायात के विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है। हमारे द्वारा लगातार जांच की जा रही है अंडरऐज बच्चे हैं उन पर भी कार्यवाही की जा रही है। चेकिंग चल रही है टीम बनाकर ट्रैफ्कि की मॉनिटरिंग और चालानी कार्यवाही की जाएगी। हम तो ग्राउंड पर रहेंगे यदि कोई ऐसा दिखता है तो उस पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। वहीं इस दौरान फि क्स पॉइंट लगा दिए जाएंगे साथ में थाना स्टाफ थाना प्रभारी और मेरे द्वारा लगातार भ्रमण किया जाता रहेगा और पूरे क्षेत्र में नजर बनाकर रखी जायेगी।

केशव विद्यालय नें मनाई शहीद चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश स्कूल में 28 फ रवरी को शहीद चन्द्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस एवं डॉ सी. वी. रमण की जंयती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। विद्यालय के अधीक्षक जतेन्द्र टेंभरे एवं प्राचार्य प्रदीप शर्मा के द्वारा महापुरूषों के चित्रों के समक्ष पूजन वंदन कर माल्यार्पण किया गया। तत्पष्चात् विद्यालय के शिक्षक आदर्श वासनिक के द्वारा चन्द्रशेखर आजाद के कृतित्व को याद किया तथा विद्यार्थियों को बताया। कि किस प्रकार उन्होने अंग्रेजों के कार्यकाल में अपनी मातृभूमि एवं स्वाभीमान को बनाए रखा। अंग्रेजों के हाथ से मरने से अच्छा अल्फ्रेड पार्क में उन्होने स्वंय अपने आपको गोली मार दी। भारत माता के सपूत आजाद सदा ही हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। उनका यह कथन मैं आजाद हूँ, आजाद ही रहूँगा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक सत्यम सोनी ने डॉ सी. वी. रमण को याद करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि डॉ सी. वी. रमण को उनकी ऐतिहासिक खोज रमण प्रभाव के लिए सन 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस उपलब्धि के साथ ही विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय एशियाई बने। उन्हे सन् 1954 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था। उन्होने बताया कि हमें विज्ञान के महत्व को समझकर उसका सम्मान करना चाहिए। जय जवान, जय किसान, और जय विज्ञान के उद्घोष के साथ अपने वक्तव्य को समाप्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सभी शिक्षक शिक्षिकाएँ एवं समस्त विद्यार्थियों की सराहनीय भूमिका रही।

यह दुनिया तब ज्यादा शिक्षित सी दिखती है, जब शैक्षणिक संस्थाओं पर राजनीतिक वर्चस्व नहीं होता है। राजनीति ने शैक्षणिक संस्थाओं को हमेशा कमजोर करने की कोशिश की ताकि उसे कठघरे में खड़े करने वाले तैयार ही नहीं हों। इक्कीसवीं सदी में ज्यादातर देश एक बार फिर से महान बनने की तैयारी में हैं, लेकिन वे ये महानता शिक्षा संस्थानों को राजनीतिक बंधक बना कर हासिल करना चाहते हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड पर हमला बोला। इससे पहले भारत में जेएनयू जैसे संस्थानों पर सवाल उठा कर %जियो इंस्टीट्यूट% का माहौल बनाया गया। इतने हमले झेलने के बाद भी जेएनयू जैसे संस्थान वैश्विक मंच पर देश के लिए मान-सम्मान हासिल करते रहे। वहीं सरकारी रहमतों की बारिश से लबालब होने के बाद गलगोटिया जैसे निजी संस्थान शोध व अनुसंधान के नाम पर बाजार से %चीनी कुत्ता% खरीद कर ले आए। पूरी दुनिया में किरकिरी होने के बाद भी इस गलती के जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई हुई, यह देश नहीं जानता। निजी विश्वविद्यालयों में मेधा के इस महाठगिनी रूप पर बेबाक बोल-

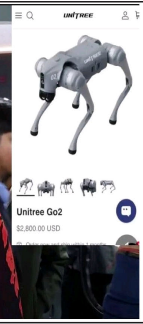

बेबाक बोल

मेधा महाठगिनी हम जानी !!

-मुकेश भारद्वाज(विश्लेषक, पत्रकार)

एक देश है अमेरिका। उसने खुद को विश्व गुरु नहीं कहा था। लेकिन अपने यहां की सामाजिक, राजनीतिक व शैक्षणिक संस्थाओं का इस तरह विकास किया कि दुनिया भर की कुदरती मेधा उसकी तरफ आकर्षित हुई। उसने भी पूरी दुनिया के दरवाजे अपने लिए खोले। अंतरिक्ष शोध संस्थान से लेकर विश्वविद्यालयों तक में दुनिया भर के मानसिक मेहनतियों को सम्मान मिला। एक समय में अमेरिका अगर इस धरती की एकध्रुवीय शक्ति चनने का दावा कर सका तो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना की विस्तार देने के कारण।

बीसवीं सदी के जाते-जाते दुनिया भर में गरीबी, बेरोजगारी की समस्या खड़ी हुई, जिसका कोई हल इक्कीसवीं सदी के शुरुआती समय में भी नहीं मिला। जब दुनिया भर की राजनीति को इन समस्याओं का हल नहीं मिला तो उन्होंने राजनीति ही चदल लेने की ठानी। राजनीति शुरू हुई आरोप-प्रत्यारोप की। आज की समस्याओं के लिए पुराने समय की जिम्मेदार ठहराया गया। इस राजनीति का अगुआ भी अमेरिका ही बना। इसके तहत सथसे पहले उन सैस्थाओं पर प्रहार हुआ जी राजनीति पर सवाल करती हैं, देश और दुनिया के हितों के लिए उसे कठघरे में ठहराती हैं। यानी हमारे शिक्षण संस्थान।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से अकादमिक विद्वानों का मजाक बनाना शुरू किया, वह दुनिया के लिए नई राह था। उनका साथ दिया धरती पर के अमीर कारोबारियों में से एक एलन मस्क ने। जो हार्वर्ड दुनिया भर में शैक्षणिक गुणवत्ता का मानक है, ट्रंप ने उसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। विश्वविद्यालय की स्वायत्तता खत्म करने की पूरी कोशिश की। यह सब हुआ अमेरिका को फिर से महान बनाने के नाम पर। %फिर से% शब्द पर गौर फरमाया जाए। आखिर अमेरिका की महानता कब से कम होनी शुरू हो गई? तब से, जब राजनेताओं के पास जनता की समस्याओं का कोई %महान सम्माधान% नहीं था।

अब हम भारत का रुख करते हैं। विश्व बंधुत्व की बात करने वाली भारत की राजनीति अचानक से विश्व गुरु होने की बात कहने लगी। हार्वर्ड पर हमले के पहले ही भारत के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय को खारिज किया गया। दुनिया के अन्य देशों की तरह भारत में भी कई तरह की राजनीतिक व आर्थिक असमानताएं हैं। असमानताओं के समुद्र में जेएनयू जैसे संस्थान एक द्वीप की तरह है, जहां देश के हर कोने के हाशिये पर पड़े लोग भी उच्च शिक्षा पा सकते हैं। भारत की राजनीति ने इस शैक्षणिक द्वीप को दुश्मन के एक अड्डे की तरह देखना शुरू कर दिया। अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त का राशन देने वाली राजनीति जेएनयू के विद्यार्थियों को मिलने वाली एक-एक सुविधा को इस देश के संसाधनों पर बोझ बताने लगी।

जेएनयू जैसे विश्वविद्यालयों पर सवाल उठा कर %जियो इंस्टीट्यूट% के अस्तित्व में आने से पहले ही उसे उत्कृष्टता का तमगा दे दिया गया था। जेएनयू के बरबस निजी संस्थानों को प्रतीक बनाया गया। संदेश दिया गया कि महंगी शिक्षा ही अच्छी है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को %सीयुईटी% की प्रक्रिया में ऐसा उलझाया कि मेधाची और संसाधन संपन्न विद्यार्थियों ने निजी विश्वविद्यालयों का रुख करना बेहतर समझा। महज एक अध्यावहारिक दाखिला प्रक्रिया ने देश के सचसे भरोसेमंद विश्वविद्यालय की साख पर सवाल उदा दिए। इसके साथ ही शुरू हुई प्राचायों की कक्षाओं को गोबर से पीतने की प्रक्रिया। %गुरुओं% में होड़ लग गई अवैज्ञानिक और अतार्किक दिखने की। यहां तक की राजनीति को खुश करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों से लेकर भारतीय प्रबंधन संस्थानों के निदेशकों तक ने अविश्वसनीय तरीके से अवैज्ञानिक बयान देने शुरू कर दिए। इक्कीसवीं सदी की दुनिया के सामने सबसे बड़ी और कठिन परीक्षा बनी कृत्रिम मेधा। यह तय हो गया कि जी इस क्षेत्र में नेतृत्व करेगा, आने वाले समय में राजनीतिक नेतृत्व भी उसका ही होगा। ऐसे समय में भारत सरकार ने दुनिया का सबसे बड़ा कृत्रिम मेधा सम्मेलन किया। कृत्रिम मेधा से जुड़े दुनिया भर के दिग्गज जुटे। इस सम्मेलन के जरिए दुनिया के सामने संदेश गया कि भारत का गलगोटिया विश्वविद्यालय चीन की तकनीक को अपना बना कर पेश कर रहा है। केंद्र सरकार के मंत्री तक इस चीनी उत्पाद से प्रभावित हो गए। पूरी दुनिया के शिक्षाविदों ने भारत की इस स्थिति पर तंज कसा। पता चला कि गलगोटिया को आइआइटी जैसे संस्थानों से चड़ी जगह दी गई थी, या कहें उसने हासिल की थी।

सवाल है कि इस गड़बड़ी के सामने आने के चाद क्या किया गया ? पाठक पहले ही इस पर हंस चुके होंगे, लेकिन इस स्तंभ में दर्ज करना भी जरूरी है। दिल थाम कर सरकार की कड़ी कार्रवाई का सच पढ़िए- कमजोर दिल वाले इस पंक्ति के आगे न पड़े गलगोटिया के स्टाल का बिजली का कनेक्शन काट दिया गया। जहां इतना चड़ा बौद्धिक भ्रष्टाचार हुआ है, वहां अवप चिजली गुल कर रहे हैं। वैश्विक मंच पर गलगोटिया को किसने अनुमति दी, उसके शोध की गुणवत्ता की परख करने वाले अधिकारी कौन थे? देश की साख पर इतनी बड़ी शर्मिंदगी के बाद किस पर किस तरह की कार्रवाई हुई, देश इसके बारे में कुछ नहीं जानता है। फिलहाल इसका सारा ठीकरा उस महिला पर फोड़ दिया गया, जिसने चीनी रोबोट कुत्ते को गलगोटिया का उत्पाद चताया था। विश्वविद्यालय की उस कर्मचारी को पूरी व्यवस्था की खामियों का विष पिला दिया गया।

जनता का सब ऐसा कि सरकार को गलगोटिया जैसे संस्थानों के खिलाफ कोई नारे नहीं सुनने पड़े। गलगोटिया पर देशद्रोह जैसा कोई मुकदमा भी दर्ज नहीं हुआ। देश के युवा विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों तक ने इसे चुटकुला और रील का विषय भर मान लिया।

जब देश की शिक्षा व्यवस्था में गिरावट का प्रत्यक्ष नमूना चुटकुले तक सीमित हो जाए तो यह अति गंभीर समय है। बीसवीं सदी के संस्थानों से शिक्षित भारतीयी ने अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों में अपनी साख बनाई। प्रतिभाओं का बहिर्गमन हमारे देश के लिए चिंता नहीं गर्व का विषय चना। अब अमेरिका बोल रहा नहीं चाहिए आपकी प्रतिभा। गलगोटिया मामले में भारत सरकार को भ्रम हो रहा होगा कि आम लोग जल्दी सब कुछ भुला कर फिर जेएनयू को जमींदोज करने में जुट जाएंगे। याद रखिए, उधर ट्रंप हैं। कल वे एलान न कर दें कि भारत के गलगोटिया व वैसे निजी संस्थाओं से आने वाले विद्यार्थियों पर 999 फीसद शुल्क लगेगा।

गलगोटिया के स्टाल की चिजली काट कर सत्ता को लगा कि यह गलती अंधेरे में छुप गई। यह तय है कि शिक्षा की हर रोशन जगह पर गलगोटिया ज्ञान पर लगे अंधेरे के ग्रहण के तौर पर ही देखा जाएगा। अमेरिका से लेकर गलगोटिया तक सबक लीजिए। शिक्षा को राजनीति से दूर रखिए। इसके बुरे परिणाम दिख रहे हैं। कल को वैश्विक रोजगार के संस्थान यह नहीं देखेंगे कि आपने अपने बच्चे के दाखिले के लिए कितना पैसा खर्च किया। वे देखेंगे कि ज्ञान व शोध को लेकर उसकी स्थिति क्या है? हार्वर्ड पर हमले से लेकर गलगोटिया पर चुप्पी तक को अपनी हासिल शिक्षा से विश्लेषित कीजिए। बात समझ में आएगी।

राजपाठ

तुरुप का पत्ता !

भूपेन बोरा तीन दशक तक कांग्रेस में रहे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। एक तरह से कांग्रेस की विचारधारा ही उनकी पहचान रही। उन्हें संगठन का आदमी माना जाता था। पर असम में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पार्टी से बगावत कर वे भाजपा में चले गए। असम में भाजपा इस कवायद को अपना तुरुप का पत्ता बता रही है। बोरा ने न केवल पार्टी बदली, बल्कि अपने सुर भी बदल लिए। भाजपा के एजेंडे में रंग लिया खुद को। बयान दे दिया कि असम में कांग्रेस पूरी तरह से घुबरी के सांसद रकीबुल हुसैन के हाथ की कठपुतली बन चुकी है। एक तरह से कांग्रेस पर लगने वाले मुसलिम तुष्टिकरण के आरोप को पुष्ट करने की अपनी तरफ से कोशिश शुरू कर दी। भाजपा का यह कथित तुरुप का पत्ता चुनाव में कितना सफल होगा, अभी कहना मुश्किल है पर भूपेन बोरा के भाजपा में जाने के बाद से भाजपा के नेता पार्टी के कांग्रेसीकरण का रोना रो रहे हैं। उनका दुखड़ा गलत है भी नहीं। पार्टी में ज्यादातर अहम पदों पर कांग्रेस से आए नेताओं ने कब्जा कर लिया है। इससे संघ और भाजपा के पुराने नेताओं की अनदेखी हो रही है। हिमंत बिस्वा सरमा के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने के साथ ही यह सिलसिला शुरू हो गया था। अब तक एक सौ से ज्यादा कांग्रेसी नेता भाजपा में आ चुके हैं। राणा गोस्वामी भी हैं उनमें। मूल भाजपाइयों को इससे अपने राजनीतिक अस्तित्व की चिंता हो रही है।

एक अनार कई दावेदार

महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी के घटक दलों के तीन सदस्यों का अप्रैल में राज्यसभा से कार्यकाल खत्म हो रहा है। विधानसभा में संख्या बल घट जाने से इस बार के द्विवार्षिक चुनाव में आघाड़ी को महज एक सीट मिल सकती है। उद्धव ने कांग्रेस से कह दिया है कि यह सीट उन्हें मिलनी चाहिए। दुविधा यह है कि सुप्रिया सुले चाहती हैं कि उनके पिता शरद पवार राज्यसभा में रहें। जो खराब सेहत और 85 की उम्र के कारण राजनीति से संन्यास का मन बना रहे थे। पवार का नाम आया तो उद्धव को भी सहमति देनी होगी क्योंकि वे कद्दावर नेता ठहरे। संजय राउत भी चाहते हैं कि पवार ही राज्यसभा जाएं ताकि 2028 में सीट शिवसेना को मिल सके। राउत का कार्यकाल 2028 में ही खत्म होगा। उस सूरत में उन्हें मौका मिलने की संभावना प्रबल होगी। पर इस समय सीट शिवसेना को मिली तो 2028 में दूसरे घटक दल का दावा प्रबल होगा.

अब आप करेगी छवि विस्तार

आ म आदमी पार्टी को 2027 *में गुजरात व पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव में संजीवनी मिलने की उम्मीद बंध गई है। पार्टी नेताओं का मानना है कि ताजा फैसले के बाद आम आदमी पार्टी एक साफ व बेदाग छवि को लेकर बाहर आई है। यह छवि ही उनको आने वाले समय में संगठन विस्तार में बल देगी। ईमानदार छवि को स्थापित करने का प्रयास पार्टी ने अदालती आदेशों के साथ ही कर दिया है। गुजरात खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गढ़ है। बाहर आते ही आप नेताओं ने केंद्रीय सत्ता और दिल्ली के नेताओं पर सीधा हमला बोला है। पार्टी अब गुजरात में संगठन विस्तार के प्रयासों को बल देगी। भ्रष्टाचार के आरोपों ने आम आदमी पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया था।

यात्रा का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाल के विदेश दौरे की खूब चर्चा रही। योगी 2017 में मुख्यमंत्री बने थे। तब से अभी तक उन्होंने कुल चार देशों की यात्राएं की हैं। वे 2017 में म्यांमार और मारीशस गए थे। नौ साल बाद सिंगापुर और जापान गए। घोषित मकसद तो विदेशी निवेश आकर्षित करना था जैसा कि हर मुख्यमंत्री का होता है, पर असल मकसद अलग बताया जा रहा है। उनके करीबियों का कहना है कि योगी की तैयारी 2029 को लेकर है। उनका लक्ष्य केंद्रीय सत्ता है। वे विदेश यात्राएं कर अपनी छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर की करना चाहते हैं। देश के भीतर चुनाव में तो उनकी मांग आती ही है। योगी ठहरे आरएसएस के दुलारे इसलिए दिल्ली दरबार चाहकर भी उन्हें अभी तक मुख्यमंत्री पद से हटा नहीं पाया। अब तो योगी के एक चहेते मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार की एजेंसियों पर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप विपक्षी नेताओं की तर्ज पर सार्वजनिक रूप से लगा दिया। दरअसल दिनेश प्रताप के समधी उमाशंकर सिंह बलिया से बसपा के विधायक हैं। उनके ठिकानों पर इसी हफ्ते आयकर विभाग ने छापा मारकर दस करोड़ की नकदी पकड़ी थी। उमाशंकर सिंह बसपा में भले हों, पर उनकी योगी आदित्यनाथ से निकटता जगजाहिर है। योगी के एक उपमुख्यमंत्री भी दिल्ली के चहेते होने के कारण योगी की अनिच्छा के बावजूद विधानसभा चुनाव हारकर भी सत्ता सुख भोग रहे हैं।

नाम बदलने की बढ़ी मांग

ना म बदलने की सियासत भाजपा को कुछ ज्यादा ही भाती है। अभी तक शहरों के नाम जोर-शोर से बदले जा रहे थे। अब राज्यों पर भी नजर है। केरल का नाम बदलकर केरलम कर दिया है। इससे कुछ दूसरे राज्यों के नाम बदलने की मांग उठने लगी है। भाजपा खेमे की तरफ से दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने की मांग सामने आ चुकी है। महाभारत काल में दिल्ली का यही नाम था। ममता बनर्जी तो कब से अपने प्रदेश का नाम बदलने पर जोर दे रही हैं। उनकी पीड़ा यह है कि अंग्रेजी में पश्चिम बंगाल का नाम %डब्ल्यू% से शुरू होता है। नतीजतन उनका राज्य हर सरकारी काम में सबसे नीचे स्थान पाता है। उन्होंने केंद्र को बंगाल और बांग्ला जैसे नाम सुझाए भी थे। पर बांग्ला में अड़चन %बांग्लादेश% की है। इससे पहले भाजपा के रखे उत्तरांचल का नाम बदलकर उत्तराखंड करना पड़ा था। नाम तो 2011 में उड़ीसा का भी बदलकर ओडीशा किया गया था। जहां तक शहरों के नाम बदलने का सवाल है, अब पटना का नाम पाटलिपुत्र करने की मांग भी उठ गई है।

संकलन - मृणाल वल्लरी

सुबह प्रतीक्षा का अंत है!

कभी सोचा है हमने कि दुनिया की पहली सुबह कैसी रही होगी? जब पहली हली बार अंधेरे की काई फटी होगी और उजाले ने धरती को छुआ होगा, तब क्या चिड़ियों ने कोई %कोड% यानी संकेत भाषा या %पासवर्ड% का इस्तेमाल किया होगा ? शायद नहीं। वह एक आदिम कौतुक रहा होगा। जैसे किसी बच्चे ने पहली बार अपनी आंखें खोली हों और उसे लगा हो कि यह दुनिया कोई ठोस चीज नहीं, बल्कि रोशनी का एक तरल विस्तार है। विनोद कुमार शुक्ल के शिल्प में देखना चाहें, तो तो सुबह वह खिड़की रही होगी है, जो बिना दीवार के भी खुलती है। वह ऐसा शब्द है, जिसे बोलने के लिए जीभ की नहीं, बस पलकें झपकाने की जरूरत होती है।

सुबह कोई घटना नहीं है। यह तो रात भर की थकान के बाद भाषा का संपादन है। सुबह भाषा का सबसे बड़ा शब्द है। यह रात की उस भारी भरकम शब्दावली को छांटकर उसे संक्षिप्त और सुबोध बना देती है। रात जहां विशेषणों का बोझ है, सुबह वहां एक स्पष्ट क्रिया है। जैसे कोई कुम्हार चाक घुमाने से पहले मिट्टी को सहलाता है, सुबह हमारे अस्तित्व को वैसे ही सहलाती है। वह हमें बताती है कि हाथ केवल वजन उठाने के लिए नहीं, बल्कि दुनिया को एक नया आकार देने के लिए बने हैं। विचारों की ओस जब संकल्प की धूप से मिलती है, तभी कर्म का फल पकता है।

सूफी संत और दार्शनिक रूमी सुबह की हवा को आध्यात्मिक संवाद मानते थे। वे कह गए हैं- %सुबह की ठंडी हवा के पास तुम्हें बताने के लिए कुछ रहस्य हैं। वापस सोने मत जाओ। तुम्हें वह द्वार खटखटाना ही होगा, जहां रूह और दुनिया मिलते हैं।% जिब्रान ने तो सुबह को प्रकृति के संगीत के रूप में देखा %ओस की बूंदों में सुबह का दिल धड़कता है। यदि आप सुबह के सौंदर्य को नहीं देख पा रहे, तो समझें कि आपने जीवन के व्याकरण का सबसे कोमल शब्द खो दिया है।% दुनिया भर के सभी दार्शनिकों के मूल में एक बात साझा है सुबह होती नहीं है, सुबह बनानी पड़ती है। यह रात की हार नहीं, बल्कि प्रकाश की वह जिद है, जो हर रोज शून्य से शुरू होती है। यह श्रम के सौंदर्य का प्रवेश द्वार है, जहां हाथ और विचार एक लय में मिलते हैं।

उदासी का वह पथराया हुआ नाला, जो रात भर अपने वेग में पत्थर ढो रहा था, सुबह होते ही नदी के आंचल में विसर्जित हो जाता है। यहां %विसर्जन% का अर्थ %खत्म होना% नहीं, बल्कि %समाहित होना% है। उत्तर-आधुनिक समय में, जहां हम सब का बड़ा महत्व है। यह प्रतीक्षा का अंत है। सुबह सिखाती है कि इंतजार व्यर्थ नहीं जाता। सुबह किसी एक की नहीं होती। यह धूप का एक ऐसा कंबल है, जिसे पूरी सृष्टि एक साथ ओढ़ती है। सुबह श्रम का न्योता है, वह अदृश्य चिट्ठी है, जिसे चौखट पर छोड़ लिखा होता है खत्म नहीं

अपनी-अपनी व्यक्तिगत उदासी के %सेल्फ-आइसोलेशन% यानी स्वनिर्मित एकाकीपन में बंद हैं, सुबह हमें यह याद दिलाती है कि हम पानी है। और पानी का स्वभाव है बहना, प्यास की तरह एक जगह ठिकना नहीं।

आज के समय में सुबह का अर्थ बदल गया है। अब सुबह सूरज के उगने से नहीं, बल्कि स्मार्टफोन के %नोटिफिकेशन% से शुरू होती है। हमारी खिड़कियां अब कांच की नहीं, पिक्सेल की हैं, लेकिन क्या इस शोर में सुबह की वह %अथाह शांति% मर गई है? शायद नहीं। सुबह आज भी एक प्रतिरोध है। वह उस %यांत्रिक% दुनिया के खिलाफ एक जैविक विद्रोह है। जब पूरी दुनिया डेटा और एल्गोरिद्म में बदल रही होती है, तब सुबह की पहली ओस एक ऐसा %प्रतीक% है, जिसे कोई साफ्टवेयर दोबारा नहीं उतार सकता।

सांस्कृतिक दृष्टि से सुबह का बड़ा महत्त्व है। यह प्रतीक्षा का अंत है। सुबह यह सिखाती है कि इंतजार व्यर्थ नहीं जाता। सुबह साझा अस्मिता भी है। यह किसी एक की नहीं होती। यह धूप का एक ऐसा कंबल है, जिसे पूरी सृष्टि एक साथ ओढ़ती है। सुबह श्रम का न्योता है, वह अदृश्य चिट्ठी है, जिसे सूरज हर घर की चौखट पर छोड़ जाता है, जिस पर लिखा होता है कि दुनिया अभी खत्म नहीं हुई है, उसे आज फिर से थोड़ा-सा बनाना है।

कल्पना कर सकते हैं कि एक बूढ़ा आदमी बरामदे में बैठा अखबारपढ़ रहा है. उसकी नज़र अखबार के अक्षरों पर नहीं, बल्कि उस गौरैया पर है, जो जमीन पर गिरे हुए बिस्कुट के चूरे को देख रही है। यह दृश्य ही असल में %सुबह% है। सुबह का अर्थ है पुनरागमन। हर चीज वापस आती है- आवाजें, रंग, गंध और वह भरोसा कि हम अभी जीवित हैं।

सूरज हर घर की जाता है, जिस पर कि दुनिया अभी हुई है। उदासी आखिरी पहर का आचरण है, ठीक वैसे ही जैसे दीये की लौ बुझने से पहले थोड़ा फड़फड़ाती है। जो लोग रात भर उदास रहे, उन्होंने असल में सुबह की जमीन तैयार की। बिना काली स्याही के कागज पर सफेद अक्षर कैसे उभरेंगे? इसलिए सुबह केवल उजाला नहीं है, वह रात के संघर्ष का %प्रमाणपत्र% है।

कुछ सुनना चाहें तो हमें प्यास नहीं बनना है, क्योंकि प्यास में एक तरह का खालीपन और अभाव है। हमें पानी बनना है, जो लचीला है, जो रास्ता बनाना जानता है और जो विसर्जन में विश्वास रखता है। सुबह हमें वह जगह देती है, जहां हम अपने कठोर अस्तित्व को त्यागकर सहज मनुष्य बन सकें। सुबह व्याकरण का सबसे गहन अर्थ है, क्योंकि वह %पूर्णविराम% नहीं, %अल्पविराम% है। एक ऐसी सांस, जो हमें अगले कदम के लिए तैयार करती है।

- जयप्रकाश मानस

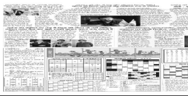

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के चलते शनिवार को तिलहनों में सोयाबीन व सरसो में बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में भाव सुस्त रहे। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में जीरा सुस्ती पर देखा गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन व सरसो में उठाव की सुस्तता से बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में नरमी की स्थिति रही। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। उधर, किराना जिंसों में जीरा नरमी पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4160, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 275-277, सांगली 283-285, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 825-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-950, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1710-1730, मुम्बई 1700, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1270-1280, सोया रिफाइंड 1330-1340, कपास्या 1270, धूलिया 1275, कड़ी 1275,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650-1675, मुम्बई पाम 1285-1290, मुम्बई सोया 1365,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6000-6300, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5000-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। पाकिस्तान ओर अफगानिस्तान के बीच जंग के बीच दोनों मूल्यवान धातुओं में एक बार पुनः तेजी चमक गयी। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 275000, चाँदी (99) 274000, टंच 273500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 164500,

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमें कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के आखिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही।

1 मार्च से बदलेंगे कई नियम, यात्रा, मोबाइल और गैस बजट पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी। 1 मार्च से भारतीय रेलवे टिकट बुकिंग सिस्टम में बदलाव कर सकता है। पुराना यूटीएस ऐप बंद किया जा सकता है और अनारक्षित (जनरल) व प्लेटफॉर्म टिकट के लिए नया रेलवन ऐप अनिवार्य हो सकता है। यात्रियों को अब मोबाइल के जरिए टिकट लेना ज्यादा आसान तो होगा, लेकिन ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा। द्धत्रष्टञ्जष्ट के साथ यह नया डिजिटल विकल्प काम करेगा। काउंटर टिकट की सुविधा सीमित होने की भी संभावना है, इसलिए नियमित यात्रियों को पहले से तैयारी करनी चाहिए। एलपीजी सिलेंडर के नए दाम- हर महीने की तरह 1 मार्च को घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट अपडेट हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर एलपीजी सस्ती या महंगी हो सकती है। अगर दाम बढ़ते हैं तो आम परिवारों के मासिक बजट पर असर पड़ेगा, वहीं कीमत घटने पर कुछ राहत मिल सकती है। सिम बाइंडिंग और मैसेजिंग ऐप्स पर सख्ती- 1 मार्च से सिम बाइंडिंग अनिवार्य हो सकती है। यानी वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप्स को एक्टिव मोबाइल नंबर से लिंक करना जरूरी होगा। बिना वेरिफाइड सिम के ऐप का उपयोग संभव नहीं होगा। मल्टी-डिवाइस और वेब लॉगिन पर भी अतिरिक्त सुरक्षा लागू हो सकती है। यह कदम डिजिटल फ्रॉड और फर्जी अकाउंट रोकने के लिए बताया जा रहा है, जिसे दूरसंचार विभाग लागू कर सकता है। बैंकिंग और यूपीआई नियमों में अपडेट- कुछ बैंक न्यूनतम बैलेंस, सेविंग अकाउंट नियम और क्रेडिट कार्ड चार्ज में बदलाव कर सकते हैं। ख्क्क्च लेनदेन में अतिरिक्त ओटीपी या नई लिमिट लागू की जा सकती है।

गूगल मैप पर आधार केंद्रों की जानकारी, अपॉइंटमेंट सुविधा भी जल्द संभव

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और गूगल इंडिया ने देशभर में अधिकृत आधार केंद्रों को गूगल मैप पर प्रदर्शित करने के लिए साझेदारी की है। इसका उद्देश्य नागरिकों के लिए आधार केंद्रों की लोकेशन, सेवाओं और कार्य समय की सटीक जानकारी प्रदान करना है। इस पहल से लोग आसानी से यह जान सकेंगे कि किसी केंद्र पर वयस्क नामांकन, बच्चों का नामांकन या केवल पता और मोबाइल नंबर अपडेट जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं या नहीं। इस सुविधा के तहत गूगल मैप पर प्रत्येक आधार केंद्र की पूरी जानकारी दिखाई जाएगी। इसमें केंद्र की सुगम्यता जैसे दिव्यांगजन के अनुकूल ढांचा, पार्किंग सुविधा और कार्य समय शामिल हैं। नागरिक केंद्र की लोकेशन खोजकर सीधे यह देख पाएंगे कि उनकी आवश्यक सेवा उपलब्ध है या नहीं। यह सुविधा आने वाले महीनों में शुरू होने की संभावना है। इस साझेदारी से देशभर में मौजूद 60,000 से अधिक आधार केंद्रों तक लोगों की आसान पहुंच सुनिश्चित होगी। यूआईडीएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आधार संख्या धारकों के जीवन को आसान बनाना हमारी प्राथमिकता है। यह सहयोग अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच को सरल, तेज और पारदर्शी बनाएगा। साझेदारी के अगले चरण में यूआईडीएआई गूगल बिजनेस प्रोफाइल के जरिए केंद्रों की जानकारी का प्रबंधन करेगा और लोगों की प्रतिक्रिया का सीधे जवाब देगा। भविष्य में गूगल मैप के माध्यम से सीधे अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा भी शुरू होने की संभावना है। गूगल इंडिया में एक रणनीतिक साझेदार ने कहा कि यह पहल करोड़ों लोगों को भरोसेमंद सरकारी सेवाएं खोजने में आसानी प्रदान करेगी और सरकारी ढांचे एवं आम लोगों के बीच की दूरी कम करेगी। इस पहल से न केवल डिजिटल इंडिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ेगा, बल्कि नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच और पारदर्शिता भी बेहतर होगी।

मेष- आज आपका दिन तेज रफ्तार में बीतने वाला है, मानो कामों की लंबी सूची आपका इंतजार कर रही हो। हालांकि आपको यह ध्यान रखना होगा कि हर काम जरूरी नहीं होता, इसलिए बेवजह की भागदौड़ से बचना ही समझदारी होगी। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा और मन को हल्का कर देगा। लंबे समय से दिल में छिपी कोई इच्छा आज पूरी हो सकती है, जिससे आत्मसंतोष महसूस होगा। यदि किसी काम को लेकर चिंता चल रही थी, तो वह धीरे-धीरे खत्म होती दिखेगी।

वृषभ- आज आपको आलस्य को पीछे छोड़कर पूरे जोश के साथ आगे बढ़ना होगा, क्योंकि जिम्मेदारियां आपका इंतजार कर रही हैं। कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने से शुरुआत में घबराहट हो सकती है, लेकिन सहयोगियों का साथ आपको आत्मविश्वास देगा। बोलते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करें, क्योंकि छोटी सी बात भी विवाद का रूप ले सकती है। परिवार में किसी मुद्दे पर बहस होने की संभावना है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। घर की सजावट या रंगाई-पुताई का विचार बन सकता है।

मिथुन- आज नए काम की शुरुआत के लिए अच्छा समय है, इसलिए यदि आप कुछ नया करने का सोच रहे थे, तो कदम बढ़ा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन बातचीत से सुलझ जाएगी और रिश्तों में फिर से मधुरता लौटेगी। दूर रहने वाले किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है। वाहन में अचानक खराबी आने से खर्च बढ़ सकता है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में रहेगी।

कर्क- आज आपका मन सेवा और परोपकार के भाव से भरा रहेगा। आप जरूरतमंदों की मदद करने में आगे आएंगे और इससे आपको आत्मिक संतोष मिलेगा। संतान के साथ समय बिताने या कहीं घूमने जाने का अवसर मिल सकता है, जिससे रिश्तों में अपनापन बढ़ेगा। कोई पुराना लेन-देन जो परेशानी दे रहा था, अब सुलझ सकता है। कामों में धैर्य और संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

सिंह- आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में किसी से हल्की कहासुनी हो सकती है, इसलिए संयम बनाए रखें। संतान से किया कोई वादा पूरा करना जरूरी होगा और पिता की ओर से नई जिम्मेदारी मिल सकती है। घर में धार्मिक कार्यक्रम या पूजा का आयोजन संभव है, जिससे वातावरण पवित्र और उत्साहपूर्ण रहेगा।

कन्या- आज खुशखबरियों की जैसे झड़ी लग सकती है। व्यवसाय में किए गए बदलाव सकारात्मक परिणाम देंगे और आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे। बॉस के साथ चल रही दूरी खत्म होगी और रिश्ते बेहतर बनेंगे। घर की साज-सज्जा के लिए खरीदारी करने का मन बनेगा, जिससे वातावरण और सुंदर लगेगा। अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। हालांकि भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें, क्योंकि कोई सख्त फैसला कुछ लोगों को नाराज कर सकता है

तुला- आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना ही आपकी सफलता की कुंजी बनेगा। बिना मांगे सलाह देने से बचें और अपने आसपास के लोगों पर नजर रखें। यदि यात्रा पर जाएं, तो अपने कीमती सामान की सुरक्षा जरूर करें।

वृश्चिक- आज आप प्रगति की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाएंगे। परिवार के बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करना आपके रिश्तों को मजबूत बनाएगा। परिवार में संपत्ति या बंटवारे को लेकर चर्चा हो सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। मन में चल रही कोई चिंता आपको थोड़ा बेचैन कर सकती है।

धनु- आज का दिन समझदारी से फैसले लेने का है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर में हंसी-खुशी का माहौल बनेगा। काम से जुड़ी कोई चिंता थी, तो वह अब दूर होती दिखेगी। घर में मेहमानों का आगमन माहौल को जीवंत बना सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

मकर- आज का दिन सुखद और लाभकारी रहेगा। परिवार में नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। शेयर मार्केट या निवेश से लाभ मिलने की संभावना है और आपके कामों की सराहना से आपको नई पहचान मिलेगी। निवेश करते समय दूसरों की बातों में आकर फैसला न लें। साझेदारी में किए गए काम अच्छे परिणाम देंगे।

कुंभ- आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरे रहेंगे। किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलेगा, जिससे आपकी छवि मजबूत होगी और सम्मान भी मिल सकता है। माताजी से किया कोई वादा पूरा करने का प्रयास करेंगे। संतान अपने करियर या नौकरी से जुड़ी किसी समस्या को लेकर आपसे सलाह ले सकती है।

मीन- आज का दिन आनंद और हल्के-फुल्के पलों से भरा रहेगा। आप परिवार के साथ बैठकर पुराने मतभेद सुलझाने में सफल रहेंगे। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष न रखें, क्योंकि सकारात्मक सोच ही आपको आगे बढ़ाएगी। घूमने-फिरने की योजना बन सकती है और अपने शौक पूरे करने का अवसर मिलेगा। सरकारी योजनाओं से लाभ मिलने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8185

शब्दजाल में 10 शहरों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	र	द
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	ड़
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	ज
इं	नौ	ब	न	बा	बा	स	क	ल	ष	ल
वा	अ	मी	ल	ज	चा	न	क्रो	न	भ	गां
रा	ल	न	र	य	ब	ली	ती	बैं	घ	व
ण	सिं	र्नि	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

जयपुर, जामनगर, बेंगलोर, सोनीपत, जलगांव, नासिक, वाराणसी, सूरत, जबलपुर, शिमला

शब्दजाल - 8184 का हल

[illegible]										
खा	ले	म	क	या	झां	र	जां	बा	ज	ल
ड़े	र्ज	ल्जा	ई	रे	से	क	गो	लो	श	ण
बा	बा	म	न	ब्र	बा	य	री	श	प	क
ज	दु	आ	प	व	ज	ज	ऐ	बें	हा	त
क	ब	ल्ले	बा	ज	ल	गा	य	द	प	थ

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 60 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 19.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 08.35 बजे को समाप्त।
योग शोभन 14.33 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.55 बजे तदनन्तर तैतिल 19.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 40'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872635
जूलियन दिन 2461100.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 11
विशेष रवि प्रदोष व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.07 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	08.38 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.18 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.29 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.46 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.08 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.23 ब.से
राहुकाल		धनु	01.39 बजे से
4.30 से 6.00		मकर	03.44 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.30 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः भूल का सुधार

बुद्ध सारनाथ के एकांत जंगल में कुछ शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी कहीं से शोर सुनाई पड़ा। बुद्ध ने आनंद को यह पता लगाने को कहा कि बात क्या है। आनंद ने थोड़ी देर बाद आकर बताया कि कुछ भिक्षु पेड़ के नीचे बैठकर बातचीत और हंसी मजाक कर रहे हैं। बुद्ध क्रोध में उन भिक्षुओं के पास जाकर बोले, 'क्या आप लोगों को नहीं मालूम कि भिक्षुओं को शांत रहना चाहिए। आप लोगों ने भिक्षु जीवन की मर्यादा का उल्लंघन किया है इसलिए आप इसी समय संघ छोड़ दें।' वे भिक्षु नए थे और हाल ही में संघ में आए थे। उन्होंने बुद्ध से क्षमा मांगी मगर बुद्ध ने उन्हें माफ नहीं किया। सभी भिक्षु वहां से निकल पड़े। रास्ते में उन्हें कुछ संत मिले जो बुद्ध से मिलने आ रहे थे। जब उन्हें सारा किस्सा मालूम हुआ तो वे असमंजस में पड़ गए। एक संत ने बुद्ध से कहा, 'इन्हें निकालने के पहले क्या आप ने यह सोचा कि यहां से जाने के बाद ये लोग क्या करेंगे। किस रास्ते पर जाएंगे। यदि इन्होंने गलत रास्ता पकड़ लिया तो किस पर दोष जाएगा। बौद्ध धर्म तो गलत रास्ते पर चलने वालों को सही मार्ग दिखाता है। इन्हें सुधरने का एक मौका तो मिलना ही चाहिए।' बुद्ध को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह सभी भिक्षुओं से अपनी भूल के लिए माफी मांगने लगे। बुद्ध को ऐसा करते देख कर भिक्षु सकते में आ गए। एक ने कहा, 'प्रभु आप से कोई भूल नहीं हुई। गलती तो हमारी थी।' बुद्ध ने कहा, 'नहीं, आपकी गलती नहीं थी। गलत मैं था। गलती किसी से भी हो सकती है। अपनी भूल को स्वीकार करना ही भूल का सुधार है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7129

1		2	■	3		4	■	5	
	■	6			■		■		■
7	8		■	9	10		■	11	
■		■	12	■		■	13		■
14	■	15		16	■	17		■	18
19			■	20	21	■	■	22	
	■	23				■	24	■	
25	26		■	■	27		■	28	
■		■	29			■	30	■	
31				■	■	32			■

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7128

पि	या	का	घ	र	■	ह	थ	क	ड़ी
ता	र	■	गैं	■	दो	स्ती	■	न्या	■
■	ना	खु	दा	■	बा	■	अं	दा	ज
ह	■	श	■	कुं	द	न	■	न	■
म	ज	बु	र	■	न	ज	र	■	म
सा	या	■	त	ब्बू	■	र	■	डॉ	न
या	■	आ	न	■	कि	ना	र	■	च
■	गै	र	■	मै	ला	■	म	वा	ली
प्या	■	पा	पी	■	■	र	जा	■	■
सा	ग	र	■	र	खी	■	ने	पा	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7438

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7437 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 8653

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
■			12		13			
14					15			
			16	17				
18						19		20
		21	22		23	24		
25					26			

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वेदश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधू, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -8652 का हल

■	शा	र	दा	■	सा	हि	ल	■
दा	म	■	न	■	ल	■	त	ब
खि	■	प्रा	ब	धा	न	■	■	रा
ल	ब	ण	■	न	■	त	ह	त
■	■	ना	म	■	रा	ह	■	■
ती	र	थ	■	स	■	ल	ग	न
स	■	■	मु	च	ल	का	■	क
रा	ज	■	नी	■	ह	■	बे	टा
■	न	र	म	■	जा	हि	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

2 मार्च से बसों की अनिश्चित कालीन हड़ताल

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

मध्यप्रदेश शासन की दमन कारी नीतियों के चलते मध्यप्रदेश में समस्त बस संचालक अपनी अपनी बसों के पहिये बंद कर अनिश्चित कालीन हड़ताल 2 मार्च से कर रहे है। बतादे कि होली पर्व में बसों के पहिये थमने के चलते यात्रियों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि लांजी क्षेत्र मे हजारो लोग बडे शहरो में काम मजदूरी को लेकर पलायन करते है जिनका बडी संख्या में आवागमन होली पर्व पर होता है बसों के नही चलने से निश्चित रूप से इन यात्रियों को परेशानी होगी। इसके अतिरिक्त लांजी, बालाघाट, गोंदिया, आमगांव, सिवनी सहित जिले से बडे बडे शहरो के लिये बसों का आवागमन होता है जिसका भी असर देखने को मिलेगा, जिले में बसों का संचालन एक प्रकार से आवागमन करने वाले यात्रियों के लिये लाईफ लाईन मानी जाती है बसो के पहिये थमने से यात्रीयों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मध्यप्रदेश शासन इस ओर विचार करे तथा एक बार फिर अपनी नीति को लेकर चर्चा करे।

असुविधा के लिए बस आपरेटर एसोसिएशन ने किया खेद व्यक्त

क्या है प्रदेश शासन की परिवहन नीति, जिसको लेकर बस संचालक ने अपनाया हड़ताल का रूख

2 मार्च से होने वाली हड़ताल को लेकर जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन बालाघाट के अध्यक्ष मुकेश चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि कैसे सरकार अपनी मनमानी और दमनकारी नीति के हमे अपनी अपनी बसों के पहिये थामने पड़ रहे। मुकेश चौहान ने बिन्दुवार जानकारी देते हुये बताया कि सरकार द्वारा आम जनता को भ्रमित किया जा रहा है कि सुगम परिवहन योजना आने से यात्री किराया कम होगा परंतु इस योजना के तहत 3-4 रूपये प्रति किलोमीटर अतिरिक्त किराया वाहन मालिक से रायल्टी के रूप में वसूल किया जायेगा। वर्तमान में किराया 01.25 पैसा प्रतिकिलोमीटर की दर से लिया जा रहा है। जो कि इस नीति के लागू होने पर बढ़ाकर 1.75 पैसा प्रति किलोमीटर या उससे अधिक कर दिया जाएगा। यह भी भ्रमित किया जा रहा है कि जीपीएस टैकिंग निगरानी की जाएगी किंतु सभी बसों मे पूर्व से जीपीएस टैकिंग डिवाईस लगाई गई जो कि सरकार द्वारा दूसरे प्रदेशों की अपेक्षा कुछ खास लोगों को वेंडर बनाकर उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुचाया जा रहा है। किराया वृद्धि कर सरकार आम जनता को सीधे रूप से आर्थिक क्षति पहुंचा रही है। सरकार द्वारा हमारी निजी बसों को नई कंपनी बनाकर हमसे रोड़ टैक्स के अलावा हमसे प्रति किलोमीटर की दर से रायल्टी वसूल कर कंपनी को लाभ पहुँचाना चाहती है। सरकार चाहे तो खुद की बस खरीद कर संचालित करे, हमें आपत्ति नही है परंतु हमारे वर्षो पुराने परमिट निरस्त कर प्राईवेट कंपनी के नाम कर रही है। जिनके पास खुद की कोई बस नही है। सुगम परिवहन चालू होने के पूर्व में सरकार द्वारा 29/01/2026 राजपत्र प्रकाशित कर अस्थाई अनुज्ञा पत्र जो कि शादी विवाह धार्मिक सम्मेलन आयोजन यात्रा पिकनिक आदि का टैक्स में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। जिसका भी आर्थिक बोझ आम जनता पर एवं बस मालिक पर सीधे तौर पर पड़ रहा है। यह हड़ताल हमारे संपूर्ण प्रदेश में 02 मार्च 2026 दिन सोमवार सुबह 6 बजे से प्रारंभ होकर अनिश्चितकालीन होगी। जिसमें आम जनता को होने वाली असुविधा हेतु जिला बस आपरेटर एसोसिएशन बालाघाट खेद व्यक्त करता है।

4 माह बाद भी अतिवृष्टि एवं कीट व्याधी से नष्ट फसलों का किसानों को नहीं मिला मुआवजा

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के सभापति दिनेश लाड़े ने विगत समय हुई अतिवृष्टि एवं कीट व्याधी से किसानों कि जो फसले नष्ट हुई तथा सरकार ने वादा किया था कि सभी किसानों को उनके फसल नुकसान का मुआवजा प्रदान किया जायेगा किन्तु विगत 4 माह बीत जाने के बाद भी प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि का लाभ प्राप्त नही हुआ है। दिनेश लाडे ने कहा कि विगत फरवरी माह में राज्य शासन के द्वारा पारित बजट में किसानों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि का कोई उल्लेख नही किया गया है। जो शासन की किसानों के प्रति अंसवेदनशीलता को दर्शाता है। बतादे कि बीते वर्ष नवंबर माह के पहले सप्ताह में मौसम के बदले मिजाज से बेमौसम बारिश के कारण किसानों की 40 से 50 प्रतिशत फसल नष्ट हो चुकी थी इसके पूर्व माहू एवं अन्य कीट व्याधी के कारण पहले ही किसान परेशान था जिस पर बेमौसम बारिश ने किसानों को हलाकान कर दिया था। हलका पटवारियों के द्वारा किसानों के खेतो में जाकर सर्वे किया गया तथा रिपोर्ट के माध्यम से शासन को अवगत कराया इसके उपरांत तहसील कार्यालय से समस्त विपणन संस्थाओं, सेवा सहकारी समितियों तथा कृषि विभाग को सूची मुहैया कराई गई जिसमें समस्त किसानों की 30 प्रतिशत फसल क्षति होना मानक था। इसी आधार उपार्जन केन्द्रो मे 1 दिसंबर से 20 जनवरी 2026 तक खरीदी की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार खण्ड स्तर पर क्षतिपूर्ति राशि आवंटित हो गई थी किन्तु अधिकारियों के द्वारा प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पिछले वित्तिय वर्ष के अनुपात मे चालू वर्ष में अधिक खरीदी होना बताया गया है। 30 प्रतिशत कटौती के बावजूद 106 प्रतिशत की खरीदी होना हास्यास्पद प्रतित होता है साथ ही राजस्व अमले के द्वारा किये गये सर्वे की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है। दिनेश लाड़े किसानों के हित में बात करते हुये कहा कि शासन अपने वक्तव्यों पर कायम रहे तथा किसानों को क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करे किसानो के हक अधिकारों की अनदेखी ना किया जाये।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने लांजी आमगांव विधायको व प्रशासनिक अधिकारियों ने की बैठक

आमगांव साकरीटोला पुल क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा 28 फरवरी को कारंजा स्थित बालसाहेद देवरस न्यास स्थल सभा गृह में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नही पंहुच पा रहे है बडे वाहनो को भी मध्यप्रदेश में चलने के लिये परमिट टैक्स आदि की आवश्यकता होती है जिसको लेकर अनेको परेशानी उत्पन्न हो रही है इन्ही समस्याओं का हल निकालने के लिये यह संयुक्त बैठक का

आमगांव देवरी विधानसभा क्षेत्र के आमदार (विधायक) संजय पुराम विशेष रूप से उपस्थित रहें। बैठक में लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, सहित जिले के आरटीओ अधिकारी, पुलिस प्रशासन लांजी तथा पडोसी राज्य महाराष्ट्र के आमगांव एसडीएम, तहसीलदार, आरटीओ, पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग से अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे। बैठक का प्रमुख बिन्दु था की वर्तमान में आमगांव साकरीटोला के मध्य स्थित पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है जहां से आवागम पूर्ण रूप से बाधित हो चुका है वहीं सालेकसा, देवरी, आमगांव जाने के लिये जो विशेष मार्ग की आवश्यकता है उस पर सुचारू रूप से आवागमन नही हो पा रहा है। आवागमन के लिये वाहनो को महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश कुल्पा बायपास से होकर आमगांव जाना पड़ रहा है लेकिन मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य बडे वाहनो को आवागमन करना पड़ रहा है जिसमे यातायात एवं आरटीओ विभाग से लेकर कुछ परेशानियॉ सामने आ रही है स्कूल के वाहन स्कूल तक आयोजन दोनो ही विधायकों के द्वारा किया गया था जिसके तहत समस्या का कुछ हद तक समाधान हुआ है। इस विषय पर दोनो ही जिले के कलेक्टर को भी अवगत कराया जा चुका है। बैठक में उपस्थित अधिकारियो के द्वारा कुछ लिखीत दस्तावेजो की बात भी बैठक में कही गई है। हालांकि वर्तमान में हल दोनो ही विधायको के द्वारा निकाला जा चुका है कुलपा बायपास का उपयोग कर वाहन आमगांव से साकरीटोला, सालेकसा की ओर जा सकते है। वही कुछ नियमो का भी पालन वाहनो को करना होगा। बतादे कि लांजी क्षेत्र का भाडरा अंचल भी उक्त सीमाओ से जुड़ा हुआ है। इन क्षेत्रो के भी लोगो का आवागमन लगातार रहता है पुल क्षतिग्रस्त होने के चलते इन्हे भी उक्त मार्ग का ही उपयोग करना होगा।क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे ने यह भी कहा कि विगत समय हमारे द्वारा कुलपा बायपास सडक निर्माण कार्य मरम्म्मती करण करवाया गया था मार्ग खराब होने की दशा मे दोबारा निर्माण कार्य करवाया जायेगा ताकि यातायात सुगम हो सके।

होली पर्व पर नगर में सजी दुकानें

2 को होलिका दहन व 4 को होगी रंग गुलालों की होली

पद्मेश न्यूज। लांजी । होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हर साल यह पर्व फाल्गुन महीने की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। साल 2026 में होली की तारीख को लेकर लोगों के मन में थोड़ी कन्फ्यूजन है कि होलिका दहन 2 मार्च या 3 मार्च कब मनाया जाएगा ? हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 02 मार्च को शाम 05 बजकर 55 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 03 मार्च को शाम 05 बजकर 07 मिनट पर होगा। ज्योतिषियों की मानें तो 02 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा, क्योंकि 03 मार्च चंद्र ग्रहण लग रहा है। साथ ही 04 मार्च को रंगों की होली मनाई जाएगी।

सजी रंग गुलाल की दुकानें

होली पर्व के चलते बाहर कमाने गए लोगों व अन्यत्र ड्यूटी कर रहे कर्मचारी भी अपने-अपने घरों में आने लगे हैं, ताकि पारिवारिक माहौल में यह पर्व मनाया जा सके। बाजार में रंग गुलाल की दुकानें सज तो गई हैं। बता दे की होली पर्व पर आज भी ग्रामीण अंचलों में शक्कर की चाशनी से बनी माला बांटने की परंपरा अब भी बरकरार है, बच्चों, बूढ़ों को माला भेटकर तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया जाता है। इतना ही नहीं विदर्भ की सीमा से लगे होने के कारण जहां शादी जुड़ जाती है, उन परिवारों द्वारा लड़की वालों के घर माला लेकर जाने की परंपरा भी देखी जाती है। गाठी भेट कर दोनों परिवार एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई देते हैं। बता दे कि 2 मार्च की रात्रि में होलिका दहन व 4 मार्च को धुरेण्डी (रंग गुलाल) पर्व को लेकर जहां उत्साह है, वही पर्व को लेकर बधाइयां देने का सिलसिला शुरू हो गया है। पुलिस द्वारा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक लेकर नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक सुझाव आमंत्रित किए गए, एवं चिन्हित स्थानों में पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

होलिका दहन का शुभ मुहूर्त

होलिका दहन 2 मार्च 2026 सोमवार की शाम 6:22 बजे से रात 8:50-8:53 बजे तक (प्रदोष काल, कुल 92 घंटे 28 मिनट) — यह समय कई पंचांगों में भद्रा-मुक्त माना गया है। तो कुछ ज्योतिषी रात 12÷50 बजे से 2÷02 बजे तक (भद्रा पुच्छ काल में, कुल 1 घंटा 12 मिनट) को भी शुभ बता रहे हैं। कारण÷ फाल्गुन पूर्णिमा 2 मार्च शाम 5÷56 बजे से शुरू हो रही है। भद्रा काल का प्रभाव होने पर भी प्रदोष काल में दहन शास्त्र-सम्मत है। 3 मार्च को चंद्र ग्रहण (दोपहर 3÷20 बजे से शाम 6÷47 बजे तक) के कारण होलिका दहन 2 मार्च को ही किया जाएगा। 4 मार्च को पूरे दिन रंग-गुलाल खेलना शुभ और सुरक्षित माना जा रहा है। 3 मार्च को पूर्ण चंद्र ग्रहण पड़ रहा है, जिसके कारण क्षेत्र में रंगों की होली 4 मार्च को मनाई जाएगी।

श्री खाटू श्याम निशान यात्रा का हुआ आयोजन

ध्वज के साथ रैली निकाल किया नगर भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में श्री खाटू श्याम महोत्सव के तहत श्री श्याम निशान यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीराम मंदिर में आयोजित किया गया जहां पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर ध्वजारोहण करने के उपरांत निशान यात्रा प्रारंभ की गई। यह निशान यात्रा शनिवार को श्रीराम मंदिर से निकालकर वार्ड नं. 10गोलीबार चौक ,आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक से वापस फ्वारा चौक से कटंगी रोड़ सब्जी बाजार सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए वापस श्रीराम मंदिर पहुंची। जहां पर निशान यात्रा का समापन कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान लोगों के द्वारा महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया गया। यह निशान यात्रा के दौरान रथ में श्री खाटू श्याम का छायाचित्र विराजित रहा जिसका नगर के विभिन्न स्थानों पर लोगों के द्वारा पूजा अर्चना कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। वहीं जगह जगह लोगों के द्वारा यात्रा में शामिल लोगो को पानी शरबत एवं आइसक्रीम का वितरण किया जाता रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग इस निशान यात्रा में शामिल हुए जिनके द्वारा बाबा श्याम से मनोकामना की गई। यात्रा के अंत में श्याम बाबा के भक्तो के द्वारा ध्वजों को अपने घर ले जाकर फ्हराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्याम भक्त मौजूद रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद...5.39 करोड़ पर सिमटा वोट बैंक

मप्र के 29 मंत्रियों की सीटों पर घटे मतदाता

भोपाल। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद मप्र में मतदाता सूची की अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद कई विधायकों की नींद उड़ गई है। उसमें मप्र सरकार के 29 मंत्री भी शामिल हैं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया के विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, जबकि बाकी सभी मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र में मतदाता कम हुए हैं। एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया है। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची से 34.25 लाख मतदाता बाहर हो गए हैं। दिसंबर 2025 में हटाए गए 42.47 लाख मतदाताओं में से 8.49 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़ पाए हैं। इसके बाद अब मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5.39 करोड़ है।

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में विधान सभावार देखें तो सबसे ज्यादा मतदाता राजधानी भोपाल की गोविंदपुरा विधानसभा सीट में कम हुए हैं। इस सीट से मंत्री कृष्णा गौर चुनाव जीती थी। गोविंदुपरा में 2023

के मुकाबले 3 लाख 20 हजार 746 मतदाता कम हुए हैं। इसके अलावा नरेला विधानसभा सीट में 2023 के मुकाबले 2026 में 65 हजार 579 मतदाता कम हुए हैं।

उपमुख्यमंत्री की सीट पर बढ़े मतदाता

उधर, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की विधानसभा पर 2023 के मुकाबले मतदाताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। देवड़ा की सीट पर 100 मतदाता बढ़ गए हैं। 2023 में मल्हारगढ़ विधानसभा सीट पर 2 लाख 45 हजार 608 मतदाता थे, जो 2026 में बढक़र 2 लाख 45 हजार 708 हो गए हैं। इसी तरह मंत्री निर्मला भूरिया की पेटलावद सीट पर भी मतदाताओं की संख्या 6 हजार 886 की बढ़ोत्तरी हुई है। 2023 में इस सीट पर 2 लाख 88 हजार 592 मतदाता थे, जो 2026 में बढक़र 2 लाख 95 हजार 478 हो गए हैं।

पिछले चुनाव में जितने से जीते उससे ज्यादा कम हुए मतदाता

एसआईआर के नतीजों के बाद प्रदेश की कई विधानसभा सीटों में कम हुई मतदाताओं की संख्या 2023 के जीत-हार के अंदर से ज्यादा है। इंदौर की एक विधानसभा सीट पर 2023 में जीत-हार का अंतर 57 हजार 939 था। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय वाली इस सीट पर 2026 में 52 हजार 537 मतदाता कम हुए हैं। भोपाल की नरेला विधानसभा सीट पर 2023 में जीत-हार का अंतर 24 हजार 569 का था। मंत्री विश्वास सारंग की इस सीट पर 2026 में 65 हजार 579 मतदाता कम हुए हैं। ग्वालियर विधानसभा सीट पर 2023 में जीत हार का अंतर 19 हजार 140 मतों का था, जबकि 2026 में इस सीट पर 42 हजार 416 मतदाता कम हुए हैं। मंत्री गोविंद सिंह की सुरखी विधानसभा पर जीत-हार का अंतर 2 हजार 175 मतों का था, जबकि 2026 में इस सीट पर 19 हजार 723 मतदाता कम हुए हैं।

किस मंत्री के विधानसभा में कितने कम हुए मतदाता

- गोविंदपुरा विधानसभा - इस सीट से मंत्री कृष्णा गौर चुनाव जीतती आई हैं। गोविंदपुरा में 72 हजार 179 मतदाता कम हो गए।
- नरेला विधानसभा सीट - इस सीट से मंत्री विश्वास सारंग ने पिछला चुनाव जीता था। इस सीट पर 65 हजार 579 मतदाता कम हुए।
- इंदौर 1 विधानसभा - इस सीट से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय चुनाव जीते थे। इस सीट पर 52 हजार 537 मतदाता कम हुए हैं।
- ग्वालियर विधानसभा - इस सीट से मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर चुनाव जीते थे। इस सीट पर 42 हजार 416 मतदाता कम हुए हैं।
- जबलपुर पश्चिम विधानसभा - इस सीट पर मंत्री राकेश सिंह चुनाव जीते थे, इस सीट पर 25 हजार 672 मतदाता कम हुए हैं।
- सुरखी विधानसभा - मंत्री गोविंद सिंह राजपूत चुनाव जीतते आए हैं। इस सीट पर 19 हजार 723 मतदाता कम हुए हैं।
- रीवा विधानसभा - इस सीट से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने चुनाव जीता था, इस सीट पर 18 हजार 393 मतदाता कम हुए हैं।
- उज्जैन दक्षिण विधानसभा - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चुनाव जीते थे। इस सीट पर 4 हजार 471 मतदाता कम हुए।
- हरसूद विधानसभा - इस सीट से मंत्री विजय शाह चुनाव जीतते आ रहे हैं। इस सीट पर 7 हजार 248 मतदाता कम हुए हैं।
- नरसिंहपुर विधानसभा - मंत्री प्रहलाद पटेल इस सीट पर 6 हजार 66 मतदाता कम हुए।
- सांवेर विधानसभा - इस सीट से तुलसी सिलावट ने चुनाव जीता था। इस सीट पर 1 हजार 763 मतदाता कम हुए हैं।
- गाडरवारा विधानसभा - इस सीट से मंत्री उदय प्रताप सिंह चुनाव जीते थे। इस सीट पर 1 हजार 475 मतदाता कम हुए हैं।
- मंडला विधानसभा - इस सीट पर मंत्री संपतिया उइके चुनाव जीती थीं। इस सीट पर सबसे कम 72 मतदाता कम हुए हैं।
- दिमनी विधानसभा - इस सीट से विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर चुनाव जीते थे। इस सीट पर 9 हजार 505 मतदाता कम हुए हैं।

जिला सहकारी बैंक के कर्मचारियो ने मिलीभगत कर किया लाखो का गबन

कम्प्यूटर आपरेटर, असिस्टेंट मैनेजर और इनचार्ज एकाउंट ने की हेराफेरी

भोपाल। ईओडब्ल्यू जबलपुर ने जिला सहकारी बैंक छिन्दवाड़ा में लाखो के गबन के मामले में जॉंच के बाद बैंक के हेड क्लर्क, असिस्टेंट मैनेजर और इनचार्ज एकाउंट सहित तीन कर्मचारियो के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ में मामला दर्ज किया है।

- ऐसे किया गोलमाल

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार जिला सहकारी बैंक मर्यादित छिंदवाडा में साल 2022 मे लेखा कक्ष में लाखों रूपये की रकम गबन करने की शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, जबलपुर में प्राप्त होने पर उसकी जाँच की गई। जॉच में सामने आया की पर बैंक के लिपिक (कम्प्यूटर आपरेटर) अभिषेक जैन ने बैंक के आंतरिक एकाउट से नेफट के जरिये से 10.30लाख रूपये खुद के निजी खातों आईसीआईसी बैंक स्टेट बैंक, जिला सहकारी बैंकों के कुल चार खातों में अवैध रूप से गबन कर सालल 2015 से 2020 की अवधि में आंतरिक खाते से 19 ट्रांजेक्शन करके अपने खातों में ट्रान्सफर कर लिया ।

- पड़ताल में सामने आई मिलीभगत

यह ट्रांजेक्शन अभिषेक जैन द्वारा अपनी मेकर आईडी एवं चेकर के रूप में अभय कुमार जैन प्रभारी सहायक प्रबंधक लेखा एवं लेखा शाखा प्रभारी नीरज जैन की आईडी का उपयोग करके ट्रांसफर किया। इसका खुलासा होने के बाद सहकारी बैंक द्वारा विभागीय जांच कराई गयी जिसमें अभिषेक जैन के अतिरिक्त दोनों अधिकारी भी दोषी पाये गये। सहायक प्रबंधक, लेखा प्रभारी की आईडी का उपयोग अभिषेक जैन द्वारा किया जाता रहा इन दोनों अधिकारियों के द्वारा अभिषेक जैन के साथ जानबूझकर लापरवाही पूर्वक षडयंत्र करके सहकारी बैंक के आंतरिक खाता से फंड का गबन किया।

- चेकर द्वारा जानबुझकर दी गई थी आईडी

चैकर अभय कुमार जैन सहायक प्रबंधक एवं चैकर नीरज जैन लेखा शाखा प्रभारी द्वारा जानबूझकर अपनी आईडी अभिषेक जैन को दी गयी और इतने लंबे समय में 19 अवसरों पर बैंक के दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया। इस प्रकार इन दोनों अधिकारियों ने अभिषेक जैन को बैंक की धरोहर राशि को अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करने का अवसर सुलभ करवाया।

पिता की विरासत संभालने को बेताब नई पीढ़ी

भोपाल। भाजपा में जब से 45 साल के नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है, तब से युवा पीढ़ी को उम्मीद जगी है की पार्टी में उन्हें महत्व दिया जाएगा। मप्र की बात करें तो यहां के भाजपा नेताओं के पुत्र अपने पिता की विरासत संभालने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। अब उन्हे संगठन की हरी झंडी का इंतजार है। गौरतलब है कि मप्र में भाजपा नेता के पुत्रों की लंबी कतार है, जो संगठन में अभी पिता के नाम के सहारे ही कार्य कर रहे हैं। संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने का इन्हें इंतजार है। क्योंकि भाजपा की परिवारवाद को लेकर स्पष्ट नीति है, लेकिन इस नीति में कोई स्थायी बैरिकेड्स कभी नहीं रहा। संगठन के प्रति समर्पण के साथ कार्य करने वाले नेता के पुत्रों को बड़ी जिम्मेदारी भी मिली है। यह जिम्मेदारी उन्होंने अपनी योग्यता से हासिल की है।

गौरतलब है कि मप्र भाजपा में कई वरिष्ठ नेताओं के पुत्र अपने पिता के विधानसभा-लोकसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं। लेकिन परिवारवाद के कारण इनके सामने समस्या खड़ी हो गई है। इस बीच गत दिनों कुलैथ गांव में हुए किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र देवेंद्र तोमर के नाम का मंच से उल्लेख किया। इसके माध्यम से उन्होंने संकेत दिए कि नेता के पुत्रों के लिए संगठन के द्वार खुले जा सकते हैं। दूसरा, मुख्यमंत्री ने इसके माध्यम से विधानसभाध्यक्ष को भी साधने का प्रयास किया। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसान सम्मेलन में विधानसभाध्यक्ष के पुत्र की तारीफ करते हुए कहा कि नरेंद्र सिंह यहां मौजूद नहीं हैं, लेकिन आपकी मौजूदगी से हम मान लेते हैं, वे यहां मौजूद हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि हम मान लेते हैं अगली पीढ़ी आप ही हो। इसके राजनीति में अलग मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि भविष्य में नेता पुत्रों को संगठन में जिम्मेदारियां दिए जाने के द्वार खुल सकते हैं। रामू तोमर एक बार प्रदेश युवा मोर्चा में कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं।

नेता पुत्रों की लंबी कतार

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह, विधानसभाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र देवेंद्र सिंह तोमर, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के पुत्र अभिषेक, जयंत मलैया के पुत्र सिद्धार्थ, गौरीशंकर बिसेन की पुत्री मौसम बिसेन, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र महान आर्यमन, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के पुत्र सुकर्ण, पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह के पुत्र पीतांबर सिंह, दिवंगत नेता प्रभात झा के पुत्र तुष्मल झा, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर के पुत्र प्रांशु शेजवलकर सहित अन्य नेता पुत्र राजनीतिक लॉन्चिंग के लिए दस्तक दे रहे हैं। इन नेता पुत्रों को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलने के आड़े भाजपा की परिवारवाद की नीति आ रही है। यह नेता पुत्र संगठन में कार्य तो कर रहे हैं, लेकिन इन्हें विधिवत रूप से कोई बड़ी जिम्मेदारी देने से संगठन हमेशा किनारा कर जाता है। हालांकि केंद्रीय मंत्री के पुत्र क्रिकेट जगत में सक्रिय हैं।

भोपाल में 5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक

मामले में अब पुलिस और साइबर सेल करेगी जांच

भोपाल। भोपाल में 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लगातार लीक होने का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सख्ती दिखाई है। उन्होंने अफसरों को तत्काल प्रभाव से जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस के साथ राज्य साइबर मुख्यालय से भी मामले की जांच कराने को कहा है।

कलेक्टर के निर्देश के बाद जिला परियोजना समन्वयक रवीश श्रीवास्तव ने राज्य साइबर मुख्यालय और शाहजहांनाबाद के सहायक पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर जांच शुरू करने का अनुरोध किया है। इस मामले में रवीश श्रीवास्तव ने बताया कि मीडिया के माध्यम से सूचना मिली है कि 5वीं और 8वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक हस्तलिखित और गणित का प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र पर पहुंचने से पहले ही लीक हो गया था। जिसके बाद दोनों ही प्रश्नपत्र जांच के लिए पुलिस को सौंप दिए गए हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि भोपाल कोड का लीक पेपर मिला है। इसके लिए यहां पता लगाना बेहद जरुरी है कि पेपर कहां और किसके द्वारा लीक हो रहे हैं।

8वीं कक्षा का प्रश्नपत्र भी लीक

शहर में गुरुवार को 8वीं कक्षा के संस्कृत विषय का प्रश्नपत्र भी परीक्षा केंद्र पहुंचने से पहले लीक होने की जानकारी सामने आई है। परिजनों ने बताया कि प्रश्नपत्र बच्चों तक एक दिन पहले ही पहुंच चुका था। इसके बाद निजी परीक्षा केंद्र से छात्रों के निकलने पर उनके प्रश्नपत्र को लीक प्रश्नपत्र से मिलाया तो उसमें सेंटर कोड और प्रश्नपत्र कोड एक समान पाए गए।

राजधानी में 34 हजार छात्र दे रहे परीक्षा

भोपाल में 8वीं कक्षा के लिए 263 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर करीब 34 हजार विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं। पूरे मामले में छात्रों का दावा है कि पेपर आने से पहले उनके पास पेपर उपलब्ध था। इस मामले में टेलीग्राम चैनलों पर प्रश्नपत्र बेचने और लीक होने का आरोप लगा है।

रिटायर्ड पुलिस अफसर की बेटी से एनआईआर पति ने दहेज में मांगें 5 करोड़

भोपाल। एनआईआर भारतीय व चीन में कारोबार करने वाले परिवार ने शादी के बाद सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए पांच करोड़ की मांग करनी शुरु कर दी। मामले की शिकायत राजधानी के महिला थाने में की गई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। महिला थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 31 वर्षीय शैव्या शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया की वह वर्तमान में अपने मेंडोरी स्थित मायके में रहती हैं। करीब 8 साल पहले पहले उनकी शादी दिल्ली निवासी सुशांत चोपड़ा से हुई थी, जो वर्तमान में एनआरआई है। सुशांत व उनका परिवार कारोबारी है। सुशांत चनी में रहकर कारोबार करते हैं। पीड़िता शैव्या शर्मा के पिता राज्य पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। शैव्या ने अपने अपने पिता के साथ महिला थाने पहुंचकर की गई शिकायत में आगे बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति और उसके परिजन अधिक दहेज की मांग को लेकर दबाव बनाने लगे। पहले महंगे गिफ्ट और नगदी की मांग की गई, जिसे समय-समय पर पूरा किया गया। बाद में उन्होंने पांच करोड़ रुपए लाने का दबाव बनाया गया। मांग पूरी न होने पर उनके साथ मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सुशांत चोपड़ा, रिपू चौहान और पारुल के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जंगल महकमे में दो वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीट कर सेन को हॉफ बनाने की तैयारी

भोपाल । राज्य सरकार ने परम्परा तोड़कर वन विभाग में शीर्ष स्तर पर बड़ा प्रशासनिक बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में 1991 बैच के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी एवं वर्तमान वन्य प्राणी प्रमुख शुभ रंजन सेन को प्रदेश का नया वन बल प्रमुख (हॉफ) बनाया जाना लगभग तय माना जा रहा है। बस उनके नाम की औपचारिक घोषणा शीघ्र होने की संभावना है।

वन विभाग के स्थापना काल के बाद पहली बार 91 बैच के आईएफएस सेन को हॉफ बनाने के लिए दो वरिष्ठ पीसीसीएफ अधिकारियों 1989 बैच के एच यू खान और 1990 बैच के विभाष कुमार ठाकुर को सुपरसीट किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो दिल्ली की पॉवरफुल एक लॉबी विशेष के दबाव में सेन को हॉफ बनाया जा रहा है। वरिष्ठता क्रम में सबसे टॉप पर होने और 37 साल की सेवा देने के बावजूद भी मप्र के अशोक नगर मूल के एचयू खान को वन बल प्रमुख न बनाए जाने फील्ड स्टॉफ में असंतोष है। विभागीय हलकों में इसे एक महत्वपूर्ण और असाधारण निर्णय माना जा रहा है, जिसके दूरगामी प्रशासनिक प्रभाव पड़ सकते हैं।

विभाष ठाकुर की पदस्थापना

पर भी संशय

बताया जा रहा है कि 1990 बैच के पीसीसीएफ विभाष ठाकुर की वर्तमान पदस्थापना में भी बदलाव किया जा सकता है। वे वर्तमान में पीसीसीएफ अनुसंधान एवं विस्तार में पदस्थ हैं।अगर सेन को हॉफ बनाया जाता है तो विभाष ठाकुर को पीसीसीएफ अनुसंधान एवं विस्तार पद से हटाना पड़ेगा। यानि वरिष्ठता के कारण उन्हें लघु वनोपज संघ या वन विकास निगम में प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने की संभावना है। विभाग में ये दोनों ही पद प्रतिनियुक्ति के हैं।

टीम नबीन में युवा और महिला चेहरों को वरीयता

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में दिखेंगे मप्र के कई चेहरे

भोपाल। भाजपा संगठन की राष्ट्रीय टीम में मध्य प्रदेश के कई चेहरे दिखाई दे सकते हैं। प्रदेश संगठन ने राज्य के ऐसे 15 नेताओं के नाम केंद्रीय नेतृत्व को भेजे हैं, जो अलग-अलग अंचलों से हैं और अभी सत्ता या संगठन के किसी पद पर नहीं हैं। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम का गठन होना है और अन्य मोर्चे भी गठित किए जाने हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने इस बारे में प्रदेश संगठन से सुझाव मांगे थे।

वर्तमान में मध्य प्रदेश से सत्यनारायण जटिया (संसदीय बोर्ड सदस्य), ओम प्रकाश धुर्वे (राष्ट्रीय सचिव) और लाल सिंह आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष, एससी मोर्चा) जैसे नेता राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पार्टी 2029 के लोकसभा चुनाव और संगठन की मजबूती को ध्यान में रखकर अनुभवी नेताओं के साथ-साथ युवा और महिला चेहरों को भी वरीयता देना चाहती है। पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम में मध्य प्रदेश से कैलाश विजयवर्गीय सहित चार नेताओं को स्थान मिला था। उस दौरान कैलाश विजयवर्गीय राष्ट्रीय महासचिव थे। बाद में वर्ष 2023 में वह राज्य में मंत्री बना दिए गए। पार्टी नेताओं का मानना है कि चूंकि पूर्व में राष्ट्रीय संगठन में एक ही समय में मध्य प्रदेश से दो-दो महासचिव थावरचंद गहलोत और नरेंद्र सिंह तोमर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि नितिन नवीन की टीम में भी मध्य प्रदेश का प्रभाव बढ़ सकता है।

इस बार भी चार से पांच नेताओं को स्थान मिलने की संभावना

इस बार भी चार से पांच नेताओं को नितिन नवीन की टीम में स्थान मिलने की संभावना है। इसमें एक या दो महिलाएं भी हो सकती हैं। इसके साथ ही युवा नेताओं को भी अवसर मिल सकता है। बाकी अन्य को मोर्चा- प्रकोष्ठ में शामिल किया जा सकता है। दरअसल, मध्य प्रदेश हमेशा से ही भाजपा के लिए एक प्रयोगशाला की तरह रहा है। हिंदू महासभा हो या जनसंघ, दोनों की जड़ें मध्य प्रदेश में मजबूत रही हैं। यही कारण है कि भाजपा यहां लंबे समय से सत्ता में है। संगठन की मजबूती की दूसरी वजह यहां के कुशल संगठनकर्ता भी माने जा सकते हैं। जिनकी वजह से राष्ट्रीय संगठन के स्तर पर भी यहां के भाजपा कार्यकर्ताओं का दबदबा रहा है।

कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़ाकर बनाया जायेगा लाभकारी व्यवसाय -मुख्यमंत्री

म.प्र.को देश के कृषि पॉवर-हाउस के रूप में किया स्थापित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने पिछले दशक में कृषि क्षेत्र में 16 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक विकास दर हासिल कर स्वयं को देश के कृषि पॉवर-हाउस के रूप में स्थापित किया है। फसल उत्पादन, उत्पादकता, दुग्ध और मत्स्य पालन में हुई। इस अभूतपूर्व प्रगति के बाद अब राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़ाकर एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में परिवर्तित करना है। इस संकल्प के केंद्र में कृषि के उत्पादन और उत्पादकता को तकनीक के माध्यम से बढ़ाते हुए, मार्केटिंग और प्रोसेसिंग से जोड़ना है। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लिए वर्ष-2026 कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि और किसानों पर केन्द्रित पूरे वर्ष संचालित होने वाली गतिविधियों से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के इस संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सरकार कृषि अनुसंधान और मौसम आधारित जोखिम प्रबंधन को एक नई दिशा देने जा रही है। इस संकल्प के अंतर्गत राज्य की विशिष्ट फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करते हुए उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए महत्वपूर्ण अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जा रही है, इसी क्रम में डिंडौरी में स्थापित होने जा रहे मध्यप्रदेश राज्य श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र के माध्यम से मिलेट्स के उत्पादन एवं पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा। इसी कड़ी में, ग्वालियर में सरसों अनुसंधान केंद्र और उज्जैन में चना अनुसंधान केंद्र की स्थापना कर इन प्रमुख फसलों की गुणवत्ता और पैदावार को बढ़ाने पर विशेष बल दिया जायेगा।

विदेश अध्ययन भ्रमण योजना

कृषि क्षेत्र में वैश्विक नवाचारों को आत्मसात करने के लिए किसानों और अधिकारियों के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण योजना को पुन: प्रारंभ किया जा रहा है, जिससे विश्व की उन्नत तकनीकों को स्थानीय स्तर पर लागू किया जा सके। इसके साथ ही, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए ग्रीष्मकालीन मूंगफली की खेती के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जो किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त और मजबूत स्रोत बनेगी।

खेती की मौसम पर निर्भरता और उससे जुड़ी अनिश्चितताओं को कम करने के लिए सरकार तकनीक-आधारित जोखिम प्रबंधन पर विशेष निवेश कर रही है। इसके तहत पूरे प्रदेश में विंडस (वेदर इनफार्मेशन नेटवर्क डाटा सिस्टम) विकसित किया जा रहा है, जो किसानों को सटीक मौसम पूर्वानुमान और तात्कालिक कृषि सलाह (एग्री-एडवाइजरी) सीधे उनके मोबाइल पर उपलब्ध कराएगा। यह प्रणाली न केवल प्राकृतिक आपदाओं से फसल को बचाने में मदद करेगी, बल्कि बुवाई और कटाई के समय को वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगी।

किसानों को दिया जायेगा पूर्ण सुरक्षा कवच

किसानों को पूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से अब मौसम आधारित बीमा योजना का दायरा बढ़ाकर उसमें उद्यानिकी फसलों को भी शामिल किया जा रहा है। अनुसंधान, विविधीकरण और डिजिटल वेदर मैनेजमेंट का यह एकीकृत संगम न केवल कृषि को जोखिम मुक्त बनाएगा, बल्कि समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश के संकल्प को वास्तविकता में बदलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता के नए सोपान पर खड़ा करेगा।

10-दिशात्मक रणनीति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 को प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने व्यापक 10-दिशात्मक रणनीति तैयार की है। इसके प्रथम आयाम के तहत श्री-अन्न (मिलेट्स), चना और सरसों जैसी फसलों पर गहन शोध और उर्वरकों के अग्रिम भंडारण पर जोर दिया गया है। साथ ही तिलहन भावान्तर व्यापीकरण, उड़द/मूंगफली, गन्ना क्षेत्र विस्तारण, ई-विकास व्यापीकरण, उर्वरक अग्रिम भंडारण, पराली से उर्जा प्रबंधन इत्यादि कार्य सम्मिलित हैं।

द्वितीय आयाम फसल विविधीकरण और प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन (मूल्य स्थिरीकरण) पर केंद्रित है, जिससे आलू-प्याज-टमाटर जैसी फसलों के दाम गिरने पर भी किसान आर्थिक रूप से सुरक्षित रहें।

तृतीय आयाम पूरी तरह से प्राकृतिक मध्यप्रदेश मिशन को समर्पित है, जहाँ रसायन मुक्त खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा।

आईएएस-आईपीएस की तरह आमजन को मिलें स्वास्थ्य सेवाएं

मप्र में 48 प्रतिशत लोग आयुष्मान योजना से वंचित,कांग्रेस की मांग..

भोपाल। आम जनता के लिए निःशुल्क और गुणवत्तावूर्ण इलाज को लेकर कांग्रेस ने अलग मांग रखी है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जनता को आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की तरह स्वास्थ्य सेवाएं मिलना चाहिए और उनका फ्री में इलाज होना चाहिए। कांग्रेस ने मांग रखी है कि प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 15 लाख तक निःशुल्क इलाज और गंभीर बीमारियों के मामले में 25 लाख तक का कवरेज मिलना चाहिए है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ। सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा किसी वर्ग विशेष का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान में लागू आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रु की सीमा गंभीर बीमारियों और महंगे इलाज के सामने अपर्याप्त साबित हो रही है। साथ ही पात्रता की शर्तों के कारण लगभग 48 प्रतिशत परिवार इस योजना से वंचित हैं।

गंभीर बीमारियों के लिए बढ़ी हुई सीमा

विधेयक में किडनी ट्रांसप्लांट, लिवर ट्रांसप्लांट, कैंसर और अन्य जटिल सर्जरी के लिए कवरेज बढ़ाकर 25 लाख रु करने की मांग की गई है। डॉ. सिंह ने कहा कि जब 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को बिना आय बंधन आयुष्मान योजना में शामिल किया जा सकता है, तो अन्य नागरिकों को सार्वभौम इलाज का अधिकार क्यों नहीं दिया जा सकता। इससे पहले उन्होंने कहा कि आईएएस और आईपीएस अधिकारियों व उनके आश्रितों को सेवाकाल और सेवानिवृत्ति के बाद भी शत-प्रतिशत निःशुल्क इलाज मिलता है। यदि प्रशासनिक अधिकारियों को यह सुविधा मिल सकती है, तो आम जनता को इससे वंचित रखना न्यायसंगत नहीं है। डॉ. सिंह ने अनुमान जताया कि योजना पर प्रतिवर्ष करीब 19 से 28 हजार करोड़ का व्यय आ सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय बीमा कंपनियों की भागीदारी से इसे संचालित किया जाए और आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाए। आवश्यकता पडने पर जनहित में ॠण लेकर भी इसे लागू करने का आग्रह किया।

सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला

कोलकाता । टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है।

मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6ः30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25ङ्क26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

दोनों टीमों का स्क्वाड

भारत- अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज - ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में विल जैक्स का दबदबा, शेन वॉटसन के रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। विल जैक्स इंग्लैंड टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे हैं। गेंद और बल्ले दोनों से उनका प्रभाव इतना जबरदस्त रहा है कि सात मैचों में से चार बार वे टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालकर जीत दिला चुके हैं। यही वजह है कि सात में से छह मैच जीतने वाली इंग्लैंड टीम में सबसे चमकदार प्रदर्शन जैक्स का ही रहा और इन चार मैचों में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इसी के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वाटसन के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

टी20 वर्ल्ड कप 2012 में वॉटसन ने एक ही एडिशन में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता था, उसी उपलब्धि को 2026 में जैक्स ने दोहराया है। उनसे पहले 2022 विश्व कप में सिकंदर रजा तीन बार यह पुरस्कार जीत चुके थे। जैक्स के लिए अब इतिहास रचने का मौका तैयार है यदि वे सेमीफाइनल या संभावित फाइनल में एक और बार यह अवॉर्ड जीत लेते हैं, तो वे टी20 वर्ल्ड कप के किसी भी एक संस्करण में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

एक टी20 वर्ल्ड कप एडिशन में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

4 - शेन वॉटसन (2012)
4 - विल जैक्स (2026*)
3 - सिकंदर रजा (2022)

विल जैक्स की चमक का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने ग्रुप फेज में नेपाल के खिलाफ, फिर इटली के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सुपर-8 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ भी अद्भुत खेल दिखाया और सबसे ताजा धमाका न्यजीलैंड के विरुद्ध किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में जैक्स ने पहले 4 ओवर में केवल 23 रन देकर 2 विकेट चटकाए। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने मात्र 18 गेंदों में 32 रन ठोककर मैच इंग्लैंड की झोली में डाल दिया। किसी मैच में गेंदबाजी, किसी में बल्लेबाजी और कई बार दोनों में धाक जमाकर वे इंग्लैंड के लिए सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बनते जा रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका की जीत की लय पर जिम्बाब्वे की चुनौती

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्क्रम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे ऊंचा है। मार्कराम के पास बाबर आजम (303 रन, 2021) के रिकॉर्ड को तोड़कर एक वर्ल्ड कप संस्करण में कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का मौका भी है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी स्पिन के खिलाफ सबसे प्रभावी रही है, जहां टीम ने 9.9 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को छोड़कर लगभग सभी बल्लेबाज 140+ के स्ट्राइक रेट पर खेल रहे हैं। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन शानदार है। तेज गेंदबाज 37 विकेट चटका चुके हैं, जो इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक हैं। लुंगी एंगीडी 11 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 अंतरराष्टीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। मार्को जानसेन के नाम भी 11 विकेट हैं, जबकि कगिसो रबाडा ने शुरुआती मैचों के बाद जोरदार वापसी की है। जिम्बाब्वे की टीम भले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके अभियान में कई यादगार पल शामिल रहे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर उन्होंने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, हालांकि सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार से टीम की रफ्तार टूट गई। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। वे अभी तक पांच पारियों में 277 रन बना चुके हैं और केवल एक बार आउट हुए हैं। उन्हें इस वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाले विराट कोहली (319 रन) के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 43 रन की जरूरत है।

नई दिल्ली की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। यहां खेले गए पांच में से चार मैच दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका 7-1 से आगे है, जिससे वह इस मैच में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार दिखाई देता है। अब देखना यह होगा कि दक्षिण अफ्रीका अपनी जीत की लय बरकरार रखता है या जिम्बाब्वे आखिरी मुकाबले में बड़ा उलटफेर करता है।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' - अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर-मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया।

इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना। अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं।

मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच-विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।卐 भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर-8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

उन्होंने कहा, 卐मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं,

टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा की दमदार वापसी, आलोचकों को करारा जवाब

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप में भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की फॉर्म को लेकर छिड़ी बहस अब एक दिलचस्प मोड़ ले चुकी है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के एक वायरल वीडियो ने विवाद शुरू किया था, जिसमें उन्होंने अभिषेक को 'स्लॉगर' यानी लप्पेबाज करार दिया था। आमिर का मानना था कि अभिषेक के खेल में रक्षात्मक तकनीक की कमी है और वह अधिकतर गेंदों पर बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। हालांकि, यह आलोचना लंबे समय तक टिक नहीं पाई। जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ 30 गेंदों में 55 रनों की आतिशी पारी खेलकर अभिषेक ने शानदार तरीके से फॉर्म में वापसी की और सभी आलोचकों को मज़बूत जवाब दिया।

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब शो 'ऐश की बात' में आमिर की टिप्पणियों पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि अभिषेक को स्लॉगर कहना बिल्कुल गलत है। अश्विन के अनुसार, भ्रम केवल इसलिए पैदा होता है क्योंकि अभिषेक गेंद को जब हिट करते हैं, तो वह बहुत दूर जाती है, जिससे लोग उन्हें 'लप्पेबाज' समझ लेते हैं। अश्विन ने स्पष्ट किया कि अभिषेक की एकमात्र कमी यह रही है कि वह हर गेंद पर आक्रामक इरादा दिखाने की कोशिश करते हैं, जो कभी-कभी उनके खिलाफ काम करता है।

अश्विन ने अभिषेक के खेल का तकनीकी विश्लेषण करते हुए उनकी तुलना भारत के पूर्व महान ऑलराउंडर युवराज सिंह से की। उन्होंने कहा कि अभिषेक का बैट स्विंग दुनिया के बेहतरीन स्विंग्स में से एक है और यह उनके मेंटर युवराज सिंह से भी अधिक प्रभावशाली नजर आता है। अश्विन के अनुसार, शॉट खेलते समय अभिषेक के बल्ले का ऊपरी हिस्सा सीधे आसमान की ओर रहता है, जो एक आदर्श बैट स्विंग का संकेत है। इसके अलावा उन्हें अतिरिक्त ताकत लगाने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि उनकी असली ताकत उनकी शानदार टाइमिंग है।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की चोट से बाहर

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की एक खबर के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की ऑल-फॉर्मेट कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की चोट की वजह से भारत के खिलाफ जारी बहु-प्रारूप सीरीज से बाहर हो गई हैं। होबार्ट में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान उन्हें पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द महसूस हुआ, जिसके चलते वह मैदान पर नहीं उतर सकीं। इससे पहले वह ब्रिस्बेन में हुए पहले मुकाबले में उतरी थीं और पाँच ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लेने में सफल रही थीं। उनकी यह चोट टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उनकी भागीदारी भी अब संदिग्ध हो गई है। बोर्ड का कहना है कि आगामी मुकाबलों से पहले उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जाएगी। मोलिनक्स को पिछले महीने ही ऑस्ट्रेलिया की ऑल-फॉर्मेट कप्तान नियुक्त किया गया था। उन्होंने एलिसा हैली की जगह टीम की कमान संभाली थी, जो भारत दौरे के अंत में अंतरराष्टीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली हैं।

फाफ डु प्लेसिस ने किया 2026 विश्व कप फाइनल का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को अब भी बरकरार रखा है। सुपर-8 चरण में साउथ अफ्रीका से पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया पर उठ रहे सवाल अब इस जीत के साथ तारीफों में बदल गए हैं। अगर भारत अपने अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज को मात दे देता है, तो उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। वहीं, ग्रुप की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका लगातार दो जीत के साथ और जिम्बाब्वे की दो हार के चलते पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है।

इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बात करते हुए भविष्यवाणी की कि टी-20 विश्व कप 2026 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाफ ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है और अपनी सरज़मीन पर कभी कमजोर नहीं पड़ती।' उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका फाइनल जीतकर पहली बार विश्व चैंपियन बनेगा। फाफ ने मज़ाकिया अंदाज में यह भी कहा कि फाइनल में डेविड मिलर बिलकुल वैसा ही कैच लेंगे जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में लिया था। हालांकि उनकी यह बात हंसी-मजाक में कही गई, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि भारत और दक्षिण अफ्रीका का दोबारा फाइनल में भिड़ना पूरी तरह संभव है।

सुपर-8 के ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका और ग्रुप-2 से इंग्लैड की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। भारत और न्यूजीलैंड की संभावनाएं सबसे अधिक दिख रही हैं, लेकिन वेस्टइंडीज भी समीकरणों में अब तक बने हुए हैं। यदि भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही ग्रुप-1 से अंतिम चार में पहुंचते हैं, तो उन्हें इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की चुनौती पार कर फाइनल में जगह बनानी होगी, जो आसान नहीं होगा। फिर भी, फाफ डु प्लेसिस अपने प्रिडिक्शन पर अडिग हैं कि 2026 का फाइनल पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच ही खेला जाएगा। यदि ऐसा होता है, तो दक्षिण अफ्रीका को पुराना हिसाब चुकता करने का मौका मिलेगा, जबकि टीम इंडिया तीसरी बार टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी ने रखी पाकिस्तान की उम्मीदें जीवित

कोलंबो। टी20 विश्व कप सुपर-8 के रोमांचक मुकाबले में शुक्रवार को इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर न सिर्फ टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत की, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी नया जीवन दे दिया। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड की जीत पूरी तरह उस समय पक्की हुई, जब टीम मुश्किल हालात से उभरते हुए लक्ष्य का पीछा करने में सफल रही। पाकिस्तान के लिए यह मैच बेहद अहम था, क्योंकि केवल इंग्लैंड की जीत ही उसे अगले दौर की राह दिखा सकती थी। इंग्लैंड ने यह जिम्मेदारी निभाते हुए पाकिस्तान और उसके करोड़ों फैंस को खुशी का बड़ा कारण दे दिया।

इस मुकाबले में इंग्लैंड की जीत के नायक बने पाकिस्तानी मूल के युवा खिलाड़ी रेहान अहमद, जिन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अहम योगदान दिया। इंग्लैंड को जीत के लिए जहां 19 गेंदों पर 43 रन की जरूरत थी, वहीं रेहान आठवें नंबर पर क्रीज पर उतरे। उस समय क्रीज पर सेट बल्लेबाज विल जैक्स मौजूद थे, और उम्मीद थी कि रेहान केवल उनका साथ निभाएंगे। लेकिन रेहान ने आते ही खेल का रुख बदल दिया। उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों पर हमला बोलते हुए मात्र 7 गेंदों में 2 छक्के और 1 चौके की मदद से नाबाद 19 रन ठोक दिए, जिससे इंग्लैंड ने लक्ष्य 3 गेंद पहले ही हासिल कर लिया। उनकी यह पारी मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई। बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी में भी रेहान अहमद चमके। उन्होंने अपने 3 ओवर में 28 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को दबाव में रखा। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड की जीत को आसान बनाया और पाकिस्तान के सेमीफाइनल की उम्मीदों को मजबूती दी।

21 वर्षीय रेहान अहमद का जन्म इंग्लैंड में हुआ है, लेकिन उनकी जड़ें पाकिस्तान से जुड़ी हैं। उनके पिता नईम अहमद का जन्म पाकिस्तान के मीरपुर में हुआ था, जो 2001 में परिवार की बेहतर जिंदगी के लिए इंग्लैंड आ गए थे। नईम स्वयं भी क्रिकेटर रह चुके हैं और पहले टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करने वाले इस परिवार ने इंग्लैंड में खुद को स्थापित किया है। रेहान 2022 में अंतरराष्टीय क्रिकेट में कदम रख चुके हैं और अब तक इंग्लैंड के लिए 5 टेस्ट, 9 वनडे और 13 टी20 मैच खेल चुके हैं। इंग्लैंड की इस जीत ने जहां उनकी सेमीफाइनल उम्मीदों को बढ़ाया, वहीं पाकिस्तान को भी टूर्नामेंट में बने रहने की नई उम्मीद दी है।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड, तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं। एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्टीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैंः

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

समयः मैच सुबह 9.20 बजे शुरू होगा।

'21वीं सदी का रेगुलेटर माइक्रोचिप, भारत बनेगा वैश्विक सेमीकंडक्टर हब' - पीएम मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर एटीएमपी (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फसिलिटी का शुभारंभ करते हुए कहा कि 20वीं सदी का रेगुलेटर तेल था, जबकि 21वीं सदी का रेगुलेटर माइक्रोचिप होगा। उन्होंने कहा कि यह एआई रिवोल्यूशन की सदी है और भारत आज विश्व में एक सक्षम, प्रतिस्पर्धी और भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है।

करीब रु. 22,516 करोड़ की इस परियोजना के साथ गुजरात देश के 'सेमीकंडक्टर हब' के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो भारत अब तक सॉफ्टवेयर के लिए जाना जाता था, वह अब हार्डवेयर सेक्टर में भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। भारत तेजी से वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय सूचना-प्रसारण एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान माइक्रोन टेक्नोलॉजी द्वारा डेल टेक्नोलॉजीज के पहले 'मेड इन इंडिया' कमर्शियल शिपमेंट को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में सौंपा गया।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जून 2023 में इस परियोजना के लिए एमओयू हुआ, सितंबर में भूमि पूजन किया गया और फरवरी 2026 में कमर्शियल प्रोडक्शन भी शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि विकसित देशों में जहां ऐसी प्रक्रियाओं में वर्षों लग जाते हैं, वहीं भारत ने यह उपलब्धि मात्र 900 दिनों में हासिल कर दिखाई है।

उन्होंने सेमीकंडक्टर को इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन और एआई रिवोल्यूशन के बीच सबसे बड़ा सेतु बताते हुए कहा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' के जरिए देश पूरी वैल्यू चेन—डिजाइन इंजीनियर से लेकर मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स—पर फोकस कर रहा है। अब तक सेमीकनि इंडिया कार्यक्रम के तहत 10 बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है।

साणंद से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी यहां साइकिल से घूमते थे और एक एसएमएस के माध्यम से रतन टाटा के प्लांट के साथ ऑटोमोबाइल क्रांति की शुरुआत हुई थी। आज वही साणंद वैश्विक मानचित्र पर सेमीकंडक्टर हब के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने प्लांट के 'क्लीन रूम स्पेस' और जल संरक्षण व रीसाइक्लिंग व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रगति और पर्यावरण के संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने वैश्विक निवेशकों को आश्वस्त किया कि भारत सरकार और राज्य सरकारें उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां इस दशक को भारत के टेक-फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट के रूप में याद करेंगी।

114 साल पुरानी कदीमी मस्जिद को लेकर क्यों चिंतित दिखा रहा वक्फ बोर्ड....आधिकारिक सूचना नहीं

केंद्र पहले ही कह चुका किसी भी मस्जिद को नहीं हटाया जाएगा

नई दिल्ली। संसद भवन से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर कृषि भवन परिसर में स्थित 114 साल पुरानी कदीमी मस्जिद को लेकर फिर विवाद खड़ा हो गया है। यह मस्जिद राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक फैले तीन किलोमीटर लंबे सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट क्षेत्र में अर्तगत आती है, जिसके पुनर्विकास कार्य जारी हैं।

कदीमी मस्जिद वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज है। हाई सुरक्षा जोन में होने के कारण आम लोगों की आवाजाही यहां प्रतिबंधित है और मुख्यत: सरकारी कर्मचारी ही यहां नमाज अदा करते हैं। मस्जिद के संभावित हटाए जाने की आशंकाओं के बीच केंद्र पहले यह स्पष्ट कर चुकी है कि सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत किसी भी मस्जिद को नहीं हटाया जाएगा। हालांकि वक्फ बोर्ड से जुड़े कुछ लोग आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं। वक्फ बोर्ड की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मशरूर खान का कहना है कि अब तक मस्जिद को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, लेकिन पूर्व में तीन मजारों और एक मस्जिद को हटाए जाने की घटनाओं के चलते आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कदीमी मस्जिद के दस्तावेज जुटा रहे हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर अदालत का रुख कर सकें।

वकील खान के अनुसार, 1912 में ब्रिटिश आर्किटेक्ट एडविन लुटियन द्वारा तैयार किए गए दिल्ली के नक्शे में भी मस्जिद का उल्लेख मिलता है। उनका दावा है कि जब लुटियन दिल्ली का डिजाइन बना रहे थे, तब यह मस्जिद पहले से मौजूद थी और उन्होंने इस बिना छेड़े शहरी योजना तैयार की थी। वक्फ पक्ष का कहना है कि मस्जिद के हेरिटेज होने के सबूतों में 1912 का नक्शा, वक्फ बोर्ड का रिकॉर्ड, ऐतिहासिक पुस्तकों में उल्लेख और 1970 का गजट नोटिफिकेशन शामिल हैं। गजट नोटिफिकेशन सरकारी दस्तावेज होता है, जो वक्फ संपत्तियों के सर्वे के बाद जारी किया जाता है। इससे पहले उद्योग भवन क्षेत्र के गोलचक्कर पर स्थित तीन मजारों को हटाए जाने का भी जिक्र किया जा रहा है, जिससे चिंता और बढ़ी है। फिलहाल सरकार की ओर से कदीमी मस्जिद को हटाने संबंधी कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में स्थिति स्पष्ट होने तक यह मुद्दा कानूनी और सामाजिक चर्चा का विषय बना हुआ है।

क्या विधायकी छोड़ राज्यसभा जाएंगे तेजस्वी ! सियासी गलियारों में अटकलें तेज

उम्मीदवार खड़ा करने को लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने बुलाई अहम बैठक

पटना। बिहार के नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के राज्यसभा जाने की चर्चा तेज हो गई है। सियासी गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि तेजस्वी खुद विपक्ष के राज्यसभा उम्मीदवार हो सकते हैं। हालांकि, इस बारे में आरजेडी की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है।

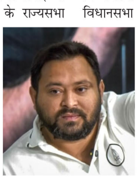

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करने के लिए आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने रविवार को एक बैठक बुलाई है। आरजेडी के केंद्रीय संसदीय बोर्ड और राज्य संसदीय बोर्ड की बैठक रविवार को पूर्व सीएम राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर होगी। इस बैठक की अध्यक्षता लालू प्रसाद यादव करेंगे। इसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पार्टी के सभी सांसद, विधायक, एमएलसी और वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। रविवार शाम 7 बजे होने वाली बैठक में आगामी राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवार चयन पर मंथन किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले शनिवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के राज्यसभा चुनाव लड़ने की चर्चा तेज रही। हालांकि पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने इससे साफ इनकार किया। कोई भी नेता इस दावे की पुष्टि नहीं कर सके। चर्चाओं में कहा जा रहा है कि तेजस्वी यादव राज्यसभा जा सकते हैं। उनकी विधानसभा सीट राघोपुर से परिवार के किसी अन्य सदस्य को उपचुनाव में लड़ाया जा सकता है। हालांकि, रविवार को आरजेडी की बैठक के बाद ही इस पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। बिहार की पांच राज्यसभा सीटें रिक्त होने जा रही हैं, जिन पर चुनाव की घोषणा हो चुकी है। जो सीटें खाली हो रही हैं उन पर वर्तमान में एनडीए के 3 और आरजेडी के दो सांसद हैं।

विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के मुताबिक एनडीए की चार सीटों पर जीत पक्की मानी जा रही है। हालांकि, पांचवीं सीट पर जीत के लिए ना तो एनडीए के पास पर्याप्त विधायक हैं और ना ही विपक्षी दलों के महागठबंधन के पास नंबर हैं। अगर आरजेडी या विपक्ष की ओर से राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारा जाता है तो क्रॉस वोटिंग हो सकती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पहले ही राज्यसभा में विपक्ष से प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर चुके हैं। अब लालू यादव ने उम्मीदवार चयन के लिए पार्टी की बैठक बुलाई है। इससे साफ है कि महागठबंधन एनडीए के खिलाफ प्रत्याशी उतारने के पूरे मूड में है। बिहार विधानसभा में अभी आरजेडी के 25 समेत महागठबंधन के कुल 35 विधायक ही हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए कम से कम 41 विधायकों का समर्थन चाहिए। ऐसी स्थिति में लालू-तेजस्वी को अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के 5 और मायावती की बसपा के एक विधायक का समर्थन चाहिए।

हालांकि, ओवैसी की पार्टी ने खुद अपना प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर आरजेडी से समर्थन मांगा था। शुक्रवार को पटना में तेजस्वी यादव और एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान की सीक्रेट मीटिंग होने की भी बात सामने आई। इसमें दोनों दलों के बीच फिलहाल कोई समझौता नहीं हो पाया है।

बता दें बिहार की 5 समेत देश भर की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो गई है। नामांकन का आखिरी दिन 5 मार्च है। 9 मार्च तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। अगर 5 से ज्यादा उम्मीदवार हुए तो 16 मार्च को मतदान होगा। उसी दिन रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से डाट खाकर एनसीईआरटी ने कहा... विवादित पुस्तक की सभी प्रतियां तुरंत जमा कराए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक एक्सप्लोरिंग सोसाइटी- इंडिया एंड बियॉन्ड 2 को लेकर एडवाइजरी जारी की है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुस्तक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बाद उठाया गया। एनसीईआरटी ने निर्देश दिया है कि जिन व्यक्तियों, स्कूलों या संगठनों के पास यह पुस्तक उपलब्ध है, वे उसकी सभी प्रतियां तुरंत एनसीईआरटी मुख्यालय में जमा कराएं।

दरअसल एनसीईआरटी की विवाद पुस्तक के अध्याय 'भारतीय समाज और लोकतंत्र में न्यायपालिका' को लेकर है, इसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, मामलों के लंबित रहने और जजों की कमी जैसी चुनौतियों का उल्लेख किया गया था। इस किताब के प्रकाशन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इन टिप्पणियों को ऽआपत्तिजनकऽ बताकर कहा कि इससे न्यायपालिका की छवि प्रभावित होती है। शीर्ष अदालत ने पुस्तक के प्रिंट और डिजिटल दोनों संस्करणों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी।

एनसीईआरटी ने अपनी एडवाइजरी में स्पष्ट किया है कि यदि इस अध्याय से संबंधित कोई सामग्री सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा की गई है, तब उस सामग्री को तुरंत हटाया जाए। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पत्र लिखकर निर्देश दिया था कि अदालत के आदेश के बाद पुस्तक के किसी भी रूप में प्रसार को रोका जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने चार प्रमुख निर्देश जारी किए। पहला, केंद्र और राज्यों के शिक्षा विभाग सुनिश्चित करें कि पुस्तक की सभी प्रतियां—चाहे स्कूलों में हों, छपी हों या डिजिटल रूप में—तुरंत लोगों की पहुंच से हटाई जाएं। दूसरा, पुस्तक का वितरण अदालत के आदेश का उल्लंघन माना जाएगा। तीसरा, सभी राज्यों के मुख्य सचिव दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करें। चौथा, जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अदालत एक समिति गठित करेगी, जो पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करेगी। एनसीईआरटी ने ऽअनुचित सामग्रीऽ के लिए खेद जताते हुए कहा है कि संबंधित अधिकारियों से परामर्श लेकर पुस्तक को संशोधित किया जाएगा।

चक्कर खाकर गिरे पलामू सांसद

पलामू। पलामू सांसद बीडी राम की तबीयत शनिवार को मेदिनीनगर में भाजपा समर्थित मेयर अरुणा शंकर के विजय जुलूस के दौरान अचानक बिगड़ गई। वे खुले वाहन में शहर का भ्रमण करते हुए चक्कर खाकर गिर पड़े, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। सांसद बीडी राम खुली गाड़ी में अपनी बेटी स्मिता, विधायक आलोक चौरसिया और मेयर अरुणा शंकर के साथ विजय जुलूस में शामिल थे। यह जुलूस दोपहर करीब 12 बजे मेयर आवास से बाजे-गाजे के साथ निकला था, जो नावाटोली से सदीक मंजिल चौक होते हुए मुख्य बाजार पहुंचा। जुलूस जब धर्मशाला रोड पहुंचा, तो सांसद गाड़ी में ही चक्कर खाकर गिर पड़े। इस घटना से कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई।

राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस नेताओं को दी कड़ी चेतावनी

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस नेताओं को कड़ी चेतावनी देते हुए राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि सभी नेता टीम प्लेयर की तरह काम करें, वरना जो लाइन में नहीं आएगा उसे रिजर्व खिलाड़ी बना दिया जाएगा। राहुल गांधी पंजाब के बरनाला में एक रैली को संबोधित करने पहुंचे थे, जहां मंच पर बैठे कांग्रेस नेताओं को उन्होंने यह सख्त संदेश दिया।

2027 के चुनावों की तैयारी के बीच राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस नेतृत्व को संबोधित करते हुए कहा कि मैं यहां बैठे कांग्रेस नेतृत्व को संदेश देना चाहता हूं।

देश में जल्द बनेगा नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड

-गिग वर्कर्स को कर्मचारी का दर्जा मिलेगा; हेल्थ इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के लेबर मिनिस्टर आकाश फुंडकर ने विधानसभा में जानकारी दी है कि केंद्र सरकार जल्द ही गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड का गठन करने जा रही है। इस बोर्ड के जरिए डिलीवरी पार्टनर्स और फ्रीलांसर्स को हेल्थ केयर, इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। अब तक इन वर्कर्स को केवल बिजनेस पार्टनर माना जाता था, लेकिन नए कोड के तहत उन्हें पहली बार औपचारिक वर्कर का दर्जा दिया गया है।

मंत्री आकाश फुंडकर ने प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हेमंत ओगले और बीजेपी के अतुल भातखलकर के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू कर दिया है। यह कोड नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुका है। इसमें पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की स्थिति को बताया गया है। अब तक इन्हें केवल डिलीवरी-बेस्ड पेमेंट पर काम करने वाले इंडिपेंडेंट कॉन्ट्रैक्टर के रूप में देखा जाता था।

राजस्थान और कर्नाटक के कानून हो जाएंगे खत्म

फुंडकर ने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड के अस्तित्व में आते ही राज्यों के अपने कानून लैप्स (समाप्त) हो जाएंगे। फिलहाल राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों ने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए अपने स्तर पर कानून बनाए हैं। केंद्र के निर्देशानुसार, अब सभी राज्यों को केंद्रीय सोशल सिक्योरिटी कोड के प्रावधानों का ही पालन करना होगा।

किसानों को सब्सिडी पर मिलेंगे 7.5 एचपी के ही सोलर पंप

90 प्रतिशत अनुदान पर 10 एचपी का सोलर पंप देने की हो रही तैयारी

भोपाल। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत प्रदेश के किसानों को सब्सिडी पर फिलहाल 7.5 एचपी क्षमता के सोलर पंप ही मिलेंगे। 10 एचपी सोलर पंप कनेक्शन को लेकर सरकार की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। इस संबंध में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला का कहना है कि मुख्यमंत्री से इस विषय पर अलग-अलग चरणों में चर्चा चल रही है।

बता दें कि 28 जून 2025 को भिंड के दंदरौआधाम में आयोजित किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना पोर्टल का शुभारंभ करते हुए किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर 10 एचपी का सोलर पंप देने की घोषणा की थी। लेकिन अब तक प्रदेश में 10 एचपी पंप कनेक्शन को लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए हैं। प्रदेश में 60 हजार से अधिक और भिंड जिले में करीब 350 किसानों ने 10 एचपी सोलर पंप के लिए आवेदन किया था। बाद में योजना के पोर्टल से 10 एचपी का विकल्प हटा दिया गया। इसके पश्चात सरकार ने प्रदेशभर में 7.5 एचपी सोलर पंप के लिए टेंडर जारी कर दिए। टेंडर जारी होने के बाद निजी कंपनियों ने उन किसानों से संपर्क करना शुरू कर दिया, जिन्होंने 10 एचपी पंप के लिए आवेदन किया था। किसानों से कहा गया कि फिलहाल सरकार केवल 7.5 एचपी का सोलर पंप उपलब्ध करा रही है, इसलिए वे अपना आवेदन 10 एचपी से 7.5 एचपी में कनवर्ट करा लें। बताया जा रहा है कि लगभग 200 किसानों ने अपना आवेदन परिवर्तित करा लिया है, जबकि शेष किसान अब भी 10 एचपी कनेक्शन की प्रतीक्षा में हैं।

7.5 एचपी और 10 एचपी में अंतर

10 एचपी के सोलर पंप पर लगभग छह लाख रुपये तक का खर्च आता है, जिसमें से अनुदान के बाद किसान को लगभग 58 से 60 हजार रुपये का अंशदान करना होता था। वहीं 7.5 एचपी पंप पर सरकार का वित्तीय भार अपेक्षाकृत कम आता है। किसानों के अनुसार 10 एचपी पंप में पानी का प्रेशर बेहतर मिलता है, जिससे सिंचाई में सुविधा रहती है। जबकि 7.5 एचपी पंप में पानी का दबाव अपेक्षाकृत कम रहता है, जिससे बड़े रकबे की सिंचाई प्रभावित हो सकती है।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा

बालाघाट एक्सप्रेस, बालाघाट (म.प्र.)

(फार्म नं. 4)

1. प्रकाशन का स्थान - काली पुतली चौक, बालाघाट (म.प्र.)
2. प्रकाशन की अवधि - दैनिक
3. मुद्रक का नाम - उमेश बागरेचा
   - नागरिकता - भारतीय
   - निवास - वार्ड नं. 9 गुजरी चौक, बालाघाट
4. प्रकाशक - उमेश बागरेचा
   - नागरिकता - भारतीय
   - निवास स्थान - वार्ड नं. 9 गुजरी चौक, बालाघाट
5. सम्पादक - उमेश बागरेचा
   - नागरिकता - भारतीय
   - निवास स्थान - वार्ड नं. 9 गुजरी चौक, बालाघाट
6. पत्र का स्वामित्व, भागीदार अथवा 1 प्रतिशत से अधिक पूंजी वाले हिस्सेदार - उमेश बागरेचा
   - नागरिकता - भारतीय
   - निवास स्थान - वार्ड नं. 9 गुजरी चौक, बालाघाट

मैं उमेश बागरेचा घोषित करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

दिनांक- 1 मार्च 2026

हस्ताक्षर
उमेश बागरेचा
प्रकाशक

मप्र और महाराष्ट्र होंगे कनेक्ट, फर्राटे भरेंगी गाडियां

2500 करोड़ की लागत से बनेगी फोरलेन सड़क

भोपाल । सिवनी से महाराष्ट्र के सावनेर तक 2,500 करोड़ की लागत से बनने वाली 150 किलोमीटर फोरलेन सड़क का निर्माण काम जल्द ही शुरू होगा। फोरलेन निर्माण को लेकर सांसद बंटी विवेक साहू ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था। जिसके जबाव में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद बंटी विवेक साहू को पत्र भेजकर फोरलेन निर्माण को लेकर की जाने वाली प्रक्रिया से अवगत कराया।

सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि केन्द्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 2,500 करोड़ की लागत से बनने वाले छिंदवाड़ा से सावनेर और छिंदवाड़ा से सिवनी के 150 किलोमीटर फोरलेन मार्ग के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके निर्माण को लेकर विभागीय प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सांसद बंटी विवेक साहू को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 547 छिंदवाड़ा से सावनेर एवं 347 छिंदवाड़ा से सिवनी को फोरलेन में कन्वर्ट करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

शासन स्तर पर ट्रैफिक सर्वेक्षण कराया गया था

सरकार के ट्रैफिक सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर और इन सडक़ों पर ब्लैक स्पॉट्स की उपस्थिति, सामाजिक व आर्थिक महत्व तथा पर्यटन स्थलों से जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए, फोरलेन चौड़ीकरण के लिए डिटेल परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करने के लिए परामर्शदाता की नियुक्ति संबंधी निविदाएं प्राप्त कर ली गई हैं। डीपीआर के तैयार होने एवं उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी। पत्र के अनुसार केन्द्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग विभाग ने फोरलेन के निर्माण को लेकर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। कार्यवाही पूरी होते ही अब जल्द ही नेशनल हाइवे 547 छिंदवाड़ा से सावनेर एवं 347 छिंदवाड़ा से सिवनी को फोरलेन में कन्वर्ट करने का काम प्रारंभ कर दिया जायेगा।

छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा के विकास को मिलेगी गति

सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि छिंदवाड़ा से सावनेर तक फोरलेन सडक़ का निर्माण हो जाने से जहां जिले के निवासियों को आवागमन में सुविधा होगी वहीं छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा के विकास को गति भी मिलेगी। अभी छिंदवाड़ा से नागपुर तक जाने में लगभग 4 घण्टे का समय लगता है जो कि घटकर 2 घण्टे का रह जायेगा, वहीं दुर्घटनाएं भी कम होंगी।फोरलेन बन जाने से छिंदवाड़ा और सौंसर में नये उद्योग खुलने की संभावनाएं भी बढ़ जायेंगी। दोनों जिलों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। छिंदवाड़ा जिला महानगरों की तर्ज पर विकसित हो रहा है। कई बड़ी औद्योगिक इकाइयां भी जिले में संचालित हैं। भविष्य में यहां पर कृषि आधारित उद्योग भी स्थापित किये जाने हैं। यहां कन्हान नदी पर 4 हजार करोड़ की लागत वाले छिंदवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स का काम जारी है।

तीन शहरों में स्थापित होंगे आधुनिक शराब जांच लैब

भोपाल। मध्य प्रदेश में लागू नई आबकारी नीति के तहत भोपाल, इंदौर और जबलपुर में शराब के सैंपलों को जांचने के लिए प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। अब तक जांच अलग-अलग जगह करानी होती थी। रिपोर्ट मिलने में देरी और सैंपलों से छेड़छाड़ की आशंका भी बनी रहती थी। आबकारी विभाग प्रयोगशाला के लिए जल्द जगह चिह्नित करेगा। नीति में प्रदेश में बनने वाली शराब की देश और विदेश तक प्रचार करने खास आयोजन या विशेष स्थानों पर इनके सैंपल भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सास से मारपीट करने वाली बहू को न्यायालय उठने तक की सजा और 5500 रुपये अर्थदंड

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती शिखा शर्मा की बालाघाट की न्यायालय ने मारपीट के मामले में आरोपी दीपा डोंगरे पति अर्जुन डोंगरे 26 वर्ष वार्ड नंबर 1 ढीमरटोला बूढ़ी बालाघाट निवासी को न्यायालय उठने तक का कारावास और 5500 अर्थदंड से दंडित किये। इस महिला के विरुद्ध अपनी सास को मारपीट कर सामान को तोड़फोड़ करने का आरोप था।हाल में यह महिला ग्राम मोहगांव धपेरा थाना लालबर्रा में निवासी कर रही है। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 15 अप्रेल को कोतवाली बालाघाट में फरियादिया गीता डोंगरे ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि को शाम करीब 4:45 बजे वह अपने घर पर अकेली थी। तभी उसकी बहू दीपा घर के पीछे के दरवाजे से आई और अश्लील गालियां देते हुए उस पर हमला कर मारपीट की और दीपा ने जान से खत्म करने धमकी देकर कहा कि तुझे बचाने वाला घर पर कोई नहीं है यह कहते हुए उसने घर का सामान—टीवी, आईना एवं अन्य वस्तुएं,तोड़फोड़ कर दी उसके शोर मचाने पर उसका किरायेदार एवं अन्य लोग मौके पर पहुंचे और दीपा को समझाया और बीच बचाव किये।उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 253/24 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर प्रकरण विवेचना को लिया गया। अनुसंधान पूर्ण कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।माननीय न्यायालय ने प्रकरण में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्ता दीपा डोंगरे को धारा 325 भा.दं.वि. के अंतर्गत न्यायालय उठने तक का कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड तथा धारा 427 भा.दं.वि. के अंतर्गत न्यायालय उठने तक का कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड से दंडित किये। इस मामले की पैरवीकपिल कुमार डहेरिया सहायक संचालक (अभियोजन) के मार्गदर्शन में अभियोजन की ओर से देवेंद्र कुमार डहेरिया सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बालाघाट द्वारा की गई।

क्राईम फाईल

ईरानी गैंग : पुलिस ने 200 किलोमीटर के 150 सीसीटीवी कैमरों की गहन पड़ताल कर पकड़ा

महिला को झांसा देकर गहने उतरवाने वाले अंतरराज्यीय ईरानी गैंग के 2 आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/वारासिवनी। महिला को झांसा देकर सोने के गहने उतरवाकर ठगी करने के मामले में वारासिवनी पुलिस ने ७२ घंटे के भीतर सफलता अर्जित कर खुलासा किया है। जिसमें २०० किलोमीटर की दूरी तय कर नागपुर तक पीछा कर १५० सीसीटीवी कैमरे की गहन पड़ताल कर अंतरराज्यीय ईरानी गैंग के दो आरोपी नादिर जैदी और जैनब जैदी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आई.२० कार, सोने के गहने बरामद कर पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश किया है। इस घटना में महिला को बातो से विश्वास में लेने और उपाय के नाम पर यह ठगी करना पता चल पाया है। जिसमें पुलिस के द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

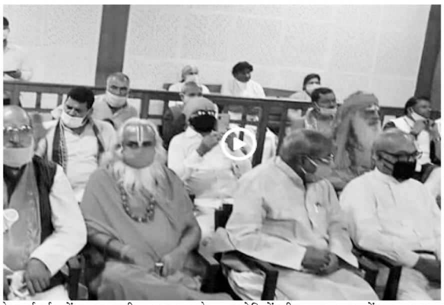

यह हैं मामला

श्रीमती विद्या ठाकरे निवासी वार्ड क्रमांक १५ वारासिवनी के साथ २३ फरवरी की रात लगभग ८ बजे एक अज्ञात महिला व पुरुष ने बातचीत में उलझाकर झांसा दिया। उनके सोने के गहने उतरवाकर सफेद रंग की कार से फरार हो गए थे। इस घटना के बाद पूरे नगर में सनसनी फैल गई। पुलिस के द्वारा मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१८,४ के तहत प्रार्थी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वहीं घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देकर पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसडीओपी वारासिवनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पवन यादव के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

सीसीटीवी कैमरे से मिला सुराग

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नेहरू चौक सहित शहर व हाईवे के कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार ट्रैकिंग करते हुए बालाघाट, कटंगी होते हुए नागपुर तक आरोपियों की लोकेशन चिन्हित की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें पुलिस टीम ने बालाघाट से नागपुर तक करीब १५० से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच कर लगभग २०० किमी तक आरोपियों का पीछा किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में लूट, डकैती व चोरी के मामले दर्ज होना भी सामने आया है।

आरोपियों ने इस प्रकार की वारदात

आरोपियों ने नेहरू चौक के पास फरियादी से पहले आंखों के डॉक्टर का पता पूछकर बातचीत शुरू की और पास खड़ी महिला को भी शामिल कर विश्वास का माहौल बनाया। इसमें पास खड़ी महिला उन्हीं की साथी थी जिनके द्वारा विद्या ठाकरे को बातों के माध्यम से विश्वास में लिया गया। तभी परेशानी पता चलते ही परेशानियां दूर करने के नाम पर नगदी, मंगलसूत्र,कान के टॉप्स एवं मोबाइल थैले में रखवाकर फरियादी को कुछ कदम दूर भेज दिया तथा मौका पाकर सामान लेकर कार से फरार हो गये थे।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

पुलिस ने ईरानी गैंग के एक पुरुष व एक महिला आरोपी को हिरासत में लिया है। एक आरोपी की पहचान नादिर पिता तालिब जेंदी उम्र ५५ वर्ष एवं दूसरे आरोपी की जैनब पति नादीर जैदी उम्र ४३ वर्ष दोनों निवासी ग्राम पंचायत के पास कामठी, वर्तमान पता हुडको कॉलोनी जरीपटका नागपुर के रूप में हुई। जिन्हे पुलिस ने उनके वर्तमान पते से दोनों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक जोड़ी सोने के टॉप्स एक सोने का पेंडल एक वन प्लस कंपनी का मोबाइल फोन घटना में प्रयुक्त हुंडई आई २० कार बरामद की गई है। कुल जप्त संपत्ति की अनुमानित कीमत लगभग चार लाख दस हजार रुपये है। आरोपीगणों से बालाघाट एवं अन्य स्थानों में घटित घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इसमें नादिर जैदी और जैनब जैदी के खिलाफ महाराष्ट्र के मुंबई सिटी कोल्हापुर नागपुर एवं नागपुर ग्रामीण के पुलिस थानों में अपराध दर्ज है।

यह ईरानी गैंग के सदस्य हैं इन्होने महिला को विश्वास में लेकर की ठगी अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि २३ फरवरी की शाम ८ बजे विद्या ठाकरे से नेहरू चौक के पास एक पुरुष और महिला ने बातचीत कर विश्वास में लेकर उनकी परेशानी का फायदा उठाकर उपाय बताने के नाम पर झुमके मंगलसूत्र का पेंडेंट उतरवा कर साथी महिला के साथ मिलकर ठगी की थी। इस घटना में सीसीटीवी फुटेज लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध दर्ज कर टीम गठित की गई। थाना प्रभारी के नेतृत्व में आलोक बिसेन, हेमंत बघेल ने अच्छा काम किया। जरीपटका नागपुर में रहने वाले यह दो व्यक्ति जो पति.पत्नी है इन्हें गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से सामान भी बरामद किया गया है नादिर जैदी के ऊपर अलग अलग थानों में पांच अपराध जैनब जैदी पर एक अपराध पूर्व में दर्ज है। बातचीत से इन्होंने महिला को विश्वास में लिया था यह ईरानी गैंग के सदस्य है।

इनका रहा सराहनीय योगदान

इस प्रकरण के खुलासे में थाना प्रभारी पवन यादव ,उपनिरीक्षक कमलेश यादव, सायबर सेल उपनिरीक्षक नीता मोहारे, सहायक उपनिरीक्षक तरुण सोनेकर ,प्रधान आरक्षक शाहिद परवेज, आरक्षक आलोक बिसेन, थाना रामपायली हेमंत बघेल, वसीम खान, शिवदत्त शर्मा ,सुजीत कोटांगले ,महिला आरक्षक शारदा पटेल एवं प्रदीप पुट्टे सायबर सेल का विशेष योगदान रहा।

जहरीले सांप के काटने से वृद्धा की मृत्यु

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। जहरीले सांप के काटने से जिला अस्पताल में भर्ती एक वृद्धा की उपचार के दौरान मौत हो गई। रितिका केसरबाई आती तुलसी राहंगडाले 68 वर्ष ग्राम फुटारा थाना खैरलांजी निवासी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केसरबाई ग्राम फुटारा में अपने भाई भतीजो के परिवार के साथ में रहती थी और खेती किसानी करती थी। 28 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे करीब केसरबाई अपने घर के पीछे बाड़ी में सफाई कर रही थी। तभी उसके दाहिने हाथ के अंगूठे में किसी जहरीले सांप ने काट दिया। इस संबंध में केसरबाई ने अपने परिवार वालों को बताई। जिन्होंने केसरबाई को डोंगरमाली के अस्पताल में भर्ती किए थे।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान शाम।को केसरबाई की मौत हो गई। रात्रि होने से जिला अस्पताल पुलिस ने केसरबाई का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है।जिसका पोस्टमार्टम 1 मार्च को किया जाएगा।

पति पत्नी सहित 3 आरोपियों को न्यायालय उठने तक की सजा और कुल 3 हजार रुपये अर्थदंड

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती शीलू जैन की न्यायालय ने मारपीट के मामले में पति पत्नी सहित तीन आरोपी को न्यायालय उठने तक का कारावास और 3हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। तीनो आरोपी नोहरलाल पिता अंतु मोहारे 69 वर्ष, चतराबाई पति नोहरलाल मोहारे 54 वर्ष और तिरथलाल उर्फ फिरथलाल मोहारे 33 वर्ष तीनो ग्राम चिखला थाना हट्टा बालाघाट निवासी है।

घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 18 अक्टूबर 2022 को सुबह लगभग 8 बजे फरियादी श्रीमती उर्मिला अपने घर पर थी। तभी पड़ोस के अभियुक्तगण नोहरलाल, चतराबाई व तिरथलाल घर के सामने आंगन में आए और कहा कि नल-जल योजना के अंतर्गत नल में लगे फरियादी के टुल्लू पंप के कारण उनके घर में पानी कम आ रहा है।उसे निकाल लो।फरियादी टुल्लू पंप निकालने के लिए तैयार हो गई इसके बाद भी अभियुक्तगण उसे माँ-बहन की अश्लील गालियाँ देने लगे। मना करने पर अभियुक्त चतराबाई ने फरियादी उर्मिला बाई के बाल खींचकर हाथ-मुक्कों से मारपीट की जिससे उसके बाएं हाथ की कलाई के पास चोट आई।आवाज सुनकर फरियादी उर्मिला बाई का पति उमाकांत बीच-बचाव करने आए तो अभियुक्त नोहरलाल एवं तिरथलाल ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की की। जाते-जाते अभियुक्तों ने टुल्लू पंप नहीं निकालने पर जान से खत्म करने की धमकी दी थी।इस संबंध में फरियादी उर्मिला द्वारा थाना हट्टा में सूचना दी गई। जिसके आधार पर अपराध क्रमांक 164/2022 धारा 294, 323, 34, 506 भा.दं.वि. के अंतर्गत पंजीबद्ध कर विवेचना की गई।संपूर्ण कार्यवाही उपरांत अभियुक्तगण के विरुद्ध आरोपपत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था न्यायालय ने प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों को भा.दं.वि. की धारा 323/34 (2 शीर्ष) में दोषसिद्ध करते हुए तीनों को न्यायालय उठने तक का कारावास और प्रत्येक को 1000-1000 रुपये इस प्रकार कुल 3000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया।इस मामले की पैरवी कपिल कुमार डहेरिया सहायक संचालक (अभियोजन) के मार्गदर्शन में श्रीमती शाहजहां अंसारी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बालाघाट द्वारा की गई।

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर कार्रवाई : डम्पर और ट्रेक्टर ट्राली जप्त

पदमेश न्यूज़,बालाघाट। थाना नवेगांव (ग्रामीण) एवं थाना वारासिवनी पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन कर रहे 1 डंपर एवं 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किये है। डंपर चालक को गिरफ्तार की जबकि ट्रैक्टर चालक फरार हो गया।

नवेगांव ग्रामीण पुलिस की कार्रवाई

ग्रामीण पुलिस ने 27 फरवरी 2026 को ग्राम मगरदर्रा रेत घाट से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे एक डंपर को पकड़े। डम्पर को जप्त कर चालक दिमाकचंद गौतम 40 वर्ष ग्राम बोदालझोला, परसवाड़ा को गिरफ्तार किये। जिसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 66/2026 में

धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता

धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम, 1952के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

वारासिवनी पुलिस की कार्रवाई

इसी दिन थाना वारासिवनी पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम सिर्रा नदी रेत घाट से अवैध उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से रेत का परिवहन किया जा रहा है। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर ट्राली का पीछा किया गया। इस दौरान चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ग्राम रमरमा चौक पर छोड़कर फरार हो गया।उक्त मामले में अज्ञात चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 79/2026 दर्ज किया गया है। इस प्रकरण में अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम, 1952,धारा 53(1) म.प्र. गौण खनिज नियम, 1966 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की सख्त चेतावनी

बालाघाट पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। अवैध खनन से न केवल शासन को राजस्व हानि होती है, बल्कि पर्यावरण और नदी तंत्र को भी गंभीर नुकसान पहुंचता है। ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

REQUIREMENT

Subject	Requirement	Qualification
English	- 01	Graduation D.Ed, B.Ed
Science	- 01	
Maths	- 01	
SST	- 01	
Computer Operator	- 01	

पता-अनुपमा रॉयल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल
आशा निवास के पीछे वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी, बालाघाट (म.प्र)
मो. 9399010324, 9981250403, 9893083276

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट